आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा-अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि - 16

ढाका में बेगम खालिदा जिया राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक - 17

विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की लगातार चौथी जीत, जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन -18

नव वर्ष की शुभकामनाएं

आज का मौसम

18.0° अधिकतम तापमान

08.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.04 | सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ | बरेली | कानपुर | मुरादाबाद | अयोध्या | हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 10:22 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082 | बरेली | गुरुवार, 1 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 38, पृष्ठ 20+4+12(पंचांग) ■ मूल्य 6 रुपये

नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. भ्रमरेश शर्मा

MBBS, M.S. (Optho.)

CONSULTANT EYE SURGEON

मोतियाबिन्द
- ✓ MICS फेको विधि
- ✓ मल्टी फोकल लैंस
- ✓ टोरिफ, EDOF लैंस
- ✓ न इंजेक्शन, न परहेज

- ✓ MICS सबसे पावरफुल मशीन
- ✓ Optical Biometer मल्टी फोकल लैंस
- ✓ चश्में पर कम निर्भरता
- ✓ अतिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ

कालापानी
- ✓ सम्पूर्ण जाँच
- ✓ RFNL Analysis
- ✓ VF Analysis
- ✓ लेजर ऑपरेशन

रेटिना (पर्दा)
- ✓ OCT, FFA NFL Analysis
- ✓ B.Scan अल्ट्रासाउण्ड

पुतली (Cornea)
- ✓ Topography
- ✓ Keratoconus

अन्य
- ✓ Yag Laser
- ✓ भेंगापन का इलाज
- ✓ नाखूना ऑपरेशन
- ✓ पलकों का ऑपरेशन

प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत
मुफ्त इलाज की सुविधा

पारिजात चैरिटेबिल आई हास्पिटल

सूद धर्मकांटा, मैकनियर रोड, बरेली।

89793-00360, 89790-69333

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. सतेन्द्र शर्मा

M.D. (Ayu.)

बवासीर, भगन्दर रोग विशेषज्ञ

क्या आपकी हर सुबह परेशानी लेकर आती है

जैसे : शौच के समय जलन, दर्द एवं खून, मल द्वार के पास से मवाद व कपड़े खराब होते रहना।

क्षार सूत्र विधि द्वारा इन सभी बीमारियों से सम्पूर्ण निदान पायें।

श्रद्धा केयर अस्पताल

मिनी बाईपास, प्रेम नर्सरी के सामने, कर्मचारी नगर, नैनीताल रोड, बरेली।

सम्पर्क सूत्र :

9758284825, 8077550393

Happy New Year 2026

नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

B.L. INTERNATIONAL SCHOOL

NC to XII

CBSE AFFILIATED

- Digital Classes
- Smart Technology
- Various Sports Facilities
- Creative Education
- Transportation Available
- Air-Conditioned Library
- Best Faculty
- Special Designed Lab

ADMISSION OPEN

Rajesh Gupta
Chairman

Entire Campus Under CCTV Surveillance

C.B. Ganj, Delhi Road, Near Amrapali Mall, Bareilly E-mail: blinternationalschool@gmail.com

Cell 9012416566, 9927800055, 8958827301

Hotel Comfort INN BL

4 Star Hotel ★★★★

Wedding Season - BOOK 4 STAR HOTEL in YOUR BUDGET

& Feel Difference with Wonderful Packages

सगाई से विदाई तक...

- Banquet Lawn for 1000 Person
- Birthday | Kitty | Meeting Party | AC Hall
- Largest Parking Space Available
- Restaurant Veg / Non Veg / South Indian
- Catering etc. Available
- Luxury AC Rooms Available

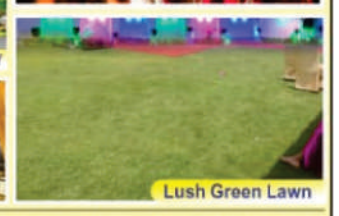

C.P.-5, Lohiya Vihar, Near Amrapali Mall, C.B. Ganj, Rampur Road, Bareilly E-mail : sales@blhotel.in

☎ +91-9012416566, +91-8650504430/36

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा-अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि - 16

ढाका में बेगम खालिदा जिया राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक - 17

विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की लगातार चौथी जीत, जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन -18

नव वर्ष की शुभकामनाएं

आज का मौसम
18.0° अधिकतम तापमान
08.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.04
सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 10:22 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082 | बरेली | गुरुवार, 1 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 38, पृष्ठ 20+4+12(पंचांग) ■ मूल्य 6 रुपये

अखबार पढ़ने की आदत : एक जरूरी पुनर्विचार

1960 से 1980 के दशक में जन्मी पीढ़ी के लिए अख़बार केवल समाचार पत्र नहीं था, बल्कि दिन की शुरुआत का एक अनिवार्य हिस्सा था। सुबह दरवाज़े पर अख़बार गिरने की मद्धम सी आवाज़ के साथ दिन शुरू होता। जो जल्दी उठता, वही सबसे पहले पूरा अख़बार पढ़ने का सौभाग्य पाता। कुछ ही घंटों में उसके पन्ने घर के अलग-अलग सदस्यों तक पहुंच जाते— किसी के लिए समाचार, किसी के लिए खेल, व्यापार या फिर स्थानीय खबरें।

उन दिनों अख़बार समाज की धड़कन हुआ करता। स्थानीय विज्ञापन, वैवाहिक सूचनाएं, शोक समाचार, टेंडर नोटिस, राजनीतिक गतिविधियां, सामाजिक कार्यक्रम और नागरिक मुद्दे–सब कुछ उसी में दर्ज होते। ये समाचार लोगों को अपने आसपास की दुनिया से जोड़ते और समुदाय के साथ एक आत्मीय रिश्ता भी बनाते थे। आज हम एक डिजिटल और मोबाइल-केंद्रित युग में जी रहे हैं। सूचनाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन विश्वसनीयता, पुष्टि और संदर्भ का अभाव स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर खबरें तेज़ी से आती-जाती हैं, परंतु उनमें गहराई और ज़िम्मेदारी अक्सर नहीं होती। सबसे अधिक नुकसान हाइपरलोकल समाचारों का हुआ है– वे खबरें जो सीधे हमारे जीवन, हमारे शहर और हमारे मोहल्ले को प्रभावित करती हैं।

मीडिया उद्योग में अपने 30 वर्षों के अनुभव के दौरान मैंने इस परिवर्तन को बहुत करीब से देखा है। तकनीक बदली है, समाचार वितरण के माध्यम बदले हैं, लेकिन पत्रकारिता का मूल उद्देश्य आज भी वही है– सत्य, संतुलन और विश्वास। अख़बार आज भी प्रमाणिकता, संपादकीय अनुशासन और ज़िम्मेदार रिपोर्टिंग का सबसे मज़बूत माध्यम बने हुए हैं। अखबार समाचारों और सूचनाओं का सच्चा और तटस्थ माध्यम आज भी है, यही वजह है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूलों में अखबार अनिवार्य किया है। साथ ही छात्रों को इसे पढ़ने की आदत डालने के लिए भी कहा है। अख़बार हमें रुककर सोचने की आदत सिखाता है, केवल प्रतिक्रिया देने की नहीं। यह समाज का दस्तावेज़ है— आज का भी और आने वाले कल का भी। अखबार पढ़ना अतीत की कोई धुंधली याद नहीं, बल्कि वर्तमान की एक बौद्धिक आवश्यकता है। यह हमें शोर से बचाकर सार तक ले जाता है। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियां केवल सूचनाओं से भरी न हों, बल्कि उनके पास विवेक और समझ भी हो, तो अखबार को फिर से ड्राइंग रूम की मेज पर गरिमापूर्ण स्थान देना होगा।

2026 की ओर बढ़ते हुए यह सवाल प्रिंट बनाम डिजिटल का नहीं, सवाल यह है कि हम किस तरह की जानकारी पर भरोसा करना चाहते हैं। घरों, दफ्तरों और संस्थानों में अख़बार को फिर से रोज़मर्रा की आदत बनाना किसी अतीत की याद नहीं, बल्कि एक जागरूक समाज की ज़रूरत है।

आइए, एक संकल्प लें :
- एक अख़बार की सदस्यता लेने का।
- स्थानीय पत्रकारिता को समर्थन देने का।
- पुष्ट और विश्वसनीय समाचार पढ़ने का।
- और सबसे अहम अगली पीढ़ी को अखबार पढ़ने की आदत सौंपने का।

अमृत विचार की तरफ से आप सभी को नूतन वर्ष मंगलमय हो...

पार्थो कुनार
सीओओ

अब देश में हर जगह बोल सकते जय श्रीराम और राम-राम : मुख्यमंत्री

जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की दूसरे वर्षगांठ समारोह में बोले योगी

- **रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी समारोह में हुए शामिल**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/अयोध्या

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में अब किसी भी जगह जयश्रीराम और राम-राम बोल सकते हैं। भारत सरकार की योजना भी अब 'जी राम जी' के नाम पर आ गई है जो रोजगार की सबसे बड़ी स्कीम बनने जा रही है। कोई भी बेरोजगार कहेगा कि मुझे अपनी ग्राम पंचायत में रोजगार चाहिए तो उसे साल में 125 दिन रोजगार की गारंटी गांव में ही मिल जाएगी।

श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ (प्रतिष्ठा द्वादशी) बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। यहां मुख्यमंत्री योगी ने अंग्रेजी नववर्ष 2026 की शुभकामना देते हुए प्रार्थना की कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलकारी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या ने स्वतंत्र भारत में रामजन्मभूमि आंदोलन के अनेक पड़ाव देखे हैं। अयोध्या के नाम से ही अहसास होता है कि यहां कभी युद्ध नहीं हुआ। कोई भी दुश्मन यहां के शौर्य, वैभव व पराक्रम के आगे टिक नहीं पाया, लेकिन कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ, मजहबी जुनून व सत्ता के तुष्टिकरण की निकृष्टता में पड़कर अयोध्या को भी उपद्रव और संघर्ष का अड्डा बना दिया था।

योगी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए राजनाथ सिंह की श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में प्रत्यक्ष भूमिका रही है।

ऑपरेशन सिंदूर में हमने राम की शिक्षा का पालन किया: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रामलला के दर्शन करने के बाद मंत्रोच्चार के बीच परिसर में बने मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा को स्थापित किया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा जिस प्रकार श्रीराम ने युद्ध में मर्यादा न छोड़ने की शिक्षा हम सबको दी है, उसी प्रकार हमारी सेना ने भी सीमित, नियंत्रित और उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की। ऑपरेशन का उद्देश्य आतंकियों को सबक सिखाना था, हमने उनके ठिकाने में घुस कर सबक सिखाया है। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन को अद्वितीय बताया। कहा, भारत से लेकर पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम और थाईलैंड जैसे अनेक देश जहां हिंदुओं के अलावा अन्य समुदायों के लोग भी प्रभु राम से खुद को जुड़ा हुआ मानते हैं, यह उन सबका आंदोलन था। 500 वर्ष अहिंसक संघर्ष से चलने वाला ऐसा आंदोलन कहीं देखने को नहीं मिलेगा।

स्वदेशी के नाम नए साल की पूर्व संध्या

कामयाबी : एक ही लॉन्चर से दागीं दो प्रलय मिसाइलें

- **ट्रैकिंग सेंसरों से हुई सफल परीक्षण की पुष्टि**

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार को ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए एक ही लांचर से एक के बाद एक दो स्वदेशी प्रलय मिसाइलों का एक साथ प्रक्षेपण किया। दोनों मिसाइलों ने निर्धारित मार्ग पर सभी उड़ान उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसकी पुष्टि चांदीपुर स्थित रेंज के ट्रैकिंग सेंसरों से हुई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह से 'सैल्वो' प्रक्षेपण सुबह ओडिशा तट के पास किया गया। सैल्वो प्रक्षेपण में एक से ज्यादा मिसाइलें एक साथ दागी जाती हैं। टर्मिनल घटनाओं की पुष्टि प्रभाव बिंदुओं के निकट तैनात जहाज पर स्थापित टेलीमेट्री प्रणालियों ने की।

अत्याधुनिक नेविगेशन है विशेषता : प्रलय देश में ही विकसित ठोस ईंधन आधारित अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसमें उच्च सटीकता सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक मार्गदर्शन और नेविगेशन प्रणाली का उपयोग किया गया है। यह मिसाइल विभिन्न लक्ष्यों के विरुद्ध अनेक प्रकार के मुखास्त्र ले जाने में सक्षम है।

180 की रफ्तार से दौड़ी वंदे भारत

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेन' का अंतिम चरण का हाईस्पीड परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के साथ आत्मनिर्भर रेल प्रौद्योगिकी की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। अधिकारियों के मुताबिक रेल सुरक्षा आयुक्त की देखरेख में किया गया यह परीक्षण कोटा-नागदा खंड पर हुआ, जहां ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति से दौड़ी। इससे पहले वंदे भारत स्लीपर ट्रेन कई बार निर्धारित समय सीमा से चूक गई थी। अधिकारियों ने बताया कि सवारी स्थिरता, दोलन, कंपन व्यवहार, ब्रेकिंग प्रदर्शन, आपातकालीन ब्रेकिंग प्रणाली, सुरक्षा प्रणालियों और अन्य महत्वपूर्ण मापदंडों के आकलन सहित व्यापक तकनीकी मूल्यांकन किए गए।

उप्र पुलिस में 32,679 नई भर्तियों की घोषणा

- **साल के आखिरी दिन युवाओं को योगी सरकार ने दी अच्छी खबर**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : साल 2025 के आखिरी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों युवाओं को अच्छी खबर दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत कुल 32,679 पदों पर भर्ती की विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

भर्ती बोर्ड के अनुसार अभ्यर्थी 31 दिसंबर 2025 से 30 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन से पहले उम्मीदवारों को बोर्ड की वन टाइम रजिस्ट्रेशन यानी ओटीआर प्रणाली में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, तेज और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

ओटीआर के जरिए एक बार पंजीकरण कराने के बाद अभ्यर्थियों को बार-बार दस्तावेज अपलोड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी। योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यकाल में पुलिस भर्ती अब अभियान का रूप ले चुकी है। साल 2025 में ही 60,244 पदों पर सिपाही भर्ती पूरी की गई थी और अब 32,679 नई भर्तियों की घोषणा ने यह साफ कर दिया है कि सरकार कानून-व्यवस्था के साथ-साथ युवाओं के भविष्य को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

लिवर खराब करने वाली दवा निमेसुलाइड पर प्रतिबंध

- **सौ मिलीग्राम से अधिक मात्रा वाली ओरल दवाएं दायरे में**

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ऐसी सभी ओरल दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें निमेसुलाइड की मात्रा 100 मिलीग्राम से अधिक है। लिवर-किडनी को नुकसान पहुंचाने वाली इस दवा को मंत्रालय ने एक वर्ष पहले मवेशियों के लिए भी प्रतिबंधित कर दिया था। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पहले ही इससे रोगियों में लिवर-किडनी को घातक नुकसान पहुंचने की आशंका जताई थी। इसे गिद्धों के लिए भी खतरनाक बताया गया था। आईवीआरआई के एक अध्ययन के दौरान जिन जिन गिद्धों को निमेसुलाइड दी गई, वे 24 घंटे के भीतर मर गए। कई देशों में 20 साल पहले ही इस पर प्रतिबंध लग चुका है।

देखें विशेष पेज-8-9

रिश्वतखोरी में सीजीएसटी उपायुक्त समेत 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने उत्तर प्रदेश के झांसी में सीजीएसटी कार्यालय में रिश्वतखोरी के रैकेट का भंडाफोड़ कर भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी व उपायुक्त प्रभा भंडारी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अन्य लोगों में अधीक्षक अनिल तिवारी व अजय कुमार शर्मा, जय दुर्गा हार्डवेयर के मालिक राजू मंगतानी और वकील नरेश कुमार गुप्ता शामिल हैं। सीबीआई ने 30 दिसंबर को इस संबंध में मामला दर्ज किया था। आरोप है कि जीएसटी चोरी के मामलों में निजी फर्मों को फायदा पहुंचाने के लिए 1.5 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी गई थी।

सुबह 10 से 3 बजे तक चलेंगे माध्यमिक स्कूल

लखनऊ। प्रदेश में 2 जनवरी से सभी माध्यमिक स्कूल खुल जाएंगे। यह स्कूल सुबह 10 बजे से दोपहर 3 .0 बजे तक खुलेंगे। सर्दी को देखते हुए स्कूलों के समय को एक घंटा कम किया गया है। पहले इन स्कूलों का समय 9 .30 बजे से 3 .30 बजे तक का था। माध्यमिक स्कूलों से अलावा प्राथमिक स्कूलों में 14 जनवरी तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। यह 15 दिन का शीतकालीन अवकाश बेसिक के अवकाश कैलेंडर में अंकित होता है।

18 साल की उम्र में साउथ पोल तक स्कीइंग

- **काम्या ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं**

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के अधिकारी की 18 साल की बेटी काम्या कार्तिकेयन ने साउथ पोल तक स्कीइंग करके इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं।

काम्या ने 89 डिग्री दक्षिण से शुरू करके, अपने पूरे एक्सपेडिशन का सामान ले जा रही स्लेज को खींचते हुए, स्कीइंग करते हुए ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पैदल लगभग 115 किमी का सफर तय किया। उन्होंने 27 दिसंबर को यह मुश्किल अभियान पूरा किया। भारतीय नौसेना ने काम्या को बधाई दी है। काम्या नेवी चिल्ड्रन्स स्कूल की पूर्व छात्रा हैं।

झेला माइनस 30 डिग्री तापमान व तेज तूफानी हवाएं

शानदार उपलब्धि हासिल करने के लिए काम्या ने अंटार्कटिका की माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तापमान और तेज तूफानी हवाओं जैसे मुश्किल हालात का सामना किया। वह पूरे एक्सपेडिशन के सामान से भरी स्लेज को खींचते हुए लगभग 60 नॉटिकल मील (लगभग 115 किमी) पैदल चलकर 27 दिसंबर को साउथ पोल पर पहुंचीं।

पर्यावरण की चिंता | संघ प्रमुख ने कहा- विकास और पर्यावरण में संतुलन जरूरी, वर्ना भविष्य को चुकानी पड़ेगी बड़ी कीमत

अरावली का जिक्र कर भागवत ने दी चेतावनी

रायपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बुधवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक कार्यक्रम में अरावली पर्वतमाला का उदाहरण देते हुए कहा कि विकास और प्रकृति में संतुलन बेहद जरूरी है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पर्यावरण का ख्याल रखे बगैर विकास की रफ्तार जारी रखी गई तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय प्रवास के दौरान मोहन भागवत बुधवार को रायपुर एम्स में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मौजूदा दौर में विकास की दिशा पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है, क्योंकि ऐसा कोई मॉडल अब तक सामने नहीं आया है, जिसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और पर्यावरण संरक्षण बिना टकराव के एक साथ आगे बढ़ सके। ऐसी परिस्थितियों में समाज को संतुलित और टिकाऊ विकल्पों की ओर बढ़ना ही होगा।

उन्होंने इस परिप्रेक्ष्य में अरावली पर्वतमाला का उल्लेख किया जिसकी नई परिभाषा लागू किए जाने पर देश भर के प्रमुख पर्यावरणविदों ने गंभीर चिंता जताई थी जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इसे स्थगित कर दिया है।

युवा जिम्मेदारी समझें, बड़े बदलाव की नींव रखें

संघ प्रमुख ने कहा कि विकास और प्रकृति को परस्पर विरोधी मानने के बजाय दोनों का समानांतर और संतुलित विस्तार जरूरी है। इसके लिए केवल नीतियों में बदलाव ही नहीं, बल्कि जीवनशैली में भी सकारात्मक परिवर्तन लाने होंगे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे करियर और रोजगार के साथ पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझें और छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव की नींव रखें। युवाओं से जुड़े सामाजिक मुद्दों पर बात करते हुए भागवत ने नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज का युवा भीतर से अकेलापन महसूस कर रहा है।

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. इफ्तेकार बेग
Happy New Year 2026
शगुफ्ता क्लीनिक

आप सभी क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026
की हार्दिक शुभकामनाएं

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
Happy New Year 2026
कमल किशोर
जिला पंचायत राज अधिकारी बरेली
राम लाल कश्यप
जिला अध्यक्ष उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ बरेली

आप सभी क्षेत्रवासियों को नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
हरेंद्र सिंह
प्रभारी निरीक्षक, थाना शीशगढ़

आप सभी क्षेत्रवासियों को नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
अहमद कलेक्शन सेंटर
9058959745, 9627379066
9627890588
मेन ढाल, मोहल्ला गढ़ी, शीशगढ़

ग्रामीण मिनी डीजल पम्प
की ओर से सभी क्षेत्रवासियों व देश वासियों को नव वर्ष 2025 एवं मकर संक्रांति, गणतंत्र दिवस, महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रो. दौलत राम गुप्ता
पता - मुख्य बाजार मैन रोड फतेहगंज पश्चिमी बरेली

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. इकरार
Happy New Year 2026
उड़ला जागीर

नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत बल्लिया से प्रधान पद प्रत्याशी उम्मीदवार
मंगलामुखी गुरु सोनी बुआ जी
समाजसेवी
बल्लिया

समस्त ग्रामवासियों को
नववर्ष 2026, मकर संक्रान्ति गणतंत्र दिवस व बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रधान पद प्रत्याशी
साफ-सुथरा गाँव
सुरक्षित गाँव
स्वच्छ गाँव
स्वस्थ गाँव
हमारा संकल्प
हरि प्रकाश
उर्फ बबलू यादव
M. 9411424003, 8077119649

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रतिभा पैलेस
शादी-विवाह, सगाई, बर्थ-डे पार्टी एवं अन्य किसी शुभ अवसर पर बुकिंग हेतु सम्पर्क करें
प्रो. डॉ. विशाल वर्मा
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।
पता : देवचरा, सहासा रोड, तालमढ़ी के पास (बरेली)
मो. 9917516191

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
ओम लाइफ नर्सिंग होम
विभाग :
- सर्जरी विभाग
- मेडीसन विभाग
- स्त्री एवं शिशु रोग विभाग
- हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग
ओ.पी.डी. : प्रातः 10 बजे से दोपहर 03 बजे तक
7617772726, 7454925492
पता-बिलासपुर बस स्टैंड, शीशगढ़, बरेली

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
सर्वेन्द्र कुमार मौर्य
प्रधान
अजय कश्यप
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बिधुरैया सिरसा
विकास खंड आलमपुर जाफराबाद

सभी क्षेत्रवासियों को
नये साल व गणतंत्र दिवस
की बहुत बहुत मुबारकबाद
शफीक अहमद अन्सारी
(पूर्व प्रत्याशी जिला पंचायत)
शहजिल इस्लाम अंसारी

सभी क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026
की
हार्दिक शुभकामनाएं
अक्सा परवीन
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत- करेली
विकास खण्ड क्यारा,
जनपद बरेली
जाकिर
(प्रधान पति)
कपड़े वाले

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
Happy New Year 2026
धनपाल पटेल
पूर्व प्रधान पुरनापुर

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
करम खां
ग्राम प्रधान पति
ग्राम पचदौरा कला ब्लाक
भोजीपुरा जनपद बरेली

Happy New Year 2026

सभी क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026
की हार्दिक शुभकामनाएं
इस्लाम साबिर अंसारी
(पूर्व विधायक)
शहजिल इस्लाम अंसारी
(पूर्व मंत्री)
विधानसभा 120, भोजीपुरा विधायक

सभी क्षेत्रवासियों को
नव वर्ष 2026 की
हार्दिक शुभकामनाएं
मुकेश कुमार गुप्ता उर्फ बंटी गुप्ता
बंटी स्वीट एवं रेस्टोरेंट
चांडपुर, बरेली

नववर्ष 2026 एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
सतीश चंद महेश्वरी
महेश्वरी स्वीट्स
पता- लोधी नगर चौराहा
फतेहगंज पश्चिमी

Happy New Year 2026

आप सभी सम्मानित ग्रामवासियों को
माहे रमज़ान, नववर्ष 2026, मकर संक्रान्ति एवं गणतन्त्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत अभयपुर केशोपुर
से प्रधान पद हेतु कर्मठ एवं ईमानदार
आपका अपना प्रत्याशी
हर पल आपके साथ
रहीम खाँ (कोटेदार)
M. 9997690088

जय भीम नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं नमो बुद्धाय
जिला पंचायत सदस्य पद हेतु
वार्ड सं. 42
मा. बहन कुमारी मायावती जी
राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.एस.पी.
बहुजन समाज पार्टी
दुर्गेश गुप्ता
भरत लाल गुप्ता
पूर्व प्रत्याशी जिला पंचायत
M.: 9219277708

ग्राम पंचायत (खिरका) प्रधान
जितेंद्र गंगवार
की ओर से नव वर्ष 2025 एवं मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि की सभी क्षेत्रवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

आप सभी क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026
की हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त क्षेत्रवासियों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
सत्यराज आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल
College Code : AYU0851
APPROVED BY : NCISM NEW DELHI & MINISTRY OF AYUSH, GOVT OF INDIA, NEW DELHI
Course Offered : BAMS
स्वामी दयानन्द (पी.जी.) डिग्री कालेज मीरगंज, बरेली
(महा.ज्यो.फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय से सम्बद्ध)
M.Sc., M.A., B.Sc., B.A.
स्वामी दयानन्द सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज
परौरा, मीरगंज, बरेली
प्रबन्धक डा. सत्यवीर गंगवार बी.ए.एम.एस.
मैनेजिंग डायरेक्टर डा. वीरेन्द्र प्रताप गंगवार एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
सचिव पंकज गंगवार स्वामी दयानन्द पी.जी. कालेज

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
जाबिर अली
ग्राम प्रधान
करमपुर चौधरी ब्लाक
भोजीपुरा जनपद बरेली

पांच साल बेमिसाल ❖ बिना किसी भेदभाव के विकास किया है और विकास करेंगे
आप सभी सम्मानित क्षेत्रवासियों एवं ग्रामवासियों को
माहे रमज़ान, नववर्ष 2026, मकर संक्रान्ति एवं गणतन्त्र दिवस
की तहेदिल से मुबारकबाद
ग्राम पंचायत अभयपुर केशोपुर
से प्रधान पद हेतु कर्मठ एवं ईमानदार प्रत्याशी आपका अपना
मैहशर खान
ग्राम प्रधान
M. 9756652382
को अपना वोट और सपोर्ट देकर विजयी बनायें
हाजी हामिद खान उर्फ छोटे
निवेदक :- समस्त सम्मानित ग्रामवासी अभयपुर, केशोपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों को नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
स्वामी सोमनाथ इण्टर कॉलेज
मानपुर बहेड़ी, बरेली
स्वामी सोमनाथ आई.टी.आई. शहपुरा मानपुर, बरेली
ट्रेड-फिटर इलेक्ट्रीशियन
N.D.Senior Secondry School
Shahpura, Bareilly
All Subject permission, Science Art, Commerce
Affiliated- C.B.S.E. New Delhi
Director Ajay Singh B.Sc.- B.Ed
M.D. Gajay Singh M.A., B.P.Ed. 97833930364
Manager Dharam Singh 9927130475

Happy New Year 2026

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
संजय कुमार वर्मा
एडवोकेट
मो. 9412463064, 9808070067
कार्यालय चैम्बर नं. 33, बड़ा वकालत खाना, कचहरी, बरेली

समाजवादी पार्टी जिन्दाबाद
आप सभी क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026 मकरसंक्रांति एवं गणतंत्रदिवस की हार्दिक शुभकामनायें
महेन्द्र सिंह लोधी नगर महासचिव मो. 9897979507
साधना सिंह लोधी राष्ट्रीय सचिव महिला सभा 119 मीरगंज विधानसभा

नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
खण्ड शिक्षा अधिकारी
वि.क्षे. आलमपुर जाफराबाद, जनपद-बरेली
शिक्षा वह शक्ति है जो हमें बाहरी समस्याओं का सामना करने की क्षमता प्रदान करती है।
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
शिक्षा से हम अपने सपनों को प्राप्त कर सकते हैं, और अपनी जिंदगी की दिशा बदल सकते हैं।

Happy New Year 2026

नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
HAPPY NEW YEAR 2026

बुद्धसेन मौर्य प्रधानपति
उर्मिला देवी ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत मानपुर अहियापुर
विकास खंड क्यारा जनपद बरेली

HAPPY NEW YEAR 2026

राजश्री ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस एण्ड हॉस्पिटल, बरेली
Rajshree GROUP OF INSTITUTIONS LIVE • LEARN • LEAD
2026
आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
राजेन्द्र अग्रवाल (चेयरमैन)
Rajshree Institute of Management & Technology, Bareilly
Rajshree Medical Research Institute, Bareilly
Rajshree Ayurvedic Medical College & Hospital, Bareilly
Rajshree Nursing Institute, Bareilly
Rajshree Institute of Paramedical Sciences, Bareilly
Rajshree Fine Chemical Industries India Private Limited Shahjahanpur
Rajshree College of Nursing and Paramedical, Bareilly
Rajshree Teachers Training Institute Bareilly
Rajshree College of Pharmacy, Bareilly
Rajshree Law College, Bareilly
Rajshree Institute of Management & Technology Pvt. ITI, Bareilly
Rajshree Hospital and Institute of Medical Sciences
Rameswaram

नववर्ष 2026 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
मा. नरेन्द्र कुमार कश्यप जी
राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, उ.प्र. सरकार

मुकेश कश्यप
सदस्य राज्य सलाहाकार बोर्ड
(दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उ.प्र. सरकार)

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

नाबालिग से दुष्कर्म : अमेठी, एजेंसी : फुरसतगंज क्षेत्र के एक गांव में 13 वर्षीया नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम NAWAB ALI KHAN से बदलकर NABAB ALI KHAN रख लिया है। भविष्य में मुझे के नाम से जाना जाये। **नबाब अली खाँ पुत्र रियासत अली खां निवासी ग्राम लाई खेड़ा पोस्ट भनपुरा तहसील तिलहर जिला शाहजहाँपुर।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे समस्त शैक्षिक अंकपत्रों में मेरा नाम Ayushi Johri है। आधार कार्ड में मेरा नाम Samiya Fatima दर्ज है। आयुषी जौहरी व सामिया फातिमा दोनों नाम मेरे ही है। मैं आधार कार्ड में नाम Ayushi Johri दर्ज कराना चाहती हूँ। **आयुषी जौहरी पत्नी श्री मो. वासिफ निवासी खुदागंज जिला पीलीभीत।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में पिता का नाम भूलवश CHETRAPAL SINGH अंकित हो गया है जबकि उनका सही नाम CHHETRA PAL SINGH है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी यही नाम अंकित है। **बादशाह सिंह पुत्र क्षेत्रपाल सिंह निवासी ग्राम जयनगर अलीनगर नवाबगंज जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

आउटसोर्सिंग कंपनी पर दर्ज कराई एफआईआर

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना में भर्ती में गड़बड़ी पर कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मामले में प्रशासनिक जांच के भी आदेश दिए गए

अमृत विचार: शासन ने मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना में कोर्स कोआर्डिनेटरों की भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं पर कड़ा रुख अपनाया है। समाज कल्याण विभाग में पारदर्शिता और पात्रता को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने सख्त कदम उठाया है।

मंत्री के निर्देश पर थाना गोमती नगर, लखनऊ में नियमों का उल्लंघन कर नियुक्तियां कराने वाली आउटसोर्सिंग कंपनी अवनि परिधि इनर्जी- कम्युनिकेशन प्रा. लि., लखनऊ और संबंधित आवेदकों के खिलाफ षड्यंत्र, फर्जी दस्तावेज और नियम विरुद्ध नियुक्ति के आरोपों में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। साथ ही पूरे मामले में प्रशासनिक जांच के भी आदेश दिए गए हैं।

राज्यमंत्री ने बताया कि 29 अक्टूबर 2025 को मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत प्रदेशभर में संचालित कोचिंगों में आउटसोर्सिंग पर लगे कोचिंग कोर्स कोऑर्डिनेटरों की भर्ती में अनियमितता की शिकायत मिली थी। इसे गंभीरता से लेते हुए विभागीय जांच कराई गई, जिसमें भर्ती से जुड़े सभी दस्तावेजों की जांच की गई।

नियमों की अनदेखी

जांच में यह सामने आया कि नियमानुसार कोर्स कोऑर्डिनेटर पद के लिए यूपी पीसीएस मुख्य परीक्षा पास होना अनिवार्य था। इसके बावजूद कई ऐसे अभ्यर्थियों को नियुक्त कर दिया गया, जिन्होंने यह परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की थी। कुल 69 अभ्यर्थियों की जांच में केवल 21 अभ्यर्थी ही पात्र पाए गए। जांच रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि अपात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिलाने के लिए फर्जी और कूटरचित दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया।

कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में नये साल के पहले दिन कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने लखनऊ, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकर नगर, बरेली, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, बदायूं आदि जिलों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है। वहीं मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को संवेदनशीलता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र धीरज कुमार को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **राम रतन पुत्र राम किशन निवासी ग्राम बमरौली तहसील बीसलपुर थाना बिलसण्डा जिला पीलीभीत।**

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

आदित्य आई एण्ड लेज़र सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
8077344353
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : घबराहट, छाती में दर्द या भारीपन, सांस फूलना, पैरों में सूजन, हाई ब्लडप्रेशर, हाई कोलेस्ट्रोल, डाइबिटीज (शुगर), सीने या पेट में जलन या दर्द, हार्ट अटैक, हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडिलस्ट) (के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP), गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL), गुर्दे की नली (यूरेटर) की पथरी का आपरेशन (URSL), पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाइन 9837549348, 9897838286

प्रदेश में 61,932 आयुष्मान कार्ड मिले संदिग्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अनियमितताओं पर साचीज ने शुरू की सख्ती

अमृत विचार : प्रदेश में आयुष्मान कार्ड से जुड़ी अनियमितताओं को रोकने के लिए स्टेट हेल्थ एजेंसी यानी साचीज द्वारा सख्त और तकनीकी स्तर पर प्रभावी कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में अब तक 5.44 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिनका सत्यापन करने के लिए बेनिफिशियरी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (बीआईएस-2.0) लागू किया गया है। प्रारंभिक जांच में इन कार्डों में से 61,932 कार्ड संदिग्ध पाए गए हैं। जिसके बाद आधार द्वारा ई-केवाईसी के बाद ही आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं।

यह जानकारी साचीज की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अर्चना वर्मा ने बुधवार को दी, उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में फर्जी लाभार्थियों की रोक लगाने के लिए अधिकांश श्रेणियों में 'एड मेंबर' का विकल्प समाप्त कर दिया गया है। केवल एसईसीसी-2011 के तहत चिन्हित अवशेष परिवारों में ही नए सदस्य जोड़े जा सकते हैं। सीईओ ने बताया कि साचीज द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत सरकार के सहयोग से एआई आधारित निगरानी प्रणाली को और सुदृढ़ किया गया है। उक्त एसएएफयू बीआईएस पोर्टल के माध्यम से संदिग्ध कार्डों की पहचान की जा रही है। इसमें लगे ऑटोमेटेड ट्रिगर संदिग्ध कार्डों को स्वतः चिन्हित कर इलाज पर रोक लगा देते हैं। ऐसे कार्डों की ऑडिट और भौतिक सत्यापन कराया जाता है।

अर्चना वर्मा ने बताया कि वर्ष 2018 से अब तक बने कुल आयुष्मान कार्डों में से 61,932 कार्ड संदिग्ध पाए गए, जिनकी जांच के लिए जिला स्तर पर फील्ड इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर (एफआईओ) तैनात किए गए हैं। अब तक 48,435 कार्डों का भौतिक सत्यापन कराया जा चुका है।

मुरादाबाद में ट्रेन की चपेट में आने से दो बहनों की हुई मौत

मुरादाबाद, एजेंसी: जिले के भोजपुर इलाके में बुधवार को रेल की पटरी पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से दो बहनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह हादसा दोपहर करीब दो बजकर 15 मिनट पर बीजना चक बेगमपुर रेलवे अंडरपास के पास हुआ।

बीजना गांव की रहने वाली कशिश (18) और तनिष्का (15) पास के खेतों में पत्तेदार सब्जी तोड़ने जा रही थीं। वे रेल की पटरी पार कर रही थीं तभी मुरादाबाद की तरफ से आ रही मुरादाबाद-रामनगर पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गईं। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बाघ ने वृद्ध को मार डाला, दहशत

खीरी, अमृत विचार: धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के मंगरौली गांव में मंगलवार शाम घास काटने गए बुजुर्ग को बाघ ने अपना शिकार बनाया। बुधवार की सुबह उसका अधखाया शव गन्ने के खेत से बरामद हुआ है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत व्याप्त हो गई।

गांव मंगरौली निवासी सिराजुद्दीन उर्फ भूरे हलवाई (65) मंगलवार शाम दहौरा नाले की ओर हरदुहा पुल के पास गोंदी (घास) काटने गए थे। बताया जा रहा है कि दहौरा नाले की तलहटी में घात लगाए बैठे बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। देर शाम तक जब सिराजुद्दीन घर नहीं लौटे तो परिजन चिंतित हो गए और ग्रामीणों के साथ उनकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान हरदुहा पुल के पास उनकी साइकिल मिली, जिससे अनहोनी की आशंका गहराई। इसके बाद परिजनों ने पुलिस और वन विभाग को सूचना दी।

साल का अंतिम सूर्यास्त

नैनीताल में साल 2025 की अंतिम होती शाम का दृश्य। बादलों के बीच छिपता सूरज।

चमोली में लोको ट्रेन भिड़ंत की जांच का आदेश, नोटिस

देहरादून, अमृत विचार: चमोली जिले में निर्माणाधीन विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना के पीपलकोटी सुरंग हादसे में टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (टीएचडीसी) ने जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, डीएम चमोली गौरव कुमार ने घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं तो भविष्य में ऐसे हादसे रोकने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग भी नोटिस जारी कर रहा है।

सुरंग में भिड़ी ट्रेनें।

टीएचडीसी के मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) एएन त्रिपाठी के अनुसार जांच कमेटी एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंपेगी। इस हादसे में 81 अधिकारी, कर्मचारी और श्रमिक घायल हुए हैं। मामूली रूप से घायल 74 लोगों को प्राथमिक उपचार दिया गया। बता दें कि मंगलवार देर रात इस सुरंग में अधिकारियों और कर्मचारियों को ले जा रही लोको ट्रेन सामान ढो रही दूसरी लोको ट्रेन से टकरा गई थी।

पूर्वोत्तर रेलवे

सूचना संख्या 239/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित रेलगाड़ी की संचलन अवधि में विस्तार किया जा रहा है, जिसका संचलन निम्नवत् किया जाएगा:–

05062/05061 टनकपुर-अछनेरा जं.-टनकपुर विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 05062 टनकपुर से और **गाड़ी सं. 05061 अछनेरा जं.** से दिनांक 01.01.2026 से 27.02.2026 तक (बुधवार एवं शनिवार छोड़कर)

गाड़ी सं. 05062 टनकपुर–अछनेरा जं.		स्टेशन ↓ ↑	गाड़ी सं. 05061 अछनेरा जं.–टनकपुर	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	04:10	टनकपुर	23:45	--
04:35	04:37	खटीमा	23:03	23:05
05:06	05:08	पीलीभीत जं.	22:21	22:23
05:40	05:42	भोजीपुरा जं.	21:31	21:33
06:01	06:03	इज्जतनगर	21:14	21:16
06:17	06:22	बरेली सिटी	20:50	20:55
06:35	06:37	बरेली जं.	20:33	20:35
07:14	07:16	बदायूँ	19:35	19:37
07:27	07:29	उझानी	19:18	19:20
07:58	08:00	सोरों शूकर क्षेत्र	18:36	18:38
08:30	08:40	कासगंज जं.	18:10	18:20
09:04	09:06	सिकन्दरा राव	17:42	17:44
09:50	09:55	हाथरस सिटी	17:17	17:19
10:40	10:42	मथुरा छावनी	16:45	16:47
10:55	11:00	मथुरा जं.	16:25	16:35
12:20	--	अछनेरा जं.	--	15:30

मुजाधि/टी–93 मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक, गोरखपुर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थों को लेकर यात्रा न करें

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर जिला पीलीभीत

पत्रांक: 396/न.पा.परि.बी./2025–26 दिनांक: 24.12.2025

प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

राज्य मिशन निदेशक (एस.बी.एम.), राज्य मिशन निदेशालय उ.प्र., सेक्टर– 7 गोमती नगर विस्तार लखनऊ के पत्र संख्या– पी.एम.यू./681/572/SBM/2.0/2023 दिनांक 14.10.2025 के अनुपालन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अन्तर्गत अमरा करोड रोड, शाहजहांपुर रोड, घटगवां रोड तहसील बीसलपुर में स्थित लीगेसी वेस्ट का बायो रेमेडीएशन विधि से निस्तारण हेतु इम्पैनल्ड डी.पी.आर. कन्सलटेंसी सर्विसेज से कार्य का डी.पी.आर. तैयार किए जाने की सूचना प्रकाशन होने की तिथि से 15 दिवस के अन्दर अपना प्रस्ताव स्वयं / पंजीकृत डाक अथवा निकाय के ई–मेल nppbisalpur262201@gmail.com पर किसी कार्यालय दिवस में प्रेषित कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के उपरान्त किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जायेगा।

शमशेर सिंह
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बीसलपुर (पीलीभीत)

शशि जायसवाल
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
बीसलपुर (पीलीभीत)

कार्यालय नगर पालिका परिषद पुवायां जनपद शाहजहांपुर

पत्रांक: 572/न.पा.प.–पु./एस.बी.एम. पी.टी.यू./ई–टेण्डर/2025–26 दिनांक: 31.12.2025

ई-निविदा सूचना

अद्योहस्ताक्षरी के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/ राज्य सरकार / केन्द्र सरकार/ अन्य सरकारी में 'ए' 'बी' 'सी' एवं 'डी' श्रेणी में कार्य की लागत की सीमा के अनुयप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यों हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए ई–निविदा दे सकता है।

क्र.	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	बिड सिक्योरिटी ई.एम.डी.	निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	शाहजहांपुर	मो. काशीराम नगर मा. काशीराम कालोनी जेवां रोड पर 5 सीट पब्लिक टायलेट का निर्माण कार्य।	865367.00	73336.00	865.00	1 माह
2.	शाहजहांपुर	मो. रामनगर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 5 सीट पब्लिक टायलेट का निर्माण कार्य।	862281.00	73075.00	862.00	1 माह
3.	शाहजहांपुर	मो. रामनगर में तहसील परिसर में 5 सीट पब्लिक टायलेट का निर्माण कार्य।	775870.75	65752.00	776.00	1 माह
4.	शाहजहांपुर	मो. कमलबाग में नगर पालिका रोड पर यूरिनल का निर्माण कार्य।	210137.00	17808.00	210.00	1 माह
5.	शाहजहांपुर	मो. राजीव नगर में निगोही रोड पर तालाब के निकट यूरिनल का निर्माण कार्य।	227689.00	19296.00	228.00	1 माह

2. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 12.01.2026 को प्रातः 10:00 बजे से।
3. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय 21.01.2026 को अपराहन् 05:00 बजे तक।
4. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 22.01.2026 को अपराहन 11:00 बजे पूर्वाहन से कार्य समाप्ति तक।
5. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी के लिए तथा निविदा की शर्तों/नियमों आदि की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइड http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।

कल्पना शर्मा
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, पुवायां शाहजहांपुर

संजय गुप्ता
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, पुवायां, शाहजहांपुर

शीतकालीन तीर्थटिन एवं पर्यटन को नई दिशा दे रही देवभूमि उत्तराखंड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा के बाद शीतकालीन चारधाम सर्किट को मिली नई राष्ट्रीय पहचान। उत्तराखंड सरकार इस विजन को प्रमुखता देते हुए सालभर तीर्थयात्रा कर सकने की सुविधा को सुनिश्चित कर रही है। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा स्थल तीर्थयात्रा के अनुभव को दिव्यता देंगे।

"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदृष्टिपूर्ण नेतृत्व से प्रेरित होकर, हम उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक समृद्धि और अपार संभावनाओं के साथ हम दूरदर्शी नीतियों और केंद्रित पहलों के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देने, अवसंरचना को उन्नत करने और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य उत्तराखंड को विकास का एक आदर्श मॉडल बनाना है, जहां विरासत और नवाचार साथ-साथ आगे बढ़ें, और हर व्यक्ति को एक समृद्ध, प्रगतिशील और समावेशी वातावरण में आगे बढ़ने और सफल होने के अवसर मिलें।"

— **पुष्कर सिंह धामी**
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है देवभूमि उत्तराखण्ड

गंगा मंदिर, उत्तरकाशी

ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ

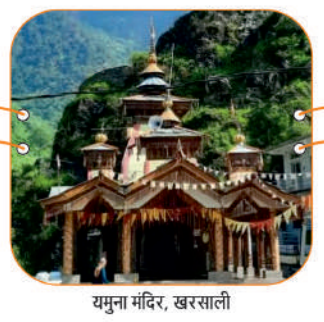

यमुना मंदिर, खरसाली

योगध्यान बद्री मंदिर, पांडुकेश्वर

उत्तराखंड का शीतकालीन चारधाम सर्किट पारंपरिक ग्रीष्मकालीन तीर्थयात्रा को एक सालभर उपलब्ध आध्यात्मिक और पर्यटन अवसर में परिवर्तित करता है। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ के मुख्य मंदिर जब शीतऋतु के दौरान बंद हो जाते हैं, तो उनके देवताओं की मूर्तियां शीतकालीन गद्दीस्थलों या वैकल्पिक स्थानों पर स्थापित की जाती हैं, जिससे भक्त पूजा-अर्चना जारी रख सकें। हाल के महीनों में, इस सर्किट को नई पहचान तब मिली जब गंगा की शीतकालीन निवासस्थली मुखबा में एक उच्च-स्तरीय यात्रा हुई।

6 मार्च 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर्षिल–मुखबा क्षेत्र में स्थित गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास पर दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इस यात्रा ने शीतकालीन तीर्थयात्रा के महत्व को रेखांकित किया और यह दर्शाया कि उत्तराखंड में पर्यटन को गर्मियों के मौसम से आगे बढ़ाकर सालभर की आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधि बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट था—शीत ऋतु को 'ऑफ-सीजन' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह यात्रा आस्था और विकास दोनों का प्रतीक बनी, क्योंकि इसने चारधाम की धार्मिक निरंतरता को पुनः स्थापित किया और साथ ही शीतकालीन पर्यटन को मजबूत करने के लिए आवश्यक अवसंरचना और प्रचार-प्रसार पर ध्यान आकर्षित किया।

मुखबा अपने आप में शांत और मनोहारी हिमालयी सौंदर्य वाला स्थान है। गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने पर देवी की मूर्ति विधि-विधान के साथ मुखबा लाई जाती है, जिससे भक्त कम ऊंचाई वाले इस स्थान पर भी पूजा कर सकें। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा-पद्धतियों का संगम मुखबा को शीतकालीन तीर्थयात्रा का एक अनोखा और भावपूर्ण प्रारंभिक बिंदु बनाता है।

शीतकालीन चारधाम सर्किट देवप्रतिमाओं को शीतकालीन मंदिरों में स्थापित कर सालभर तीर्थयात्रा को संभव बनाता है, जहां आस्था हिमालयी यात्रा अनुभवों के साथ सुगमता से जुड़ती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा ने शीतकालीन पर्यटन की विशाल संभावनाओं को उजागर किया, जिससे अवसंरचना विकास और पर्यटन प्रोत्साहन को नई दिशा मिली। औली, चकराता और दयारा बुग्याल जैसे नज़दीकी गंतव्य आध्यात्मिकता, रोमांच और प्रकृति-आधारित अनुभवों को और समृद्ध बनाते हैं।

टिहरी में पैराग्लाइडिंग

शीतकालीन चारधाम के अनुभव को आस-पास के गंतव्यों से बनाएं बेहतर

दयारा बुग्याल

दयारा बुग्याल : एक विस्तृत अल्पाइन घासभूमि, जो शीतकालीन बर्फीले नजारों और ग्रीष्मकालीन चरागाहों के लिए प्रसिद्ध है। सर्दियों में इसकी दूर-दूर तक फैली सफ़ेद घाटियां ध्यानपूर्ण सैर के लिए आदर्श हैं और हिमालय के व्यापक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

चकराता : देवदार के जंगलों, झरनों और आसान ट्रेकिंग मार्गों के लिए जाना जाने वाला शांत पहाड़ी कस्बा। चकराता के सुरम्य वनप्रदेश भीड़भाड़ वाले तीर्थ मार्गों से अलग एक शांत अनुभव प्रदान करते हैं।

लाखामंडल : यह प्राचीन मंदिर परिसर पुरातात्विक अवशेषों और ऐतिहासिक शिव मंदिरों से सम्पन्न है। क्षेत्र की प्रारंभिक मंदिर स्थापत्य परंपरा और स्थानीय पौराणिक धरोहर में रुचि रखने वाले यात्रियों के लिए यह एक सांस्कृतिक आकर्षण जोड़ता है।

औली : भारत का प्रमुख स्कीइंग गंतव्य, जहां शीतकालीन खेल, रोपवे और नंदा देवी सहित कई हिमालयी चोटियों के दिव्य दृश्य उपलब्ध हैं। तीर्थयात्रा के साथ रोमांचक पर्यटन अनुभव चाहने वाले यात्रियों के लिए औली एक आकर्षक विकल्प है।

काशी विश्वनाथ (उत्तरकाशी) : उत्तरकाशी का विश्वनाथ मंदिर एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय धाम है और ऊंचाई वाले तीर्थस्थलों की ओर जाते समय एक आध्यात्मिक विराम प्रदान करता है। इसकी उपस्थिति चारधाम यात्रा की धार्मिक निरंतरता को और मजबूत बनाती है।

नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान : यूनेस्को बायोस्फियर रिजर्व के रूप में मान्यता प्राप्त यह उद्यान उच्च हिमालयी वाइल्डरनेस, दुर्लभ वनस्पतियों–जीवों और समृद्ध संरक्षण विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यहां की यात्रा तीर्थयात्रा अनुभव में पर्यावरणीय जागरूकता और प्रकृति संरक्षण की गहराई जोड़ती है।

औली

"उत्तराखंड के पास एक प्राकृतिक आध्यात्मिक शक्ति है, जो उसे विशिष्ट बनाती है। देवभूमि की यह शक्ति, विरासत और पवित्रता इसे ऐसी पहचान देती है, जो कहीं और नहीं मिलती। राज्य अब अपार संभावनाओं के दौर में प्रवेश कर रहा है और यदि यह दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े, तो दुनिया के प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों में अपना स्थान बना सकता है। आध्यात्मिक सामर्थ्य के साथ-साथ उत्तराखंड एक सुंदर विवाह-गंतव्य के रूप में भी उभर रहा है। 'वेड इन इंडिया' दृष्टिकोण का लाभ लेने के लिए राज्य कुछ चुनिंदा स्थानों को विश्व-स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित कर विकसित कर सकता है, ताकि देश भर के लोग उत्तराखंड की शांत और दिव्य वादियों में अपने विशेष अवसरों का उत्सव मना सकें।"

– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा उत्तराखंड

उत्तराखंड अपने मंदिर सर्किट, प्राचीन विरासत और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाकर खुद को आध्यात्मिकता और कल्याण का वैश्विक केंद्र स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। अपने इस प्रयास से यह विश्व पटल पर नई पहचान भी स्थापित कर रहा है

उत्तराखंड धीरे-धीरे एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो प्राचीन मंदिर सर्किटों को पुनर्जीवित, सशक्त और आधुनिक बनाने के केंद्रित प्रयासों से प्रेरित है। इस दिशा में एक प्रमुख पहल है मानसखंड मंदिर माला मिशन, जिसका उद्देश्य कुमाऊं क्षेत्र के महत्वपूर्ण मंदिरों का विकास और आपसी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। मिशन के तहत पहुंच मार्गों, आगंतुक सुविधाओं और धरोहर अवसंरचना में सुधार कर, राज्य की समृद्ध सभ्यतात्मक विरासत पर आधारित एक सहज तीर्थयात्रा अनुभव तैयार करना लक्ष्य है।

इस आध्यात्मिक परिदृश्य में योगदान देने वाले प्रमुख मंदिरों में रुद्रप्रयाग जिले का कार्तिक स्वामी मंदिर शामिल है। एक ऊंची चट्टानी कगार पर स्थित यह मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित है और हिमालयी चोटियों के मनोरम दृश्य के साथ शांतिपूर्ण भक्तिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है। इसकी अनूठी भौगोलिक स्थिति इसे तीर्थयात्रियों और आगंतुकों के लिए एक पवित्र स्थल और मनोहारी दृष्टि बिंदु दोनों बनाती है।

इसी तरह, त्रिजुगीनारायण मंदिर, जो रुद्रप्रयाग में स्थित है, भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पौराणिक कथाओं में लिप्त यह मंदिर भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह स्थल के रूप में जाना जाता है। मंदिर परिसर में लगातार जलती रहने वाली अनंत ज्योति उस दिव्य मिलन का जीवित प्रतीक मानी जाती है, जो पूरे वर्ष भक्तों को आकर्षित करती है।

कार्तिक स्वामी मंदिर, भगवान कार्तिक को समर्पित, जिन्हें देश के कुछ हिस्सों में भगवान मुरुगा / मुरुगन के नाम से जाना जाता है।

जागेश्वर धाम, 125 से ज्यादा प्राचीन मंदिरों का समूह, जो भगवान शिव को समर्पित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 9 नवंबर 2025 को देहरादून में दिया गया संबोधन राज्य की आध्यात्मिक संभावनाओं को और मजबूत करता है। उन्होंने उत्तराखंड की प्राकृतिक और सांस्कृतिक शक्ति पर बल देते हुए कहा, "यदि उत्तराखंड इसे ठान ले, तो कुछ ही वर्षों में यह विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित हो सकता है" उनकी यह टिप्पणी राज्य की बदलती पहचान की संपूर्णता को दर्शाती है, जो आध्यात्मिकता, तीर्थयात्रा और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है।

रणनीतिक विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और धरोहर आधारित विकास पर नए प्रयास के साथ, उत्तराखंड इस दृष्टि को साकार करने की दिशा में अग्रसर है, खुद को विश्वास, पवित्रता और आध्यात्मिक खोज का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि ग्रामीण इलाके पर्यटन के केंद्र बन रहे हैं। साथ ही हर पर्यटन स्थल अपना खुद का राजस्व मॉडल भी विकसित कर सकता है। हमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए होमस्टे और छोटे होटलों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है

'वेड इन उत्तराखंड' से राज्य में बढ़ रहा वेडिंग पर्यटन का आकर्षण

राज्य की पर्यटन क्षमता की ओर इशारा करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय 'वेड इन इंडिया' पहल के तहत उत्तराखंड की क्षमता को एक प्रमुख डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल के रूप में उभरने की ओर इंगित किया। यह पहल प्रदेश में पर्यटन को नई दिशा दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के बाद उत्तराखंड धीरे-धीरे शादी पर्यटन के लिए एक प्रत्याशित गंतव्य के रूप में उभर रहा है। पीएम मोदी ने राज्य स्थापना दिवस समारोह, 9 नवंबर 2025 को अपने संबोधन में राज्य के प्राकृतिक दृश्य, आध्यात्मिक वातावरण और बढ़ती पर्यटन अवसंरचना की क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि ये सभी कारक देश और विदेश से वेडिंग पर्यटन को आकर्षित करने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि उत्तराखंड पहले ही एक वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है, जो अपनी पर्वतीय भव्यता, नदियों और शांत घाटियों के प्राकृतिक सौंदर्य पर आधारित है। उन्होंने 'वेड इन इंडिया' पहल के अंतर्गत राज्य की एक विशिष्ट पहचान बनाने का महत्व रेखांकित किया और सुझाव दिया कि उत्तराखंड 5–7 प्रमुख वेडिंग स्थल विकसित कर सकता है, जो उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं के साथ राज्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करें।

उन्होंने यह भी कहा कि पहुंच मार्गों में सुधार, आतिथ्य सेवाओं को बढ़ाना और स्थानीय परंपराओं को समेकित करना न केवल पर्यटन अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर भी सृजित करेगा। रोमांच, ईको-टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को पहले ही बढ़ावा देने वाली सरकार के लिए, समर्पित वेडिंग डेस्टिनेशन रणनीति राज्य की पेशकशों में और विविधता जोड़ती है। मजबूत जनसहानुभूति और प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि के साथ, उत्तराखंड भारत के सबसे आकर्षक वेडिंग गंतव्यों में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाने जा रहा है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक गहराई और विश्व-स्तरीय आतिथ्य का अनूठा संयोजन मिलेगा।

प्रसिद्ध त्रिजुगीनारायण मंदिर, भगवान शिव और पार्वती के विवाह के लिए जाना जाता है और अटूट आस्था और आध्यात्मिक बंधन का प्रतीक है।

होमस्टे नीति से ग्रामीण पर्यटन को मिल रहा विस्तार

5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे और प्रोत्साहनों के साथ, होमस्टे नीति सामुदायिक पर्यटन और स्थानीय आजीविका को मजबूत बना रही है

उत्तराखंड की होमस्टे नीति तेजी से ग्रामीण पर्यटन और समावेशी विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बनती जा रही है। वर्तमान में राज्य में 5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे हैं, जो पहाड़ी जिलों में समुदाय-आधारित आवास के तेज़ विस्तार को दर्शाते हैं।

योजना के तहत, सामान्य क्षेत्रों में संचालित होमस्टे को अधिकतम ₹7.5 लाख तक की पूंजी अनुदान मिल सकती है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में यह राशि ₹10 लाख तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त, कई वर्षों के लिए ब्याज अनुदान का भी प्रावधान है। होमस्टे संचालकों का स्थानीय निवासी होना आवश्यक है और उन्हें स्थानीय संस्कृति, व्यंजन और अतिथ्य को पर्यटक अनुभव में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इस नीति का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना, रोजगार सृजित करना और पर्यटन के माध्यम से पलायन को रोकना है। प्रारंभिक आंकलन बताते हैं कि होमस्टे मॉडल आय बढ़ाने, स्थानीय आजीविकाओं में विविधता लाने और उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में सामुदायिक विकास में योगदान दे रहा है।

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है आदि कैलाश

प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद आस्था व साहस का प्रतीक बनकर उभरा है आदि कैलाश

आदि कैलाश, उत्तराखंड के सबसे पूजनीय आध्यात्मिक स्थलों में से एक,

आज तेजी से ऐसे गंतव्य के रूप में उभर रहा है जहां पौराणिक विरासत और ऊंचाई वाले साहसिक अनुभव एक साथ मिलते हैं। अपनी गहरी पौराणिक महत्ता और भव्य हिमालयी आभा के लिए प्रसिद्ध आदि कैलाश राज्य की सांस्कृतिक पहचान में एक विशेष स्थान रखता है। यह क्षेत्र अब तीर्थयात्रियों, प्रकृति प्रेमियों और रोमांच-प्रेमी यात्रियों को आकर्षित कर रहा है, जो आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ निर्मल प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश में आते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश यात्रा ने इसकी राष्ट्रीय पहचान को और अधिक सशक्त किया है। 9 नवंबर 2025 को देहरादून में अपने संबोधन के दौरान

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि किस प्रकार यह क्षेत्र उत्तराखंड की बढ़ती पर्यटन अपील का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन रहा है। उन्होंने बढ़ती पर्यटक संख्या की सराहना करते हुए बताया कि तीन वर्ष पहले जहां वर्षभर में 2,000 से भी कम पर्यटक आते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर लगभग 30,000 पहुंच गई है। यह बदलाव बेहतर कनेक्टिविटी और उन्नत अवसंरचना के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है। यह क्षेत्र एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का भी साक्षी बना, जहां उच्च हिमालयी ऊंचाइयों पर आयोजित अल्ट्रामैराथन और आदि कैलाश परिक्रमा रन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। प्रधानमंत्री ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि देश-विदेश के एथलीटों को हिमालय की आध्यात्मिक और पर्यावरणीय समृद्धि से भी परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रयास राज्य में इको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म की अपार संभावनाओं को सामने लाते हैं।

अनदेखे रोमांच का अद्वितीय संगम

उत्तराखंड दुनियाभर के रोमांच खेल प्रेमियों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है

देश में जब रोमांच पर्यटन की बात आती है, तो उत्तराखंड अपने विविध परिदृश्यों और रोमांच प्रेमियों का पसंदीदा स्थान बन जाता है। यहां रोमांचक गतिविधियों की कोई कमी नहीं है। आपको यहां जोश से भर देने वाले कई खेल खेलने को मिल जाते हैं और यही कारण है कि दुनियाभर के रोमांच प्रेमियों के लिए यह राज्य असाधारण अनुभव प्रदान करता है।

ट्रैकिंग और हाईकिंग

ट्रैकिंग और हाइकिंग के माध्यम से आप उत्तराखंड की सुदूर जगहों की यात्रा कर सकते हैं। यहां पारंपरिक रूपकुंड ट्रैक पर ट्रैकिंग का आनंद लिया जा सकता है, जहां हरे-भरे जंगल और घास के मैदानों के बीच या फूलों की घाटी के बीच से होकर गुजरना सुखद अहसास दे सकता है। लंबी सैर करने वालों के लिए केदारकांठा और गौमुख तपोवन ट्रैक जीवन भर के लिए यादगार अनुभव दे जाते हैं।

बंजी जंपिंग

विश्व की योग राजधानी के रूप में भी पहचाना जाने वाला ऋषिकेश अपने जोशीले रोमांच के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां पूरे देश में सबसे ऊंची बंजी जंपिंग साइट है। गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने की इच्छा रखने वाले रोमांच प्रेमी शानदार हिमालय पहाड़ियों के बीच बंजी जंपिंग करने के लिए यहां आते हैं।

स्कीइंग

चमोली जिले में स्थित औली को स्कीइंग प्रेमियों के केंद्र के रूप में जाना जाता है। दूर तक बर्फ से ढकी पहाड़ी ढलानों के साथ रोमांच प्रेमी इसके शीतकालीन वंडरलैंड से रास्ता तय करते हुए औली की यात्रा करते हैं। यह शानदार स्थल राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां एथलीटों को अपनी ताकत दिखाने का पूरा मौका मिलता है।

रिवर राफ्टिंग

उत्तराखंड की नदियां केवल राज्य की सुंदरता को ही नहीं बढ़ाती हैं, बल्कि व्हाइट वॉटर राफ्टिंग के प्रेमियों में जोश भर देती हैं, जो यहां रोमांच के लिए आते हैं। जब पर्यटक सफेद पानी में राफ्टिंग के माध्यम से रैपिड्स पर विजय प्राप्त करते हैं या गंगा, टोंस और अलकनंदा नदियों में एक शांत कैनोइंग या कयाकिंग के दौरान पानी पर नौका चलाते हैं, तो निश्चित रूप से उन्हें अलग रोमांच का अनुभव मिलता है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां आसमान की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नैनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से वह आसमानी उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र ने स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है और यहां रोजगार की संभावनाएं सृजित की हैं।

न्यूज ब्रीफ

आज बंद रहेगी ग्रामीण क्षेत्र की बिजली

फरीदपुर, अमृत विचार : जर्जर तार बदलने एवं पोल लगाने के प्रस्तावित कार्य को लेकर चलते एक जनवरी को सुबह 10 :00 बजे से 4 :00 बजे तक ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी । इस दौरान जर्जर तार व पोल बदलने का काम किया जाएगा। यह जानकारी अभियंता वीरू सिंह ने दी है।

खाटू श्याम मंदिर में हुई भजन संध्या

रिठौरा, अमृत विचार : बाबा खाटूश्याम मंदिर में बुधवार को नये साल की पूर्व संध्या पर विशेष संकीर्तन किया गया। भक्तों ने बाबा श्याम के भजनों का आनंद लेते हुए जमकर थिरकते रहे। इस दौरान महंत गुड्डू पांडेय, अनिल कुमार गुप्ता, सर्वेश गुप्ता, मोहित, रिशभ गुप्ता, राजेश कुमार, अनिल कुमार, कमलेश कुमार, रीना गुप्ता, संजीव गुप्ता, सुनीता गुप्ता, ब्रजेश कुमार, स्वेता गुप्ता, वर्षा गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

एमएलसी ने किया पौधरोपण

फरीदपुर, अमृत विचार : एमएलसी कुंवर महाराज सिंह द्वारा विधायक निधि से वन विभाग को एक लाख के वित्त पोषण से नगर के नए रोडवेज बस अड्डे पर वृक्षारोपण बुधवार को कराया गया । इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, प्रभागीय वन अधिकारी विमल कुश, वन क्षेत्राधिकारी ऋषि ठाकुर सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद थे।

पशु को पत्थर बांधकर नहर में फेंका, मौत

बिथरी चैनपुर, अमृत विचार : कुंआडांडा से होकर जाने वाली नहर में गोवंश के चारों पैरों में पत्थर बांधकर फेंक दिया गया। पानी के बहाव के कारण गोवंश की मौत हो गयी ।सूचना पर आरोग्य गौ रक्षक जनकल्याण ट्रस्ट के गौ रक्षक रामप्यारे, रोहित, अंशु, श्यामवीर, रविन्द्र, आकाश ने प्रशासन की मदद से नहर से गोवंश के शव को बाहर निकलवाया और मिट्टी में दबवाया।

राष्ट्रगान के लिए एकजुट नहीं हुए सभासद

आंवला पालिका बोर्ड की बैठक में राष्ट्रगान के मुद्दे पर कुछ सभासद रहे मौन, विकास कार्यों पर नोकझोंक

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : राष्ट्रगान के लिए तैयारी करनी होती है यह बात नगर पालिका परिषद के चेयमैन ने बोर्ड में कही तो सभासदों ने हंगामा किया हालांकि राष्ट्रगान के लिए सभासद भी एकजुट नहीं हुए। बोर्ड बैठक की शुरुआत में राष्ट्रगान नहीं हुआ। विकास और अलाव न जलने के लेकर चर्चा हुई तो चैयरमैन ने स्पष्ट कह दिया कि उनके खिलाफ जांच चल रही है जब तक जांच चलेगी तब तक अलाव नहीं जलवाए जा सकते हैं। नोंकझोंक के बीच कई प्रस्ताव पास किए गए। एक सभासद ने बोर्ड की बैठक में सभासद पतियों के बैठने का विरोध किया।

नगरपालिका परिषद सभागार में बुधवार को बोर्ड बैठक हुई। शुरुआत में कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के प्रतिनिधि प्रमोद अनुरागी ने राष्ट्रगान कराने की बात कही तो चेयरमैन सैय्यद आबिद अली ने तैयारी न होने का हवाला देते हुए अगली बैठक से राष्ट्रगान करने की बात कही। इस पर सभासद मधुसूदन सिंह ने आपत्ति जताई और कहा कि राष्ट्रगान के लिए किसी तैयारी की जरूरत नहीं होती। अब तो सिनेमा हॉल में भी पिक्चर शुरु होने से पहले राष्ट्रगान होता है। इसके बाद राष्ट्रगान के मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई।

वार्ड 2 के सभासद ने नाले आदि में गंदगी रहने एवं साफ सफाई न होने की बात कही। चेयरमैन ने एक सप्ताह में सुधार कराने के आश्वासन दिया। वार्ड 16 के सभासद ने मुंसिफ कोर्ट से किला जाने वाले कच्चे मार्ग को बनवाने की मांग की। वार्ड 18 के सभासद ने खराब कार्य करने वाले ठेकेदारों की फर्म को ब्लैक लिस्ट करने को कहा। वार्ड 20 के सभासद ने 2013 में एक स्थान पर कराये गये सौंदर्यीकरण स्थल पर प्रकाश व्यवस्था न होने की बात कहकर खराब लाइटें बदलवाने की मांग की। वार्ड 21 की सभासद ने कस्बे में ई रिक्शा से लगने वाले जाम से मुक्त दिलाने का प्रयास करने का मुद्दा उठाया। पूर्व बोर्ड बैठक में कैबिनेट मंत्री की मौजूदगी में युवाओं को पढने के लिए स्वामी विवेकानंद के नाम से पुस्तकालय खोलने की मांग की गयी थी। जिस पर आज तक अमल नहीं किया गया। उन्होंने पुस्तकालय खोलने और कस्बे के महादेव पुरम में पालिका के खुले नाले पर डिप पडवाने की मांग की।

आंवला पालिका बोर्ड की बैठक में मौजूद सभासदों ने विकास कार्यों और राष्ट्रगान नहीं होने पर विरोध जताया। ● अमृत विचार

- आज से 30 तक नगर में चाय और काढ़ा पिलाएगी पालिका बनी सहमति
- बोर्ड बैठक में सभासद पतियों के बैठने पर सभासद ने जताई आपत्ति

चेयरमैन बोले, उनके खिलाफ चल रही है जांच अलाव की लकड़ियां नहीं डलवाएंगे

वार्ड 24 के सभासद सचिन गुप्ता ने कहा कि बीते वर्ष 140 से 150 स्थानों पर अलाव के लिए लकडियां डाली जाती थी। इस बार मात्र 30 से 40 स्थानों पर ही लकड़ियां डालीं जा रही हैं। कुछ सभासदों ने लकडियां डालने वाले कर्मी पर अभद्रता करने समेत विभिन्न आरोप लगाए। यह भी कहा सभासद के कहने पर 5 किलो लकडी भी नहीं डाली जा रही है। चेयरमैन ने कहा कि उनके खिलाफ टीएसी की जांच चल रही है। जब तक जांच चलेगी तब तक वह अलाव की लकडियां नहीं डलवा पायेंगे ।

200 पोल खरीदने का प्रस्ताव पास करो

वार्ड 25 की सभासद ने प्राथमिक स्कूल की दीवार जर्जर होने की बात कहकर उसे ठीक कराने की मांग की। चेयरमैन ने स्कूल के लिए बजट न होना बताया। और मौके पर पर स्वयं देखने की बात कही। सभासद ने दो बिजली पोल लगवाने की मांग की। इसपर चेयरमैन ने 200 पोल खरीदने के प्रस्ताव को पास करने को कहा। सभी सभासदों ने विधुत विभाग द्वारा नगर में कराये गये विधुतीकरण पर सवालिया निशान लगाए। कहा कि नगर में करीब 4 करोड रूपये से तार, केबल, पोल, आदि लगाए गये हैं। कार्यदायी संस्था ने बुरा कार्य किया है। कई जगह पोल झुके हैं। बैठक में प्रति सभासद को 150 और चेयरमैन की ओर से प्रति वार्ड में 100 कंबल वितरित करने पर सहमति बनी। इसी क्रम में 6250 कंबल, प्रकाश व्यवस्था के लिए 60 वॉट 90 वॉट की एलईडी, हाईमास्ट लाइटें खरीदने और एक जनवरी से 30 जनवरी तक नगर में चाय और काढ़ा पिलाने की व्यवस्था कराने पर सहमति बनी।

विकास कार्यो की शिकायत पर नोकझोंक

पालिका बोर्ड बैठक में पालिका के विकास कार्यों की शिकायत कर जांच कराने को लेकर चेयरमैन और सभासद सचिन गुप्ता के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। जिसे अन्य सभासदों ने शांत करा दिया। बैठक में कई मुद्दे उठाए गये लेकिन सभासदों की ओर से प्रभावी प्रयास का अभाव रहा। इससे मुद्दे परवान नहीं चढ़ पाए। बैठक में रानी देवी, परवेज वेग, माया देवी, मधुसूदन सिंह, सूरजपाल, राजीव कुमार, राधेश्याम मौर्य, सुनील कुमार यादव, प्रीति, रामबहादुर, सुशीला प्रजापति, जलीस अहमद, मोहम्मद खालिद, लियाकत हुसैन, सपना अग्रवाल, लक्ष्मी देवी, समेत आदि लोग मौजूद रहे।

दो बच्चों सहित विवाहिता को घर से निकाला, रिपोर्ट

संवाददाता, फतेहगंज पूर्वी

अमृत विचार : मांग के अनुसार दहेज नहीं मिलने पर रिश्ता करने से मना कर दिया तो दूसरी जगह दहेज लोभियों ने विवाहिता को मारपीट कर दो बच्चों सहित घर से निकाल दिया। दोनों मामलों में पुलिस ने दहेज लोभियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

क्षेत्र के ग्राम बरगबा निवासी विपिन मिश्रा ने अपनी बहन की शादी बदायूं की कृष्णापुरी निवासी दीपक से तय की । इसमें लगभग 18 लाख रुपया खर्च किया गया। गोद भराई में ही पांच लाख खर्च किये गये। इसके बाद ससुरालवालों ने दहेज में बोलेरो गाड़ी और पांच लाख रुपए बढ़ाने की मांग की। इसमें असमर्थता जताने पर रिश्ता करने से मना कर दिया। विपिन ने मामले की रिपोर्ट थाने पर दर्ज कराई है ।

दूसरी घटना में सबीना निवासी मोहल्ला मुगलान फतेहगंज पूर्वी ने बताया कि उसकी शादी पीर मोहम्मद से वर्ष 2022 को हुई थी । शादी में मिले दान दहेज से ससुरालवाले संतुष्ट नहीं थे। वह दो लाख रुपए व कार की मांग कर रहे थे । इसे देने में असमर्थता जताने पर पति ने घर से निकाल दिया। उसके दो बच्चे भी हैं ससुराल वालों ने उनको भी रखने से मना कर दिया । इस मामले में भी रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

गर्भवती को पीटकर निकाला, सात पर केस दर्ज

नवाबगंज, अमृत विचार : दहेज की मांग पूरी न होने पर एक गर्भवती विवाहिता के साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल देने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि ससुरालियों ने 50 हजार रुपये और एक बाइक की मांग करते हुए उसे फांसी लगाकर या जलाकर मार देने की धमकी दी। एसएसपी के आदेश पर थाना पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के गांव परोथी निवासी छेदा लाल ने बताया कि उसने अपनी पुत्री चम्पा देवी की शादी करीब आठ माह पूर्व थाना भोजीपुरा क्षेत्र के गांव घोर समस्तपुर निवासी ओमप्रकाश के पुत्र मुकेश कुमार के साथ की थी। ससुराल वाले कम दहेज का ताना देकर पुत्री को लगातार प्रताड़ित करते रहे। आरोप है कि ससुराल पक्ष ने मायके से 50 हजार रुपये नकद और एक बाइक लाने की मांग रखी। मांग पूरी न होने पर चम्पा देवी को जान से मारने की धमकियां दी गईं। पीड़िता के अनुसार वह छह माह की गर्भवती है और करीब एक माह पहले ससुरालियों ने उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। पिता की तहरीर पर पुलिस ने पति मुकेश कुमार, ससुर ओमप्रकाश, सास ओमवती, देवर नरेश कुमार व विनोद कुमार, ननद वीरवती तथा ननदोई शिशुपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

राहत योजना में 5.5 करोड़ बिल हुआ जमा

रिठौरा, अमृत विचार : बिजली बिल राहत योजना के पहले चरण के अंतिम दिन तक रिठौरा में उपभोक्तओं ने साढ़े पांच करोड़ रुपये बिल के रुप में जमा किए हैं। एसडीओ अरूण कुमार ने बताया रिठौरा सब-डिवीजन पर बीस हजार उपभोक्ता हैं। जिनमें पांच हजार उपभोक्ताओं ने 31 दिसंबर तक बिजली बिल राहत योजना का लाभ उठाया है। बुधवार तक साढ़े पांच करोड़ रूपये राहत योजना के अंतर्गत जमा हो चुके हैं। अभी योजना आगे भी लागू रहेगी। बुधवार को साइड न चलने से तमाम उपभोक्ता वापस लौट गए। इस दौरान संजय कुमार, अजय कुमार, योगेश, शेखर आदि रहे।

मीरगंज में 59 स्थल बढ़े 444 हुए मतदेय स्थल

संवाददाता, मीरगंज

- मीरगंज विधानसभा में मतदेय स्थलों की संख्या 385 थी

अमृत विचार : मीरगंज विधानसभा में अब 444 मतदेय स्थल हो गये हैं। पहले यह संख्या 385 थी। 1200 से अधिक मतदाता वाले 59 मतदेय स्थलों की वृद्धि के बाद ऐसा हुआ है।

निर्वाचन आयोग ने एक मतदान स्थल पर 1200 मतदाताओं के वोट डालने की सीमा तय कर दी है। इसी के तहत विधानसभा क्षेत्र में 59 मतदान स्थल ऐसे निकले हैं जहां मानक से ज्यादा वोटर थे। नए स्थलों में वृद्धि करके अब निर्वाचन आयोग के मानक के अनुसार यह संख्या कर दी है। यह जानकारी एसडीएम आलोक कुमार ने दी।

उन्होंने बताया की नये बढ़े 59 मतदेय स्थलों पर बीएलओ की तैनाती कर बुधवार को तहसील सभागार में प्रशिक्षण दिया गया है। मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन 06 जनवरी को होगा। प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे बीएलओ को नोटिस भेज कर दो जनवरी को तहसील सभागार में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। प्रशिक्षण में तहसीलदार आशीष कुमार सिंह, गिरजाशंकर, संदीप कुमार, भानु प्रताप गंगवार आदि उपस्थित रहे।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर गश्त

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर थाना पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार के नेतृत्व में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में सघन अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने कस्बे होटलों, शराब के ठेकों की जांच की और शराब पीकर उत्पाद मचाने बालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने पुलिसकर्मियों के साथ कस्बा समेत ग्रामीण अंचलों पनबड़िया, मवई काजियान, बैरमनगर, नगरिया कलां, मोहम्मदपुर, नगरिया सोबरनी, डेलपुर समेत क्षेत्र का दौरा किया। ● अमृत विचार

न्यूज डायरी

तीन दिनी अनुष्ठान में निकाली कलश यात्रा

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : बंद पड़ी रबर फैक्ट्री कालोनी में घट घट वासी का तीन दिवसीय अनुष्ठान के दूसरे दिन बुधवार दोपहर के बाद अनुयाइयों ने कलश यात्रा निकालकर लोगों धार्मिक अनुष्ठान में पहुंचने का आह्वान किया। कलश यात्रा रबड़ फैक्ट्री कालोनी से शुरू होकर समूचे कस्बा में घूमने के बाद अनुष्ठान स्थल पर पहुंचकर समाप्त हो गई। कलश यात्रा के आगे गुरु ओम विष्णु हरि घट घटवासी चल रहे थे। महिलाओं के सर पर कलश रखा था। व्यवस्थापक जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया बृहस्पतिवार को हवन की पूर्णाहुति के बाद गरीबों को कंबल बांटने के बाद अनुष्ठान खत्म हो जाएगा। इस दौरान जोगी महेश बाबा, राजवीर शर्मा, धर्मेंद्र मिश्रा, धीरेन्द्र सिंह, वीरेंद्र शर्मा, राकेश कश्यप और सैंकड़ों की संख्या में महिलाऐं व भक्तगण मौजूद रहे।

विधायक ने दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल वितरित कीं

क्योलड़िया, अमृत विचार : बुधवार को विधायक डॉ. एमपी आर्य ने दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल वितरित कीं। इस दौरान 50 दिव्यांगों को ट्राई साइकिल के साथ कंबल भी दिए गए। विधायक ने दिव्यांगजनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। ब्लॉक प्रमुख रश्मि गंगवार ने आश्वासन दिया कि वे हमेशा दिव्यांगों के साथ खड़ी रहेंगी। इस दौरान भाजपा नेता रवि शंकर गंगवार, प्रधान रविंद्र गंगवार, त्रिवेंद्र कुमार, मोहम्मद आजम, आसिफ, राहुल, दीपू, शशि कपूर और वेदपाल कनौजिया समेत आदि लोग मौजूद रहे।

35 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत हुए राजस्व निरीक्षक

मीरगंज, अमृत विचार : राजस्व निरीक्षक हरद्वारी लाल गंगवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर तहसील सभागार में एक विदाई समारोह हुआ, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपजिलाधिकारी मीरगंज आलोक कुमार ने उनकी कार्यशैली की सराहना की। तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने उन्हें जनहित और प्रशासनिक दायित्व को सर्वोपरि रखने वाला बताया। इस दौरान नायब तहसीलदार अरविंद कुमार सहित समस्त तहसील स्टाफ उपस्थित रहा। लेखपाल संघ तहसील अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह, गिरंद्र सिंह, अभिषेक पटेल एवं पुष्पेंद्र सिंह, अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे। संचालन आदित्य गंगवार ने किया।

मेवरिक्स क्लब ने न्यू इयर कार्निवाल में मचाई धूम

रिठौरा, अमृत विचार : राजश्री इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में बुधवार को मेवरिक्स क्लब ने नव वर्ष-2026 के आगमन के उपलक्ष्य में न्यू ईयर कार्निवाल किया। इसमें संस्थान के छात्र-छात्राओं ने उत्साह और आनन्द के साथ म्युजिकल एक्टिविटीज के साथ नव वर्ष का स्वागत किया। सायंकाल में लाइव फॉर्मेंस के दौरान कारनामा द डीजे बेस्ड बैण्ड के द्वारा पंडाल में मौजूद सभी दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्निवाल का उद्घाटन संस्थान के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सचिव राकेश कुमार अग्रवाल, प्रबंध निदेशक रोहन बंसल, सीओओ ऋषभ बंसल एवं ट्रस्टी पीयूष गुप्ता ने किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं डांस में बीबीए से पूजा एवं अंशिका, सिंगिंग में एलएलबी से खतीब, पोएट्री में नदीम, रैम्प वॉक में एनसीसी से अनु तथा बेस्ट स्टॉल में फ्लेवर जंक्शन को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के आयोजन में संस्थान के डीन एकेडमिक प्रोफेसर साकेत अग्रवाल, रजिस्ट्रार दुष्यंत माहेश्वरी सहित मेवरिक्स क्लब इंचार्ज धर्मवीर सिंह, अभिषेक यादव, गौरव यादव का सहयोग रहा।

टाल में घुसे दबंग, दंपती से मारपीट

संवाददाता, नवाबगंज

- टाल पर सो रहे पति पर हुआ हमला, बीच बचाव करने पर पत्नी को भी किया घायल
- शोर-शराबा होने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देकर हुए फरार

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम बरखन में मंगलवार रात करीब साढ़े दस बजे पॉपुलर की टाल पर सो रहे दंपती पर हथियारबंद दबंगों ने हमला कर दिया। हमले में पति गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बीच-बचाव करने पर उसकी पत्नी को भी धक्का देकर गिरा दिया गया।

पीड़ित रईस अहमद ने बताया कि वह पत्नी रेशमा बेगम के साथ टाल पर सो रहा था। तभी ईको गाड़ी से आए 7-8 लोग नाजायज असलहों के साथ जबरन टाल में घुस आए। आरोप है कि हमलावरों में छोटे मुस्लिम मोहम्मद ताहिर, मुबारिक अली निवासी ग्राम गरगईया थाना नवाबगंज, जन्नती बेगम पत्नी जलालुद्दीन व उसका पुत्र जहीर निवासी मधुनगला थाना क्योलडिया सहित कुछ अज्ञात लोग शामिल थे।

आरोप है कि हमलावरों ने गाली-गलौच करते हुए रईस अहमद को ललकारा और एकराय होकर मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में रईस अहमद के सिर व शरीर में गंभीर चोटें आईं। पत्नी रेशमा बेगम के रोने-गिड़गिड़ाने पर उसे भी धक्का देकर गिरा दिया गया। शोर मचाने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को थाने ले गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद व अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दुष्कर्म का वीडियो बनाया, रिपोर्ट दर्ज

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में एक महिला से दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनाने और उसे वायरल करने की धमकी देकर रुपये मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

थाना नवाबगंज क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि पति का एक रिश्तेदार विजय कुमार निवासी ग्राम गुरसौली (थाना बहेड़ी) का उनके घर आना-जाना था। पीड़िता का कहना है कि एक दिसंबर को जब वह घर में अकेली थी, तभी आरोपी जबरन घर में घुस आया और उसे कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया। इसी दौरान उसने मोबाइल फोन से महिला की अश्लील वीडियो भी बना ली। इसके बाद आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर फोन पर रुपये मांगने लगा। विरोध करने पर आरोपी गाली-गलौज करता और उसके व परिवार के लोगों को जान से मारने की धमकी देता रहा। तीन दिसंबर को आरोपी ने सोशल मीडिया पर एक ग्रुप बनाकर महिला की फोटो वायरल कर दी। उस पर आपत्तिजनक शब्द भी लिखे गये थे।

लगातार उत्पीड़न और बदनामी से परेशान होकर पीड़िता ने थाना नवाबगंज में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हीलाहवाली : बुध बाजार में अतिक्रमण हटाने नहीं गई टीम

संवाददाता, फरीदपुर

- पालिका टीम की भेदभावपूर्ण कार्यप्रणाली से जनता ने उठाए सवाल
- खोखे फड़ वालों ने सभासदों के प्रति जताई नाराजगी, वोटर होते हुए भी आंसू पोछने नहीं आए

अमृत विचार : नगर पालिका का अतिक्रमण हटाओ अभियान गरीबों को ही उजाड़ने में ही लगा है। पालिका की टीम को सड़क किनारे लगे खोखे व फड़ लगाने वाले और उनकी वजह से सड़क पर जाम लगना ही दिखाईपड़ रहा है लेकिन अवैध तरीके से लगाए जा रहे बुध बाजार पर पालिका टीम के साफ्ट कार्नर की वजह से यहां जनता जाम से परेशान हो रही है। स्कूली बच्चे जाम में फंसे रहकर परेशान हो रहे है। अभियान के दौरान पालिका इससे निजात दिलाने में नाकाम है और दुकानदारों के साथ साथ जनता भी पालिका द्वारा किए जा रहे भेदभाव पूर्ण व्यवहार की चर्चा कर रही है।

बुधवार को मुख्य मार्ग पर हर सप्ताह की तरह बुध बाजार लगा। फुटपाथ पर फड़ खोखे लगाए गए। इससे सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही। बाजार में भीड़ की वजह से सड़क पर वाहनों के निकलने में भी दिक्कत हुई।

रोडवेज ने इसी बुध बाजार की वजह से होने वाली भीड़ के कारण मुख्य मार्ग से बसों का संचालन बंद कर दिया । इससे नगर की जनता अब केवल आटो के सहारे ही बरेली तक पहुंच रही है। जो असुरक्षित महसूस किया जा रहा है। नगर पालिका की टीम ने बुधवार को अतिक्रमण हटाने को निकली। तीन दिन से चल रहे अभियान में लोग मान रहे थे बुध बाजार पर पालिका की टीम जाएगी और यहां से सड़क फुटपाथ पर बाजार लगने से जाम से होने वाली परेशानी से जनता को निजात दिलाएगी लेकिन पालिका की टीम के भेदभावपूर्ण कार्यप्रणाली से जनता ने भी नाराजगी जताई है। पालिका के किसी सभासद ने भी इस भेदभावपूर्ण कार्यप्रणाली पर विरोध दर्ज नहीं कराया है। खोखे फड़ लगाने वालों ने बताया कि वह भी पालिका के ही वोटर हैं और उन्होंने भी वोट देकर सभासद बनाए हैं लेकिन सभासद भी पालिका के आगे जिस तरह नतमस्तक हो गए हैं इससे जनता सभासदों के प्रति भी नाराज है। अवैध दुकानदारों का कहना है कि यदि उन्होंने सड़क किनारे खोखा फड़ लगाकर गलत किया है तो सभासदों ने अभियान के दौरान बुध बाजार की तरफ पालिका का अभियान नहीं चलाने का विरोध नहीं करके जनता के साथ धोखा किया है।

नगर पालिका परिषद का अतिक्रमण हटाओ अभियान तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा, लेकिन बुध बाजार पर पालिका के अभियान की आंच नहीं आई। इससे मुख्य सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही। नगर की सबसे बड़ी समस्या यहां पर लगने वाला जाम ही है।

बुधवार को सड़क पर स्थिति जाम इस कदर लगती है जिससे स्कूल बच्चे और राहगीर घंटों जाम में फंसे रहते है। नगर पालिका की टीम बाजार स्थल से अनुपस्थित रही। पालिका तीन दिन से अतिक्रमण हटाओ अभियान चला रही है। बुधवार को तीसरा दिन था। टीम निकली भी थी लेकिन बुधबाजार की तरफ उसने रुख नहीं किया इसके उलट पालिका के अधिशासी अधिकारी पुनीत कुमार ने आश्वासन की घुट्टी जनता को पिलाते हुए कहा कि जल्द ही अवैध बुध बाजार पर भी अतिक्रमण हटाओ की कार्रवाई की जाएगी।

पालिका टीम की एकतरफा कार्रवाई के विरोध में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

सिरौली पुलिस चोरियां रोकनें में नाकाम

सिरौली, अमृत विचार : नगर में सक्रिय बाइक चोर गिरोह ने उर्स मेले से बाइक चोरी कर ली। पांच दिन में बाइक चोरी की यह दूसरी घटना है। मोहल्ला सईंदान निवासी मुशाहिद खान उर्स मेले में गया था। उसने झूले के पास बाइक खड़ी की और बच्चों को खिलौने दिलाने गया। लौटकर आया तो बाइक गायब थी। पांच दिन पूर्व सीमेंट व्यापारी यथार्थ गुप्ता की बाइक कश्यप बस्ती से चोर बाइक चोरी कर ले गए। इलाके में सक्रिय चोर गिरोह लगातार पुलिस निष्क्रियता का लाभ उठाते जा रहे हैं।

दबंगई से रास्ता किया बंद, शिकायत

बिशारतगंज, अमृत विचार : दबंगई के बल पर रास्ता बंद कर दरवाजा लगाने की शिकायत एसएसपी से की गई है। इसके पहले एसडीएम से शिकायत करने पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। थाना क्षेत्र के अखा गांव निवासी जसवीर सिंह ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि उन्होंने गांव के ही कुछ लोगों से रहने के लिए एक खेत में जगह खरीदी थी जिसमें लिखित रूप से एक गड्ढा का रास्ता दिया गया था किंतु गांव के ही कुछ दबंग लोगों ने जबरन उसमें अपना दरवाजा लगाकर रास्ता बंद कर दिया है।

एसओजी पर हमला कर तस्कर छुड़ाया

सिरौली के आलमपुर कोट के ग्रामीणों ने एसओजी टीम को लाठी-डंडा लेकर दौड़ाया, वापस भागी टीम

संवाददाता, बरेली/सिरौली

अमृत विचार : सिरौली थाना क्षेत्र में बुधवार को अफीम तस्कर को पकड़ कर थाने के लिए निकली एसओजी की टीम पर गुस्साए ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इतना ही नहीं ग्रामीण तस्कर को छुड़ा कर अपने साथ ले गए। हालात ऐसी बने कि एसओजी को भाग कर किसी तरह अपनी जान बचानी पड़ी। सूचना पर पहुंची भारी पुलिस फोर्स ने तस्कर समेत ग्रामीणों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बताया कि थाना क्षेत्र के गांव आलमपुर कोट में सड़क किनारे शराब भट्टी के पास से एसओजी की टीम ने अफीम तस्कर शेर सिंह को गिरफ्तार किया था। टीम उसे लेकर थाने के लिए रवाना हुई कि ग्रामीणों ने एसओजी की गाड़ी का घेराव कर हमला बोल दिया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे ग्रामीणों को देख एसओजी की

● तस्कर को थाने लाने को तैयार टीम पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

टीम चौकन्ना हुई और तस्कर को दबोचे रखी। मगर ग्रामीणों ने गाड़ी की घेराव के बाद हमला किया तो एसओजी की टीम ने गाड़ी से भाग कर अपनी जान बचाना शुरू कर दी।

इस दौरान ग्रामीणों के साथ शेर सिंह के परिजन उसे छुड़ा कर अपने साथ ले गए। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो हमले के बाद एसओजी की टीम ने बड़ा गांव और रामनगर चौकी में भागकर अपनी जान बचाई। हैरानी की बात यह है कि एसओजी की टीम बिना स्थानीय पुलिस को सूचना दिए तस्कर को उठाने गई थी। हालांकि, एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने दावा किया है कि तस्करों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। जल्द ही तस्कर समेत घेराव कर हमला करने वालों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया जाएगा।

कबाड़ी निकला अफीम तस्कर, साथी सहित गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली/भमोरा

अमृत विचार : बदायूं का रहने वाला कबाड़ी अपने साथी तस्कर के साथ कबाड़ की आड़ में मादक पदार्थों की तस्करी कर रहा था। उसका नेटवर्क पंजाब से लेकर अन्य राज्यों तक फैला था। भमोरा क्षेत्र में पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने उसे और उसके साथी को साढ़े तीन किलो अफीम के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मोहल्ला बड़ा दरवाजा नई सराय बदायूं निवासी फैसल खान उर्फ अर्शी और आलिम के रूप में हुई।

एएनटीएफ ने पुलिस के साथ भमोरा क्षेत्र स्थित मकरंदपुर में दोनों को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से साढे.तीन किलो अफीम, तीन मोबाइल और 3650 रुपये नकदी बरामद की है। पूछताछ में फैसल ने बताया कि वह बदायूं में कबाड़ की दुकान चलाता है। ज्ञान

पुलिस की गिरफ्त में साथी सहित अफीम तस्कर। ● अमृत विचार

> दो तस्करों को साढ़े तीन किलो अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया है। फरार तीसरे साथी की तलाश की जा रही है। जल्द उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। –अंशिका वर्मा, एसपी दक्षिणी

● कबाड़ की आड़ में की जा रही थी मादक पदार्थों की तस्करी

सिंह स्कूटी से आकर उसे दुकान पर अफीम दे गया था। अफीम पंजाब की पार्टी को देने के लिए दोनों निकले थे कि रास्ते में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बरामद अफीम की अंतर्राष्ट्रीय कीमत करीब 35 लाख रुपये बताई जा रही है। फरार आरोपी ज्ञान की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

दावा: आंवला सर्किल में अपराध ग्राफ में आई गिरावट

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : क्षेत्राधिकारी आंवला नितिन कुमार ने प्रेस वार्ता में वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में अपराधों में भारी कमी का दावा किया है। आंवला सर्किल के चार थानों-आंवला, भमोरा, बिशारतगंज व अलीगंज में हत्या के मामलों में 63 फीसद, लूट में 60 फीसद नकबजनी में 50 फीसद तथा दहेज हत्या में 25फीसद की कमी दर्ज की गई है।

क्षेत्राधिकारी ने बताया कि आंवला थाने में परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने 105 परिवारों का समझौता कर पुनर्मिलन कराया है। जबकि बीते वर्ष दहेज हत्या के 6 मामले थे। जोकि इस वर्ष शून्य रहा। महिला अपराधों में 28फीसद कमी आई है। वहीं गैंगस्टर एक्ट में 300 फीसद गुंडा एक्ट में 240 फीसद, एनडीपीएस में 110फीसद, आर्म्स एक्ट में 240फीसद, जुआ अधिनियम में 148फीसद तथा आबकारी में 145 फीसद की वृद्धि हुई है।

सीओ नितिन कुमार ।

वाहन चोरी के 66 से घटकर 32 मामले रह गए। पुलिस ने मुठभेड़ में 10 अपराधियों के पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया है। मादक पदार्थों में 44 किलो अफीम, 192 किलो डोडा, 11 किलो डोडा पाउडर, 2 किलो स्मेक व आधा किलो चरस बरामद किया है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 7-8 करोड़ है। आबकारी में 146 मामलों से 1000 लीटर शराब जब्त की गई। हत्या के 24 मामले घटकर 9 रह गए। क्षेत्राधिकारी ने छोटे-छोटे मामलों में भी रिपोर्ट दर्ज कर अपराध नियंत्रण का श्रेय पुलिस टीम को दिया।

आंवला में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की होगी नियुक्ति

नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक की नियुक्ति की जानकारी देते अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों के लिए तहसील में करीब 50 स्वयंसेवकों की नियुक्ति की जाएगी। नियुक्त स्वयं सेवकों को निशुल्क सेवाएं प्रदान करनी होगी। यह बात एसडीएम आंवला विदुषी सिंह ने कही। वह बुधवार को नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की नियुक्ति प्रकि्रया की बैठक में बोल रहीं थी।

सभागार में हुई बैठक में अफसरों ने सभासदों को स्वयंसेवकों के कार्य और उद्देश्य के बारे में कहा कि नागरिक सुरक्षा एक स्वयंसेवी सेवा है। जिसका उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा और सहायता करना है। इसमें नागरिकों को आपातकालीन स्थितियों में मदद करना, अपराध रोकथाम में सहायता करना, और समुदाय में सुरक्षा और जागरूकता बढ़ाना शामिल है। इस दौरान चेयरमैन सैय्यद आबिद अली, अधिशासी अधिकारी जितेंद्र कुमार और नगरपालिका परिषद के अधिकांश सभासद मौजूद रहे।

ऑनलाइन काम कराने के बहाने ढाई लाख की ठगी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कोतवाली सदर क्षेत्र में वेबसाइट संचालन से जुड़े एक मामले में भुगतान न करने, धोखाधड़ी करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है।

मोहल्ला कपूरथला निवासी प्रेम श्रीवास्तव टिवन्स क्लाउड कंपनी के संचालक है। वह एक वेबसाइट से जुड़े कार्य करते हैं। वेबसाइट की संचालक रीना आर्या और उनके सहयोगी धर्मेश जैन निवासी डीडीए. फ्लैट ए-32, कालकाजी, ने 29 जनवरी 2019 को उनसे कार्य कराया। शुरुआती कुछ महीनों तक मेहनताना, फीस और खर्च का भुगतान किया गया, लेकिन बाद में भुगतान बंद कर दिया गया। आश्वासन के बावजूद लगातार काम कराते रहे, जिससे आरोपियों पर उसका करीब दो लाख से ज्यादा

● दिल्ली के दो लोगों के खिलाफ पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

रुपये बकाया हो गया।

भुगतान से बचने के लिए आरोपियों ने बैंक के 50-50 हजार रुपये के चार चेक जारी करने की बात कही और केवल चेकों की फोटो मोबाइल पर भेज दी, जबकि वास्तविक चेक कभी नहीं दिए गए। जब भुगतान नहीं हुआ तो उसने काम बंद कर दिया। इसके बाद भी आरोपियों ने संपर्क कर पुनः काम करने और भविष्य में भुगतान करने का दबाव बनाया। लगातार टालमटोल और भुगतान न मिलने से उसे आर्थिक नुकसान और मानसिक तनाव झेलना पड़ा। शहर कोतवाल राजेश कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच चौकी इंचार्ज मिश्राना अजीत कुमार सिंह को सौंपी गई है।

अलौकिक कीर्तन दरबार

नव वर्ष के आगमन पर गुरुद्वारा माडल टाउन में आयोजित कीर्तन दरबार में शबद कीर्तन करते बिंदर सिंह (तख्त श्री दमदमा साहिब)। ● अमृत विचार

बदनामी के डर से बेटी की गला रेतकर की थी हत्या

बदायूं, अमृत विचार : वजीरगंज क्षेत्र के गांव लहरा लाडपुर के पास सरसों के खेत में किशोरी का क्षत विक्षत शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार किशोरी की गला रेतकर हत्या की गई थी। किशोरी के पिता ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के बाद पुलिस ने खुलासा किया तो पता चला कि पिता ने ही बदनामी की वजह से बेटी की हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी से आलाकत्ल हंसिया बरामद करके उसे जेल भेज दिया। थाना वजीरगंज क्षेत्र के गांव लहरा लाडपुर निवासी 15 साल की सोनम उर्फ सोनी पुत्री इकरार 19 दिसंबर की रात से लापता हो गई थी लेकिन परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज नहीं कराई। दस दिन बाद 29 दिसंबर की सुबह किशोरी का शव खेत में पड़ा मिला था। पोस्टमार्टम में हत्या की बात सामने आने और शुरुआती पूछताछ के दौरान प्रथम दृष्टया किशोरी के किसी अपने पर ही शक था।

घटिया सामग्री लगाने से ग्रामीण नाराज

संवाददाता, भुता

अमृत विचार : ब्लॉक के गांव हाजीपुर खजुरिया में चल रहे नाला निर्माण में घटिया सामग्री लगाकर कार्य को पूरा करने से ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है।

ग्राम हाजीपुर खजुरिया में चल रहे नाला निर्माण कार्य से नाराज ग्रामीणो का आरोप है ठेकेदार द्वारा नाला निर्माण कार्य में पीला ईट का इस्तेमाल कराया जा रहा है। निर्माण कार्य में जो मसाला लग रहा है। उसमें सीमेंट की मात्रा काफी कम लगाई जा रही है। जिसके कारण ग्रामीणों व मौके पर काम कर रहे मजदूर आदि से तीखी नोकझोंक का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है प्रशासन द्वारा कार्य की निष्पक्ष जांच करा कर। मानक के अनुसार निर्माण कार्य दोबारा करवाया जाए। इस मौके पर ग्राम निवासी रिंकू पाल, छोटे सिंह, मनोज, प्रदीप आदि दर्जन पर ग्रामीण मौजूद रहे। खंड विकास अधिकारी

गांव में हो रहे निर्माण कार्य में पीली कमजोर ईंटे लगाने का ग्रामीणों ने गुस्सा जताया।

● निर्माण कार्य में कमजोर ईंट लगाने को ग्रामीणों ने घटिया बताया

सुखपाल ने बताया निर्माण कार्य की मुझे जानकारी नहीं है। अगर नाला निर्माण कार्य में गलत सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। तो इसकी निष्पक्ष जांच करा कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नाराजगी जताते ग्रामीण। ● अमृत विचार

आठ पुलिस कर्मी हुए सेवानिवृत्त, दी विदाई

सेवानिवृत्त हुए पुलिस कर्मियों की विदाई करते सीओ यातायात। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : पुलिस लाइन सभागार में बुधवार को सेवानिवृत्त हुए आठ पुलिसकर्मियों को समारोह में सम्मान के साथ विदाई दी गई। सेवानिवृत्त होने वालों में दरोगा वीरेंद्र सिंह, नरेश कुमार शर्मा, सतेंद्र पाल, सुरेन्द्र कुमार, मुख्य आरक्षी योगेन्द्र पाल सिंह, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

● पुलिस लाइन सभागार में आयोजित किया गया विदाई कार्यक्रम

ओपी कैलाश यादव व ओपी वीरेंद्र पाल सिंह, कहार उदयवीर सिंह हैं। समारोह में क्षेत्राधिकारी यातायात अंजनी कुमार तिवारी ने सेवानिवृत्त कर्मियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

किर्गिस्तान से 12 युवकों की हुई वापसी

पीलीभीत, अमृत विचार: अच्छी नौकरी की चाहत में जालसाजों के जाल में फंसकर किर्गिस्तान जाकर फंसे जिले के सभी 12 लोगों की केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के प्रयासों से वतन वापसी हो चुकी है। सभी का गुरुवार को भाजपा कार्यालय में स्वागत सम्मान किया जाएगा।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले 12 लोगों को जालसाजों किर्गिस्तान भेज दिया था, वहां उन्हें बंधक बनाकर काम कराया जा रहा था। आरोप है उन्हें पैसे नहीं दिए जा रहे थे। युवकों के घर वालों ने केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से गुहार लगाई थी। इसके बाद उनके प्रयास से विदेश मंत्रालय ने उनकी वतन वापसी के प्रयास किए। परिणाम स्वरूप सभी 12 लोगों की वतन वापसी कराई गई। सभी के वतन वापसी करने पर परिवार वालों ने राहत महसूस की।

बांग्लादेश के खिलाफ प्रदर्शन

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में कलेक्ट्रेट गेट पर सपा की समयुन खान, सूरज यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन किया। ● अमृत विचार

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, भेजा जेल

खुटार, अमृत विचार : खुटार क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति की पत्नी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि गांव महुआ पिमई निवासी विजेंद्र कुमार का बेटा कपिल उर्फ अश्वनी कुमार का उससे पिछले डेढ़ साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोपी ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाये। इस दौरान आरोपी ने उससे शादी करने का झांसा दिया और कई बार दुष्कर्म किया। महिला ने आरोपी से शादी करने की बात कही, तो वह कुछ दिन बाद शादी करने की बात कहकर टलता रहा। बाद में आरोपी मुकर गया। महिला ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

मिशन 2026

नए साल में विकास के पंख लगाएगा बरेली

नवदिया झादा से मिटेगा ब्लैक स्पॉट का दाग, सिक्स लेन पुल पर फर्राटा भरेंगे वाहन

जिले के सबसे बड़े ब्लैक स्पाट का दाग नए साल में जल्द धुल जाएगा। नवदिया झादा पर निर्माणाधीन सिक्स लेन फ्लाईओवर का काम अंतिम चरण में है। फरवरी माह तक इस पर फर्राटा भरते हुए वाहन निकल सकेंगे। इससे बरेली-बीसलपुर रोड पर बना अवरोध भी खत्म हो जाएगा। 1.8 किमी के इस फ्लाईओवर के लिए शासन ने 29.83 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। निर्माण की जिम्मेदारी एनएचएआई, मुरादाबाद को सौंपी है। कार्यदायी संस्था ने पिछले साल सिक्स लेन, फ्लाईओवर और एप्रोच मार्ग का कार्य पिछली साल आरंभ किया था। एनएचएआई के पीडी राहुल सिंह का कहना है कि मुख्य कार्य फ्लाईओवर का स्ट्रक्चर तैयार हो चुका है। दोनों तरफ एप्रोच रोड का काम चल रहा है। फरवरी तक परियोजना पूर्ण हो जाएगी।

सौ फुटा तिराहे पर प्रस्तावित फ्लाईओवर को मिलेगी स्वीकृति

बरेली-पीलीभीत मार्ग पर 646.80 मीटर लंबा फोर लेन फ्लाईओवर (पुल) प्रस्तावित है। राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार की पैरवी पर शासन ने बीते साल इसका विस्तृत प्रस्ताव मांगा था। इसके बाद 67 करोड़ रुपये अनुमानित लागत मानते हुए सेतु निगम ने अपनी वार्षिक कार्ययोजना में पुल को शामिल किया था। सेतु निगम के डीपीएम अरुण कुमार का कहना है कि राज्य सरकार ने यूपी के विभिन्न जिलों की कार्ययोजना में शामिल किए गए तमाम पुलों में से चालीस के निर्माण को प्राथमिकता में लिया है। इसमें बरेली का यह पुल भी शामिल है। नए साल में इसकी स्वीकृति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। डीपीएम के मुताबिक अगर स्वीकृति फरवरी तक मिल जाती है तो एक साल में पुल बनकर तैयार हो जाएगा।

सेटेलाइट पर अंडरपास के साथ बनाया जाएगा वाई शेप फ्लाईओवर

नए साल में सेटेलाइट बस अड्डे के सामने आए दिन लगने वाले जाम से लोगों को मुक्ति दिलाने के लिए अंडरपास के साथ वाई शेप फ्लाई ओवर का काम शुरू होगा, सेतु निगम ने इसका 106 करोड़ रुपये का एस्टीमेट शासन को भेजा है। डीपीएम अरुण कुमार का कहना है कि सेटेलाइट तिराहे पर प्रस्तावित फ्लाईओवर वाई आकार का होगा। यह मालियों की पुलिया चौराहे से करीब ढाई सौ मीटर पहले से शुरू होगा और मौजूदा पुल के बायीं ओर से आगे शाहजहांपुर रोड की ओर बनेगा। यानी शहर से शाहजहांपुर की ओर पुल चार लेन हो जाएगा। तिराहे के टी प्वाइंट से पहले ही पीलीभीत रोड की ओर तिरछा टू-लेन पुल बनाया जाएगा जो करीब तीन सौ मीटर आगे उतरेगा। इसमें पीलीभीत से शहर की ओर आने के लिए वहां अंडरपास की भी योजना तैयार की गई है। इस अंडरपास से वाहन ईसाइयों की पुलिया की ओर निकल जाएंगे। उनको सेटेलाइट बस अड्डे के सामने से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। फ्लाईओवर 800 मीटर और अंडरपास 400 मीटर लंबा होगा।

इलेक्ट्रिक बसों का एक रुपया घटेगा किराया

शहर में ऑटो, ई-रिक्शा को टक्कर देने के लिए स्मार्ट सिटी कंपनी की इलेक्ट्रिक बसों का न्यूनतम किराया 11 से घटाकर 10 रुपये करने की तैयारी है। इसकी मुख्य वजह यह है कि ऑटो, ई-रिक्शा चालक न्यूनतम किराया दस रुपये लेते हैं। दूसरी ओर ई-बस में एक रुपये के सिक्के को लेकर समस्या रहती है। ज्यादा संख्या ऐसे यात्रियों की है जो अधिकतम तीन किलोमीटर तक यात्रा करते हैं। इसका किराया 11 रुपये निर्धारित हैं। सिटी बस की ऑपरेशन मैनेजर मनीषा दीक्षित ने बताया कि न्यूनतम किराये में एक रुपये की कटौती को लेकर सवारियों की फीडबैक पर विचार किया गया है, ताकि ऑटो और ई-रिक्शा में यात्रा करने वाले यात्रियों का रुख ई-बसों की ओर मुड़ सके। किराये में कटौती को लेकर मंडलायुक्त को फाइल भेजी जा चुकी है। नए साल में बैठक मंडलायुक्त की अध्यक्षता में होने वाली बोर्ड की बैठक में कम किराये की मंजूरी मिल जाएगी।

वक्त के साथ कदमताल करते हुए 'झुमका सिटी' अब 'फ्लाईओवर सिटी' और 'स्मार्ट कनेक्टिविटी हब' बनने की राह पर है। वर्ष 2026 बरेली के इतिहास में एक ऐसे मील का पत्थर के रूप में दर्ज होने जा रहा है, जहां विकास की योजनाएं फाइलों से निकलकर धरातल पर अपनी चमक बिखेरेंगी। 2026 बरेली के लिए केवल कैलेंडर का एक नया पन्ना नहीं, बल्कि करोड़ों के बजट और दूरदर्शी परियोजनाओं के संगम का साल है। जब ये सभी परियोजनाएं धरातल पर उतरेंगी, तो बरेली की पहचान एक विकसित, सुरक्षित और रफ्तार वाले शहर के रूप में वैश्विक पटल पर उभरेगी। इस नए साल में बरेली न केवल जाम के पुराने दंश से मुक्त होगा, बल्कि आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के दम पर इसकी रफ्तार को भी नए पंख लगेंगे। शहर के सबसे व्यस्त और चुनौतीपूर्ण सेटेलाइट बस अड्डे के सामने की तस्वीर अब बदलने वाली है। सेतु निगम ने 106 करोड़ रुपये की लागत से अंडरपास और 'वाई' (Y) शेप फ्लाईओवर का जो खाका खींचा है, उसका काम नए साल में धरातल पर शुरू हो जाएगा। यह प्रोजेक्ट न केवल स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों को राहत देगा, बल्कि पीलीभीत और शाहजहांपुर की ओर जाने वाले ट्रैफिक को भी निर्बाध गति प्रदान करेगा। बरेली की कनेक्टिविटी को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए एनएचएआई का मथुरा-बरेली ग्रीन कॉरिडोर संजीवनी साबित हो रहा है। चार चरणों में चल रहे इस महाप्रोजेक्ट के दो चरणों का काम 50 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है, जो 2026 में प्रदेश को पश्चिमी यूपी से जोड़ने का मुख्य आधार बनेगा। वहीं, शहर के भीतर बीडीए ने सेटेलाइट तिराहा से एयरपोर्ट तक की सड़क को आठ लेन करने का जो 130 करोड़ का मास्टर प्लान तैयार किया है, उसकी स्वीकृति मिलते ही बरेली का प्रवेश द्वार किसी बड़े महानगर जैसा भव्य नजर आएगा।

इन प्रमुख मंदिरों में बढ़ेंगी सुविधाएं

पर्यटन विभाग ने जिले के छह मंदिरों के विकास के लिए 11.98 करोड़ रुपये मंजूर कराए हैं। विभाग की ओर से टेंडर प्रक्रिया पूरी होने बाद इनमें निर्माण कार्य शुरू हो जाएंगे। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक जनवरी या फरवरी में निर्माण कार्य शुरू हो जाएंगे। इसमें बड़ा बाग हनुमान मंदिर में करीब 3.55 करोड़ से बहुउद्देशीय हॉल, धर्मशाला, मुख्य द्वार, परिक्रमा स्थल, लाइटिंग के काम, राजेंद्रनगर स्थित रामजानकी मंदिर में करीब 2.96 करोड़ से मुख्य द्वार, बहुउद्देशीय हॉल और पाथ-वे का निर्माण, मीरगंज के ठाकुर जी मंदिर में 1.06 करोड़ से धर्मशाला, हॉल और उद्यान का निर्माण, फरीदपुर स्थित पहलऊनाथ शिव मंदिर परिसर में करीब 1.03 करोड़ से संत विश्राम ग्रह, बहुउद्देशीय हॉल, पाथ-वे और उद्यान बनाने के काम की मंजूरी मिल गई है। नए साल में इनके निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। आंवला तहसील क्षेत्र के रामनगर के अहिच्छत्र क्षेत्र में करीब 2.13 यात्री विश्राम गृह, अतिरिक्त विकास और उद्यान के लिए शासन की ओर से मंजूरी मिल गई है। वहीं, आलमपुर जाफराबाद ब्लॉक में स्थित सिरोही शिव मंदिर में 1.06 करोड़ से यात्री विश्राम गृह, पाथ-वे, बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण कार्य कराए जाएंगे।

130 करोड़ से आठ लेन होगा पीलीभीत बाईपास रोड

बीडीए ने सेटेलाइट तिराहा से एयरपोर्ट तक सड़क को आठ लेन करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इससे पहले यह सड़क पीडब्ल्यूडी ने छह लेन के लिए प्रस्तावित की थी, इसको लेकर लोक निर्माण विभाग की तरफ से प्रस्ताव कई बार शासन को भेजा गया। लेकिन, शासन से बजट नहीं मिलने के कारण सड़क का चौड़ीकरण नहीं हो पा रहा था। इस बीच बीडीए ने सड़क को आठ लेन करने के लिए 130 करोड़ रुपये का एस्टीमेट तैयार किया। नवंबर माह में इसका प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जा चुका है। बीडीए वीसी मडिकंदन ए का कहना है कि नए साल में बजट की सौगात मिल सकती है। 130 करोड़ रुपये के बजट पर शासन की मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

नए साल में मिनी बाईपास बस अड्डे से दिल्ली, हल्द्वानी जाने वाले यात्रियों को मिलेगी राहत

इज्जतनगर में परिवहन निगम के नए बस स्टैंड का निर्माण कार्य 2026 में पूरा हो जाएगा। इससे बनने से दिल्ली और हल्द्वानी आने-जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। पांच साल पहले केंद्रीय कारागार की 2.285 हेक्टेयर भूमि परिवहन निगम को हस्तांतरित की गई थी। साल 2021 से इसका निर्माण चल रहा है। निर्माण कराने की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड को दी है। 8.90 करोड़ रुपये की लागत से पांच साल में 75 प्रतिशत काम पूरा करने का दावा किया गया। वहीं, मई 2026 के अंत तक नए बस स्टैंड का निर्माण पूरा होने की उम्मीद है, जिससे नए वर्ष में लोगों को दिल्ली समेत अन्य रूटों के लिए बस स्टैंड से बसें आसानी से बस मिल जाएगी, वहीं शहरवासियों को पुरान बस स्टैंड के आसपास जाम से परेशान नहीं होना पड़ेगा।

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए शहर के पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में पांच-पांच करोड़ रुपये की लागत से इंडोर मिनी स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। जीआईसी में करीब दो हजार बच्चे पढ़ते हैं। जीजीआईसी में भी करीब दो हजार छात्राएं हैं। इन विद्यालयों के खेलकूद का ग्राउंड है, लेकिन, स्टेडियम की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी। अधिकारियों के मुताबिक शासन को करीब सात महीने पहले प्रस्ताव भेजा था। शासन ने तीन महीने पहले बजट जारी कर दिया। डीआईओएस डा. अजीत सिंह का कहना है कि मार्च तक काम पूरा होने की संभावना है, स्टेडियम बनने से खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

जनपद में पर्यावरण संरक्षण के लिए इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी में परिवहन निगम

नए साल में परिवहन निगम इलेक्ट्रिक बसें चलाएगा। परिवहन निगम मुख्यालय ने अफसरों से प्रस्ताव मांगा है। जिससे जनवरी में काम शुरू कराया जा सके। इस योजना पर करीब 3.5 करोड़ रुपये खर्च आएगा, परिवहन निगम के अधिकारियों के मुताबिक जनवरी 2026 में बरेली को पहले चरण में 10 इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी जो शहर से 50 किमी के दायरे में संचालित होंगी। परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का फैसला पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से लिया गया है। पहले चरण में कम दूरी की बसें चलेंगी। पुराने बस स्टैंड पर जहां पर बड़ा टिनशेड है, एआरएम बरेली और रुहेलखंड डिपो के आफिस हैं, उस जगह पर वर्कशाप और चार्जिंग स्टेशन बनेगा।

दो घंटे में बरेली से पहुंच जाएंगे आगरा

आगरा से बरेली के बीच अब जाम, धक्के और घंटों की थकाऊ यात्रा इतिहास बनने वाली है। एनएचएआई मथुरा-बरेली कॉरिडोर बना रही है। चार चरणों में बन रहे इस ग्रीन कॉरिडोर के दो चरणों का काम करीब 50 फीसदी पूरा हो चुका है। एनएचएआई के परियोजना निदेशक उत्कर्ष शुक्ला मिश्रा ने बताया कि आगरा-बरेली ग्रीन कॉरिडोर की कुल लंबाई 228 किलोमीटर है। यह चार लेन का ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे है। परियोजना की कुल लागत 7700 करोड़ रुपये है और इसे 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह एक्सप्रेसवे आगरा, मथुरा, हाथरस, कासगंज, बदायूं और बरेली जैसे प्रमुख जिलों को सीधे जोड़ेगा। इसके जरिए आगरा और मथुरा से बरेली की कनेक्टिविटी बेहद तेज और सुगम हो जाएगी।

19 जगहों पर फोकस वॉल बढ़ाएगी रौनक

कॉरिडोर में 19 जगहों पर करीब 4.97 करोड़ से फोकस वॉल का निर्माण चल रहा है। इनपर बनने वाले भित्ति-चित्र अजंता-एलोरा की शैली पर होंगे। चित्रों में भगवान शिव के त्रिशूल और डमरू, नाथ योगियों के प्रतीक, देवी-देवताओं की आकृतियां, बरेली की आध्यात्मिक पहचान, महाभारतकालीन नगर की विरासत को कलात्मक स्वरूप दिया जाएगा।

नाथ कॉरिडोर परियोजना के अंतर्गत नाथ मंदिरों के साथ अन्य प्रमुख मंदिरों में भी सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को बढ़ावा देने के साथ श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए कराए जा रहे निर्माण कार्य नववर्ष में पूरे होने वाले हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सात नाथ मंदिरों पर करीब 50 करोड़ रुपये के निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। मंदिरों के मुख्य द्वार बनाने के साथ श्रद्धालुओं के रात्रि विश्राम, वैदिक परंपराओं और संस्कृति के प्रति युवा पीढ़ी को जागरूक करने के लिए वैदिक लाइब्रेरी और अन्य मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी। युवाओं वैदिक किताबों के अध्ययन की सुविधा मिलेगी। नाथ कॉरिडोर में शहर के सात नाथ मंदिर को एक-दूसरे से जोड़ने के लिए मार्गों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा हैं। इन मार्गों में 19 जगह पर फोकस पर वॉल का निर्माण कार्य चल रहा है।

- पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंदिरों में मूलभूत सुविधाओं के साथ अन्य निर्माण कराए जा रहे हैं
- वैदिक परंपराओं और संस्कृति के प्रति युवा पीढ़ी को जागरूक करने के लिए वैदिक किताबें भी पढ़ने को मिलेंगी

नए साल में लिलौर झील से लेकर गौरी शंकर मंदिर में सौंदर्यीकरण कार्य को मिलेगी मंजूरी

आंवला तहसील क्षेत्र में स्थित लिलौर झील में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विकसित किया जाएगा। पर्यटन विभाग की ओर से लिलौर झील परिसर में मल्टीपर्पज हॉल, कैफेटेरिया, परिक्रमा, टॉयलेट ब्लॉक, आदि को विकसित करने के 4.97 करोड़ रुपये का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। ग्राम गुड़िया में स्थित गौरी शंकर मंदिर में यात्रियों के हॉल का सौंदर्यीकरण के लिए करीब 74 का प्रस्ताव भेजा गया है। त्रिवटीनाथ मंदिर के लिए फसाड लाइटिंग कार्य के लिए 2.54 लाख रुपये का प्रस्ताव भेजा है। त्रिवटी नाथ मंदिर की भव्यता बढ़ाने के लिए यहां फसाड लाइटिंग का कार्य किया जाएगा। इस पर करीब 2.54 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रात के समय मंदिर का सौंदर्य और अधिक निखरकर सामने आएगा। इसके लिए पर्यटन विभाग ने शासन को प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव मंजूर होते मंदिर में फसाड लाइटिंग कार्य शुरू होगा। रामपुर बाग स्थित आनंद आश्रम के लिए पर्यटन विकास की ओर से 1.45 करोड़ रुपये से का प्रस्ताव भेजा है। फरीदपुर तहसील के ग्राम सिसैया मगनपुर में प्राचीन शिव मंदिर का पर्यटन विकास कार्य के लिए शासन को 1.07 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा गया है।

नए साल में नाथ मंदिरों का सौंदर्यीकरण पूरा होगा

- जोगी नवादा के बाबा वनखंडीनाथ मंदिर में करीब 5.82 करोड़ रुपये से मुख्य द्वार, स्टेज और भंडार हॉल, प्रसाद और फूलों की दुकान, मंदिर में प्रसाद और फूल की दुकानें, लाइब्रेरी, टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण।
- सुभाषनगर के तपेश्वर नाथ मंदिर में करीब 8.36 करोड़ रुपये से मुख्य द्वार, स्टेज और भंडार हाल, प्रसाद और फूलों की दुकानें, टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण।
- कैंट क्षेत्र के धोपेश्वर नाथ मंदिर में करीब 7.71 करोड़ रुपये से परिसर में लाइब्रेरी, पार्किंग, प्रसाद और फूलों की दुकानें और टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण।
- किला क्षेत्र के तुलसी मठ में करीब 9.71 करोड़ रुपये से मुख्य द्वार, वैदिक लाइब्रेरी, स्टेज और भंडार ग्रह, धर्मशाला का निर्माण।
- पीलीभीत बाईपास रोड के पशुपतिनाथ मंदिर में करीब 2.98 करोड़ की लागत से मुख्यद्वार और फोकस वॉल का निर्माण।
- किला क्षेत्र के अलखनाथ मंदिर में 11.67 करोड़ की लागत से मुख्य द्वार, वैदिक लाइब्रेरी, प्रसाद और फूलों की दुकानें, टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण।
- प्रेमनगर क्षेत्र के त्रिवटीनाथ मंदिर में करीब 6.55 करोड़ रुपये से सत्संग शेड, प्रसाद और फूलों की दुकानें, टॉयलेट ब्लॉक के निर्माण।
- मढ़ीनाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण के साथ मल्टीपरपज हॉल, वाटिका और अन्य सुविधाएं बढ़ेंगी। दो करोड़ की लागत से करीब सवा किलोमीटर सड़क का निर्माण होगा।

कुशीनगर व नवी मुंबई के लिए उड़ान भरेंगे बरेलियंस
लिलौर झील के किनारे दौड़ेगी फैमिली ट्रेन

नया साल बरेलियंस के लिए खुशियां लेकर आ रहा है। नए साल में कुशीनगर और नवी मुंबई के लिए नई उड़ान शुरू होगी। डीजीसीए से दोनों फ्लाइटों को संचालित करने के लिए अनुमति पहले ही मिल चुकी है। अभी तक अक्टूबर में बरेली एयरपोर्ट से कुशीनगर की उड़ान शुरू होने की उम्मीद थी, इमें डीजीसीए के स्तर पर एयरक्राफ्ट भारत लाने की अनुमति का पेच फंसा हुआ था जो अब निकल चुका है। कुशीनगर के लिए उड़ान शुरू होने की पिछले साल मार्च से शुरू हुई प्रक्रिया नए साल में फलीभूत होगी। जेटविंग्स कंपनी 72 सीटर एयरक्राफ्ट से उड़ान शुरू करेगा। जबकि इंडिगो एयरलाइंस नवी मुंबई के लिए बरेली से नई उड़ान शुरू करेगी। इंडिगो ने भी डीजीसीए से अनुमति ले ली है। नवी मुंबई एयरपोर्ट से स्लॉट मिलने के बाद बरेली से फ्लाइट शुरू हो जाएगी। इन फ्लाइटों के शुरू होने का फायदा बरेलीवासियों के साथ आसपास के कई और जिलों के लोगों को भी होगा।

वहीं, तहसील आंवला के रामनगर स्थित

- डीजीसीए से नवी मुंबई और कुशीनगर के लिए बरेली से फ्लाइट को मिल चुकी है अनुमति
- लिलौर झील के किनारे बन चुका है फैमिली ट्रेन के लिए ट्रैक, जनवरी में एजेंसी फाइनल होते ही फैमिली ट्रेन का संचालन भी हो जाएगा शुरू

ऐतिहासिक लिलौर झील में फैमिली ट्रेन संचालन के लिए ट्रैक बन चुका है। नवंबर में इसका शुभारंभ हुआ। कुछ दिनों के फैमिली ट्रेन भी चली थी मगर एजेंसी तय न होने की वजह से संचालन रोक दिया गया जबकि लिलौर झील में नौका विहार शुरू हो गया है।

लिलौर झील का विकास धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में किया जा रहा है। यह मनोरम झील पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने, इसके लिए यहां कई व्यवस्थाएं की जा रही हैं। जनपद वासियों व अन्य पर्यटकों के लिलौर तक आवागमन की सुविधा के लिए बसों को भी चलाने की तैयारी है। अभी चार डिब्बों की फैमिली ट्रेन चलाई जाएगी। नए साल में एक किमी के दायरे में ट्रेन चलाने के लिए ट्रैक में और सुधार होगा। इसके बाद 52 हेक्टेयर की झील के चारों तरफ फैमिली ट्रेन चलाने की योजना है। नए साल में दोनों कार्य होने की संभावना जताई जा रही है। इस संबंध डीएम अविनाश सिंह ने बताया है कि फैमिली ट्रेन का संचालन शुरू कराने को लोकल की एजेंसी का चयन किया गया है। अन्य प्रक्रियाएं पूरी कराई जा रही हैं। इससे माना जा रहा है कि जनवरी में फैमिली ट्रेन का संचालन शुरू हो जाएगा।

गर्मी में बेहतर होगी बिजली आपूर्ति, एक और ट्रांसमिशन व नया सबस्टेशन बनेगा

बिजली कटौती, ट्रिपिंग से परेशान चल रहे सुभाषनगर और मढ़ीनाथ क्षेत्र के उपभोक्ताओं को नए साल पर बेहतर बिजली आपूर्ति को तोहफा मिलेगा, ओवरलोड चल रहे सुभाषनगर उपकेंद्र का लोड कम करने के लिए इसी क्षेत्र में करगैना के समीप नया सबस्टेशन बनवाया जा रहा है। जिसका काम अंतिम चरण में पहुंच चुका है। दावा किया जा रहा है कि नए साल पर नए सबस्टेशन को चालू करा दिया जाएगा। जिससे करीब 30 हजार उपभोक्ता को राहत मिलेगी। इसके अलावा बड़ा गांव में सबस्टेशन बन रहा है। वह भी नए साल पर शुरू होने पर अलीगंज का लोड कटेगा जिससे देहात क्षेत्र में भी बिजली आपूर्ति बेहतर होगी।

सुभाषनगर के पास साउथ सिटी में 220 केवीए ट्रांसमिशन सबस्टेशन से नए साल में ही किला सबस्टेशन तक 33 केवी की लाइन डाली जाएगी। जिससे किला सबस्टेशन से जुड़े उपभोक्ताओं को ट्रिपिंग और कटौती से राहत मिलेगी। अभी तक किला सबस्टेशन पर परसाखेड़ा से 33 केवी की लाइन आ रही है। वही 220 केवीए ट्रांसमिशन से ही कांधरपुर के लिए भी अलग से नई 33 केवी की लाइन बनाई जाएगी। कांधरपुर में अभी दूरदर्शन वाली 33 केवी लाइन से बिजली आपूर्ति दी जा रही है।

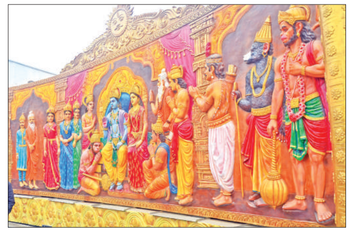

> 2025 में 220 केवीए ट्रांसमिशन के साथ पवन विहार सबस्टेशन को शुरू कराया गया है। आने वाले साल 2026 में अब बड़ा गांव और सुभाषनगर में हो रहे सबस्टेशन को भी शुरू कराया जाएगा। जिससे 2026 में उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति मिल सके। इसके अलावा कई सबस्टेशन पर नई 33 केवी की लाइन डालकर बिजली नेटवर्क को आने वाले साल में और मजबूत किया जाएगा। - **ज्ञान प्रकाश**, मुख्य अभियंता जोन प्रथम

आईटी पार्क का होगा शुभारंभ, राजकीय यूनानी मेडिकल कॉलेज और ईएसआई हॉस्पिटल भी होगा शुरू

बरेली : सीबीगंज क्षेत्र में बंद पड़ी दि इंडियन टर्पेन्टाइन एंड रोजिन कंपनी लिमिटेड (आईटीआर) के बंगला नंबर 10 की करीब 8000 वर्ग मीटर भूमि पर आईटी पार्क का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। नए साल के पहले महीने में ही इसका उद्घाटन होने की संभावना जताई गई है। आईटी पार्क बनने से आईटी क्षेत्र में युवाओं को नौकरी मिलने की संभावनाएं बढ़ेंगी और उद्यमियों को आईटी विशेषज्ञ की जरूरत पड़ने पर नोएडा, बेंगलुरू समेत अन्य आईटी शहरों की तरफ दौड़ना नहीं पड़ेगा। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एमओयू साइन कर आईटी पार्क का निर्माण कराया है। करीब 10.10 करोड़ रुपये से भूमि क्रय की गई। तत्कालीन आईटीआर के प्रबंध निदेशक/ मंडलायुक्त आर रमेश कुमार ने जनवरी में रजिस्ट्री की पूरी प्रक्रिया कराई थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद संतोष गंगवार के काफी प्रयास के बाद आईटी पार्क को कैबिनेट से मंजूरी मिली थी। वहीं, सीबीगंज में ही लंबित ईएसआई हॉस्पिटल का निर्माण भी नए साल में पूरा होने की उम्मीद है। हजियापुर में राजकीय यूनानी मेडिकल कालेज एवं हॉस्पिटल का निर्माण हो चुका है। यूनानी मेडिकल कालेज में बिजली कनेक्शन भी हो चुका है।

विकास, उद्योग और पर्यटन के साथ खुलेंगे रोजगार के द्वार

करोड़ों के बजट से निगम बनाएगा सड़कें, एनकैप योजना लगाएगी पर्यावरण संरक्षण को पंख

बरेली, अमृत विचार : नगर निगम और बरेली विकास प्राधिकरण नए साल पर शहर के लोगों को विकास के नए तोहफे देने की तैयारी में जुटे हैं। बीडीए और नगर निगम के तमाम प्रोजेक्ट अगले साल में शहर के विकास, स्वच्छता, उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा देने में मददगार बनेंगे। इस बाबत दोनों ही विभागों ने पूर्व में ही कार्ययोजना तैयार करके उसे अमलीजामा पहनाने की कवायद तेज कर दी है।

बीसलपुर और बड़ा बाईपास रोड पर 224 हेक्टेयर में बसाई जा रही ग्रेटर बरेली आवासीय योजना

बरेली विकास प्राधिकरण अब रामगंगा नगर को पूर्ण रूप से विकसित कर चुका है वहीं बीसलपुर और बड़ा बाईपास रोड पर 224 हेक्टेयर में बसाई जा रही ग्रेटर बरेली आवासीय योजना नए शहर के विकास को ऊंचाई पर पहुंचा रहा है। 11 सेक्टरों में विभाजित योजना के सेक्टर-एक और दो में 400 से अधिक भूखंडों का आवंटन कर दिया गया है। योजना में ही 25 एकड़ में बड़ा (सेंट्रल पार्क) भी विकसित किया जा रहा है। परियोजना में अंडरग्राउंड केबल डक्ट, एसटीपी और कैनाल फ्रंट डेवलपमेंट का निर्माण कराया गया है। बोटिंग के लिए एक कृत्रिम झील भी बनाई जा रही है। इसके साथ 30 व 45 मीटर चौड़ी सड़कें विकसित की जाएंगी।

हाईटेक लैब और खेलकूद से सीएम मॉडल स्कूल में दक्ष बनेंगे विद्यार्थी

बीडीए ने आम जन की सहूलियत के साथ ही बच्चों को भी शिक्षित कर निपुण बनाने का बीड़ा उठाया है। रामगंगा नगर में करीब 20 करोड़ की लागत से सीएम मॉडल कम्पोजिट विद्यालय का निर्माण कराया जा रहा है जहां हाईटेक लैब, नृत्य संगीत कक्ष के साथ ही बच्चों के खेलकूद के अन्य संसाधनों के साथ ही बास्केट बॉल और वालीबॉल कोर्ट भी बनाए जा रहे हैं।

पीलीभीत रोड पर बरेलीवासियों को लुभाएगी नई टाउनशिप

रामगंगा नगर और ग्रेटर बरेली की सफलता के बाद अब बीडीए ने पीलीभीत रोड पर नई आवासीय टाउनशिप विकसित करने की तैयारी तेज कर दी है। जमीन अधिग्रहण का कार्य आरंभ कर दिया गया है। ये योजना करीब 267.1443 हेक्टेयर में फैली होगी और इसे 13 सेक्टरों में बांटा गया है। इस योजना में 45 मीटर चौड़ी सेक्टोरियल रोड, 24 मीटर नहर पटरी रोड, विशाल सेंट्रल पार्क, नेबरहुड पार्क, हरित पट्टी और आंतरिक विकास की योजना बनाई गई है। यही नहीं, लगभग 5.2 हेक्टेयर भूमि ग्रीन बेल्ट के लिए और करीब 10 हेक्टेयर भूमि पार्क एवं खुली भूमि के लिए आरक्षित की गई है, ताकि भविष्य में यह क्षेत्र पुरानी योजनाओं की तुलना में ज्यादा हरा-भरा और व्यवस्थित दिखे।

113 हेक्टेयर में बनेगी आधुनिक इंडस्ट्रियल टाउनशिप

बरेली के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने की तैयारी तेज हो गई है। रहपुरा जागीर क्षेत्र में 113 हेक्टेयर जमीन पर इंडस्ट्रियल टाउनशिप बसाने की योजना प्रस्तावित की गई है। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने इस परियोजना को धरातल पर उतारने की कवायद शुरू कर दी है। टाउनशिप को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। सड़कों से लेकर ऊर्जा आपूर्ति तक, हर व्यवस्था सोलर आधारित होगी ताकि यह परियोजना पर्यावरण के अनुकूल मॉडल बन सके। प्रस्तावित योजना के तहत 150 से अधिक उद्यमियों को भूखंड आवंटित किए जाने की तैयारी है। इसको लेकर डीएम अविनाश सिंह की अध्यक्षता में पहली बैठक भी संपन्न हो गई है। टाउनशिप विकसित करने को लेकर ग्राम रसूला चौधरी, भिटौरा, नौगवां (फतेहगंज पश्चिमी), चिटौली और रहपुरा जागीर की कुल 124.3703 हेक्टेयर भूमि को भू-स्वामियों से आपसी सहमति के आधार पर अधिग्रहित करने की तैयारी की गई है।

डेलापीर तालाब पर होगा सैर सपाटा, बरेली वासियों को मिलेगा पिकनिक स्पॉट का मजा

बरेली : नगर निगम डेलापीर तालाब को पिकनिक स्पॉट की तरह विकसित करेगा। डेलापीर का तालाब 2300 वर्ग मीटर में हैं। तालाब के आसपास अवैध कब्जे होने की वजह से विकास अटका हुआ था। 2021-22 से अतिक्रमण हटाने और तालाब के सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया शुरू हुई। इसके लिए पंद्रहवें वित्त आयोग की संस्तुति से मिले बजट से 4.5 करोड़ खर्च किए जाने हैं। इसमें सौंदर्यीकरण के साथ एसटीपी (सीवर ट्रीटमेंट प्लांट) भी बनना है। एसटीपी का निर्माण अभी शुरू होना है। तालाब परिसर में पैदल पथ के साथ बेंच आदि लगाई गईं हैं। कैंटीन बन रही है। पास में ही डमरू चौराहा है। लोगों का आवागमन रहता है। कैंटीन के साथ पार्क और बच्चों तथा बड़ों के खेलने और टलने का इंतजाम यहां रहेगा।

नए साल पर 50 करोड़ रुपये से और स्वच्छ होगी बरेली शहर की आबोहवा

शहरवासियों के लिए खुशखबरी है। नगर निगम की ओर से एनकैप (नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम) योजना के तहत बायोडायवर्सिटी पार्क का निर्माण इनवर्टिस यूनिवर्सिटी के बगल में किया जाएगा। इसके अलावा शहर के कई हिस्सों में हॉट मिक्स सड़कों, सीसी रोड और साइड पटरी का निर्माण भी कराया जाएगा, जिससे शहर की सड़कें और मोहल्लों की गलियां सुधरेंगी। इसके लिए 50 करोड़ का बजट भी निगम को शासन ने जारी कर दिया है।

> शहर को विकास के पथ पर अग्रणी बनाने के लिए प्राधिकरण प्रयासरत है। आमजन की आवश्यकता के अनुसार आवासीय योजनाओं को विकसित किया है। वहीं, जल्द ही पीलीभीत बाईपास रोड पर नई टाउनशिप के साथ ही इंडस्ट्रियल टाउनशिप भी विकसित की जाएगी। बरेली को इंडस्ट्रियल हब बनाने का प्रयास है। रामायण वाटिका, कन्वेंशन सेंटर, स्काई वे अपार्टमेंट, लाइब्रेरी समेत आमजन की हर तरह की मूल आवश्यकताओं को उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। - **डॉ. मनिकंडन ए**, उपाध्यक्ष बीडीए

रामायण वाटिका से मिलेगी देश भर में पहचान

रामगंगानगर में 22 करोड़ रुपये की लागत से 33,000 वर्गमीटर जमीन पर हरित रामायण वाटिका विकसित की गई है। नए साल के शुरुआती दिनों में ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका उद्घाटन कर सकते हैं। खास बात ये है कि रामायण वाटिका से शहर की पहचान में एक नया आकर्षण जुड़ने जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी खासियत है 51 फीट ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा, जिसे देश के प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार ने बनाया है। भगवान श्रीराम के जन्म से लेकर रावण मृत्यु तक के अलग-अलग दृश्यों को प्रतिमाओं के जरिये उकेरा गया है। 14 वर्षों के वनवास में प्रभु श्रीराम के चित्रकूट, दंडकारण्य, पंचवटी, माता शबरी आश्रम, पंपा सरोवर, किष्किंधा, अशोक वाटिका व द्रोणागिरी वन में बिताए गए कालखंड को भव्य-दिव्य प्रतिमाओं और त्रेतायुगीन पौधों के जरिये धरातल पर उतारने का अविस्मरणीय प्रयास किया गया है। वन में त्रिलोक के स्वामी को अपने बीच पाकर अठखेलियां करते पशु-पक्षी, सैकड़ों प्रजाति के पुष्प-पौधे और पर्वत हर किसी को श्रीरामजी के जीवन से जोड़ रहीं।

भगवान का कोई धर्म नहीं है।
–राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

चौथी अर्थव्यवस्था का अर्थ

साल के आखिरी दिन यह खबर अत्यंत उत्साहवर्धक रही कि हम साल बीतने से पहले जापान की 368 लाख करोड़ की जीडीपी को पीछे छोड़ 376 लाख करोड़ वाली विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बने और सरकार को उम्मीद है कि अगले तीन साल के भीतर हम जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पछाड़ कर अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। सरकार की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में यह भी जानकारी दी गई कि महंगाई दर जो पहले चार से ऊपर थी घट कर एक फीसद से भी नीचे आ गई है और बेरोजगारी दर में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। देश की जीडीपी की विकास दर भी खासी ऊंची है। महंगाई बेहद कम, लोगों को काम और जीडीपी बढ़त पर, विदेशी मुद्रा भंडार भी भरा हुआ, यानी दौर वाकई 'गोल्डिलॉक्स पीरियड' है।

ये सरकारी दावे नये साल की शुरुआत करने के लिए शानदार उत्प्रेरक की तरह काम कर सकते हैं, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने इस बात को दोहराया है कि भारत की विकास दर आगे भी सात फीसदी से ज्यादा रहने से वह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। यानी इस साल हम इस दिशा में कुछ और नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। यह ठीक है कि जापान लंबे समय से जनसंख्या घटने, कमजोर घरेलू मांग और कर्ज के बोझ तले है। जर्मनी की अर्थव्यवस्था भी ऊर्जा संकट, औद्योगिक सुस्ती और यूरोप की समग्र मंदी के कारण लगभग ठहराव की स्थिति में है, सो हमारी रैंकिंग में परोक्षतः दूसरों का भी हाथ है। एक महत्वपूर्ण पहलू भी गौरतलब है, बड़ी अर्थव्यवस्था अधिकतर आम लोगों के बेहतर जीवन की गारंटी नहीं है। अच्छी सड़कें, आधुनिक परिवहन, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, मुफ्त व प्रभावी शिक्षा, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन, अपराध नियंत्रण और प्रदूषण से राहत- ये सब केवल जीडीपी के आकार से नहीं, बल्कि नीतिगत प्राथमिकताओं से तय होते हैं। प्रति व्यक्ति आय का अंतर इसे साफ दर्शाता है। भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग दो लाख रुपये सालाना मान भी लें, तो जापान की प्रति व्यक्ति आय औसतन 40 लाख प्रतिवर्ष है, जर्मनी, अमेरिका में इससे भी अधिक है। यानी भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी पर आम भारतीय विकसित देशों से पीछे रहेगा। मानव विकास सूचकांक में भारत अभी मध्यम श्रेणी में है, जबकि अमेरिका, जर्मनी और जापान शीर्ष पायदानों में हैं और चीन भी भारत से ऊपर है। स्पष्ट है कि आर्थिक रैंकिंग और मानव विकास रैंकिंग में सीधा संबंध नहीं होता।

कुल मिलाकर बड़ी अर्थव्यवस्था का असली अर्थ है, जन कल्याण के लिए अधिक संसाधन। यदि ये संसाधन शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण में नहीं लगे, तो आंकड़ों की चमक आम आदमी तक नहीं पहुंचेगी। यह बदलाव केवल जीडीपी का नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन में क्रांतिकारी सुधार का प्रतीक बने, इसके लिए विकास को समावेशी, रोजगार-प्रधान और मानव-केंद्रित बनाना होगा। तभी 'चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था' एक वास्तविक उपलब्धि कहलाएगी, न कि सिर्फ एक सांख्यिकीय मील का पत्थर।

प्रसंगवश

नए साल में चुनाव और सियासी समीकरण

2025 में राजनीति के जो समीकरण बनते बिगड़ते रहे, 2026 में उसको कसौटी पर कसा जाएगा। बिहार के चुनावों से निकले जनादेश ने बीजेपी को देश की सशक्त पार्टी साबित किया, इसकी असली ताकत पश्चिम बंगाल में तय होगी, जहां ममता बनर्जी के सियासी तिलिस्म से भाजपा की रणनीति का आमना-सामना होगा। पश्चिम बंगाल का यह सियासी रण 2026 के अप्रैल-मई महीने में ही देखा जाना है। इतना ही नहीं, असम, पुदुचेरी, तमिलनाडु और केरल के विधानसभा चुनाव भी आने वाले साल में प्रस्तावित हैं, जो देश की सियासत की दिशा निर्धारित करेंगे। उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े सूबे में इसी वर्ष पंचायत चुनाव होने हैं, जिसका बिगुल नए साल की आमद के साथ बजने ही वाला है। प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले होने वाले पंचायत चुनावों को राजनीतिक पार्टियों के द्वारा शक्ति प्रदर्शन के रूप में लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश समेत देश के तमाम राज्यों में चल रहे एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर पहले ही सियासत गरम है।

रमा निवास तिवारी
लेखक

अगले वर्ष जिन राज्यों के चुनाव होने हैं, वहां अलग-अलग राजनीतिक दल एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगाते दिखाई देंगे। राजनीतिक चुनौतियों से निपटने की शुरुआत तो जनवरी से ही शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी पार्टी सपा सत्ता के वनवास से निकल कर बाहर आने को बेचैन है, उधर भाजपा ने योगी आदित्यनाथ के भरोसे अंगद की तरह पांव जमा दिया है। कौन किस पर भारी साबित होगा, यह तो 2027 के चुनाव ही बता पाएंगे, लेकिन जीत-हार की रस्साकशी 2026 में ही नजर आने लगेगी। पंचायत चुनावों से ही सियासत का अखाड़ा सज उठेगा।

भाजपा दिल्ली और यूपी के अन्तर्द्वन्द से कैसे निपटेगी और नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आते ही जातिगत झमेले में जा उलझी पार्टी को पटरी पर नेतृत्व कैसे लाएगा, यह सब 2026 में देखने को मिलेगा। 2026 देश की सभी राजनीतिक पार्टियों के लिए कोई न कोई चैलेंज लेकर आ रहा है। आने वाले साल में सियासत की तासीर बदली नजर आएगी और राजनीतिक घमासान के बादल देश पर मंडराते रहेंगे।

क्या मोदी और क्या योगी सबको अपने राजनीतिक कौशल की परीक्षा देनी पड़ेगी। मायावाती और अखिलेश यादव को अपनी-अपनी ताकत में इजाफा करके दिखाना होगा। राहुल गांधी की लगातार मेहनत को भी आने वाला साल अपनी कसौटी पर कसने वाला है। शुरुआत तो उत्तर प्रदेश से ही हो जाती है, जहां पंचायत चुनावों की तपिश के बीच नये साल की आमद दर्ज होने जा रही है। नये साल की शुरुआत से ही उत्तर प्रदेश में सियासत के इन दो ध्रुवों भाजपा और सपा के बीच द्वंद्व होता नजर आएगा।

योगी आदित्यनाथ का चेहरा और उनकी राजनीति के कायल प्रदेशवासियों ने लगातार दूसरी बार उन्हें प्रचंड जनादेश के साथ प्रदेश की सत्ता पर बैठाया था। अब पंचायत चुनाव और अन्य राजनीतिक पैरामीटर यह तय करेंगे कि योगी का जादू बरकरार है या नहीं। उधर लोकसभा चुनाव रिकॉर्ड सीटों से जीतकर अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के हौसले बुलंद हैं, लोकसभा की जीत से 2027 के लिए बड़ी उम्मीदें निकल कर आई हैं। अखिलेश यादव की चुनौती है कि वोट बैंक के बिखराव पर कैसे विराम लगाएं और अपने परंपरागत वोट बैंक को कैसे फिर सहेजें, जो भाजपा की ओर शिफ्ट हो गए हैं, हालांकि सपा कार्यकर्ताओं में लोकसभा की जीत और शिवपाल यादव के पार्टी में विलय से गजब का उत्साह भरा हुआ है, लेकिन अखिलेश यादव को उसे बनाये रखने की जरूरत है।

देश के लिए अच्छे नहीं हैं मौसम के संकेत

अमित शर्मा
हल्द्वानी

हर साल मौसम में हो रहा बड़ा वैश्विक बदलाव देश और खासकर उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्य के जल, जीवन और जंगल के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। पढ़ने में ये शब्द भले ही अब सामान्य बातें लगती हों, लेकिन यह सब हमारी-आपकी जिंदगी से जुड़ा अहम विषय है। प्रकृति हमें चेता रही है, लेकिन हम बहुत लापरवाही से सोच-समझकर भी नजरंदाज कर रहे हैं और यही बेहद चिंता का विषय है। शीतकालीन मौसम की वर्षा और बर्फबारी में कमी की सीधी मार हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़नी है। जीव-जंतु बढ़ते तापमान को सह नहीं पाएंगे और कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा सूखे मौसम को झेल नहीं सकेगा। बदलाव इसी तरह से जारी रहा, तो बढ़ते वैश्विक ताप से उत्तर भारत समेत नेपाल व भूटान जैसे देशों की जलापूर्ति भंग हो सकती है।

दरअसल, मौसम के लिहाज से हिमालयी क्षेत्र सर्वाधिक संवेदनशील माने जाते हैं और जलवायु परिवर्तन की बड़ी मार हिमालयी राज्यों को ही सर्वाधिक झेलनी पड़ रही है, जिस कारण यहां के मौसम में मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत तेजी के साथ बदलाव आ रहा है और सूखे की स्थिति और भी अधिक खतरनाक है, जो नमी को सोख लेता है और तापमान बढ़ने से बर्फीले ग्लेशियरों को पिघलाने में मददगार साबित होता है। उत्तर भारत समेत भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हिमालय है और ग्लेशियरों के पिघलने से इन देशों की जलापूर्ति में व्यवधान आ सकता है।

> उत्तर भारत समेत भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हिमालय है और ग्लेशियरों के पिघलने से इन देशों की जलापूर्ति में व्यवधान आ सकता है।

जलापूर्ति में व्यवधान का मतलब है कि कई अन्य मायनों में भी नुकसान उठाने होंगे, जिनमें बड़ा क्षेत्र कृषि का होगा। तापमान बढ़ने से कम तापमान में जीवित रहने वाली पैदावार प्रभावित होगी। सेब जैसा फल इसका प्रमुख उदाहरण है, जो अब अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों को पलायन करने लगा है। इसी क्रम में वनस्पतियां प्रभावित होंगी और जीव-जंतुओं का पलायन भी बढ़ जाएगा। मौसम का चक्र यानी हमारा ईको सिस्टम ही गड़बड़ा जाएगा। शीतकाल के दिनों में अंतर आ जाएगा, जो सिकुड़ने लगेंगे। बसंत जैसी ऋतु में तापमान में वृद्धि हो जाएगी, जिसका मतलब है कि बसंत ऋतु सिर्फ नाम की रह जाएगी। रबी की फसलें प्रभावित होंगी। वर्षा आधारित उपज में अधिक कमी आने लगेगी।

मौसम बदलना भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, जो पर्यावरण और मौसम से जुड़े विशेषज्ञों को चिंता में डाल रहा है, हालांकि यह स्थिति बहुत जल्द आने वाली नहीं है, लेकिन बहुत दूरगामी भी नहीं है। मौसम में जितना असर सौ सालों में नहीं आया है, उससे कई गुना असर पिछले ढाई दशकों में देखने को मिला है। इधर, पश्चिमी विक्षोभों का उत्तराखंड में असर बेहद कमजोर हो चला है। यह जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश तक असर डाल रहे हैं, जिस कारण चरम मौसम (एक्स्ट्रीम वेदर) की परिस्थितियां बदलने लगेंगी।

इस गंभीर विषय पर नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वायुमंडलीय निदेशक डॉ. मनीष नाजा कहते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग जलवायु में बदलाव का बड़ा कारण है, जो हमारे मौसम में बदलाव ला रहा है। गर्म मौसम से ग्लेशियर तेजी से पिघलेंगे और इसका बड़ा प्रभाव उत्तर भारत समेत कई अन्य देशों की जलापूर्ति प्रभावित होगी। कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा और वनस्पतियां भी इसके प्रभाव से अछूती नहीं रहेंगी। ठंडी जलवायु पर आश्रित जीव-जंतुओं को कम जलवायु की ओर रवानगी होगी, तो वहीं कई प्रजातियों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

यह वास्तव में बड़ी चिंता का विषय है। लिहाजा पर्यावरण को लेकर समय रहते हम सभी को सजग रहने की सख्त जरूरत है। जिला कृषि अधिकारी ऋतु टम्टा कहती हैं कि इस बार शीतकालीन बारिश समय पर नहीं हुई, तो वर्षा पर निर्भर रबी की फसलों को नुकसान पहुंचने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। गत वर्ष भी शीतकाल सूखे के साथ कटा था और इस बार भी सूखे की आशंका को ध्यान में रखकर कृषि बीमा की योजना निर्धारित है। मौसम में बदलाव अथवा प्रभाव के चलते फसलों को भी उसी तरह से उगाने को लेकर किसानों को परामर्श दिए जा रहे हैं।

एरीज के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह भी कहते हैं कि मौसम की सटीक भविष्यवाणी कर पाना अब आसान नहीं रह गया है। ऋतुओं का समय शिफ्ट होने लगा है, तो तूफान की घटनाओं में तीव्रता आने लगी है। मौसम में आ रहे बदलाव, भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, जिस कारण आर्थिक, कृषि और सामाजिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है। मानसून में बादल फटने जैसी आपदाओं की त्रासदी को हमने देखा है और इस बार शीतकालीन वर्षा अभी तक रूठी हुई है। गत वर्ष शीतकाल की वर्षा सूखे की भेंट चढ़ गई थी। पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात का अभाव बढ़ता जा रहा है, जो मौसम के लिहाज से बेहद चिंताजनक है। तापमान में वृद्धि का ग्राफ बढ़ता जा रहा है, तो दो हजार मीटर ऊंचाई वाले स्थानों में मौसम का बड़ा बदलाव आया है।

भले ही मौसम में बदलाव से अनेक दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं, लेकिन इन सभी के बीच शीतकाल में तापमान में बढ़ोतरी के कारण पर्यटन क्षेत्र को लाभ पहुंच रहा है। नैनीताल व मसूरी में तीन दशक पहले तक शीतकाल में जमा देने वाली ठंड पड़ा करती थी। न्यूनतम तापमान शून्य के इर्द-गिर्द अधिक रहा करता था, तो इन पर्यटन नगरों से शीत के महीनों में मैदानों की ओर पलायन हुआ करता था, लेकिन मौसम में बदलाव आने से वैसी ठंड अब नहीं रही, जिसका यहां के पर्यटन को भरपूर लाभ मिल रहा है। अब शीतकाल के दौरान बड़े पैमाने पर सैलानी इन क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं और साल दर साल पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। निष्कर्ष यही है कि हमें प्रकृति से उतना ही लेना होगा, जितनी हमें जरूरत है। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन बंद करना होगा। जल-जंगल को बचाना होगा। पर्यावरण से निपटने के लिए नयी रणनीतियों पर काम करना होगा।

आमने

भाजपा 2026 में दो-तिहाई बहुमत के साथ राज्य में अगली सरकार बनाएगी। हम न सिर्फ घुसपैठियों की पहचान करेंगे, बल्कि उन्हें बाहर भी निकालेंगे। 15 अप्रैल, 2026 के बाद बंगाल में भाजपा की नई सरकार होगी, क्योंकि जनता ने मन बना लिया है।

–अमित शाह
केंद्रीय गृहमंत्री

सामने

जब कश्मीर या दिल्ली में घटनाएं होती हैं, तो हर बार बंगाल को ही क्यों दोषी ठहराया जाता है? भाजपा 'अब की बार, 200 पार' जैसे बड़े दावे नहीं कर पा रही है। इस बार भाजपा को देश की राजनीति से बाहर हो जाना चाहिए।

–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

बांग्लादेश-भारत संबंधों की बदलती कहानी

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश और भारत के रिश्ते 1971 में बांग्लादेश की आजादी के साथ शुरू हुए। उस समय भारत की भूमिका, विशेष रूप से पाकिस्तान के साथ युद्ध में बांग्लादेश का समर्थन, इतिहास की एक निर्णायक घटना थी, लेकिन आज यही रिश्ते तनाव और अविश्वास की गहराई तक पहुंच चुके हैं। 2024 के अगस्त में शेख हसीना का सत्ता से हटना और बांग्लादेश में अस्थायी सरकार का गठन, दोनों देशों के बीच माने जाने वाले स्वर्णिम युग के पतन का प्रतीक बन गया है।

1971 की युद्धभूमि से लेकर 2023–24 तक बांग्लादेश में शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग को भारत के निरंतर समर्थन की नीति रही। यह समर्थन केवल वैचारिक सम्मान पर नहीं बल्कि रणनीतिक मजबूरी पर भी आधारित था। इस बीच 1975 के बाद सेना के द्वारा सत्ता पर कब्जे और ज़िया-उर-रहमान तथा बाद में हुसैन मोहम्मद इरशाद के शासन के बावजूद भारत के हित बुरी तरह प्रभावित नहीं हुए। भारत ने अवामी लीग को उस समय भी समर्थन दिया जब वह राजनीतिक रूप से कमजोर थी, क्योंकि भारत की नजर में अवामी लीग ही एक स्थिर और भारत-समर्थक राजनीतिक शक्ति थी।

> 2024 के अगस्त में शेख हसीना का सत्ता से हटना और बांग्लादेश में अस्थायी सरकार का गठन, भारत–बांग्लादेश के बीच 'स्वर्णिम युग' के पतन का प्रतीक बन गया है।

शेख हसीना ने भारत के समर्थन के साथ बांग्लादेशी राजनीति में मजबूती प्राप्त की। अवामी लीग का सत्ता में बने रहना भारत की नीति का मुख्य आधार बन गया। इस कारण बांग्लादेश की राजनीति में अवामी लीग का प्रभुत्व भारत की नीतिगत प्राथमिकता बन गया। जुलाई 2024 में बांग्लादेश में जनविरोध की लहर उठी और देखते ही देखते इतनी व्यापक हो गई कि शेख हसीना के इस्तीफे और सत्ता परिवर्तन की मांगें उठने लगीं। पांच अगस्त को शेख हसीना को भारत आना पड़ा। यह घटना केवल राजनीतिक शरण का मामला नहीं रही, बल्कि संकेत बन गई कि बांग्लादेश की राजनीति अब मित्र के पुराने समीकरणों से कहीं अधिक जटिल हो चुकी है।

विपक्षी दलों और उनके समर्थक समूहों का आरोप रहा है कि शेख हसीना भारत के समर्थन से सत्ता में बनी रहीं। जब भारत शरणस्थली बनकर सामने आया, तो भारत–बांग्लादेश मित्रता की पारंपरिक नींवों पर भी सवाल उठे। यह विश्वास कमजोर पड़ा कि भारत बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में निष्पक्ष भूमिका निभा सकता है। ढाका की सड़कों पर उभरती भावनाएं संकेत देती हैं कि बांग्लादेशी समाज अब केवल भारत के साथ करीबी रिश्तों के आधार पर किसी नेतृत्व की वैधता स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

इतिहास पर नजर डालें तो अविश्वास के बीज काफी पहले बोए जा चुके थे। संबंध सतही तौर पर भले संघर्षपूर्ण न रहे हों, लेकिन भीतर से तनाव हमेशा मौजूद रहा। भारत की धारणा रही कि बांग्लादेश ने स्वतंत्रता संग्राम में उसके योगदान को पर्याप्त महत्व नहीं दिया। वहीं बांग्लादेश में यह भावना रही कि भारत ने केवल अपने सामरिक हितों के लिए हस्तक्षेप किया और उसे बराबरी के साझेदार के रूप में कम ही माना।

सैन्य शासनों के दौर में ढाका द्वारा भारत के पूर्वोत्तर के उग्रवादी समूहों को परोक्ष सहयोग देने के आरोपों ने संदेह और बढ़ाया। 1980 के दशक में सीमाओं पर कड़ी सुरक्षा और अवैध प्रवासन पर नियंत्रण की भारतीय नीति ने भी बांग्लादेश में भारत-विरोधी भावनाओं को मजबूत किया। सहयोग के स्थान पर कई बार उलझन और कटुता बढ़ती रही। इन ऐतिहासिक कारकों ने आज की जटिल परिस्थिति की नींव तैयार की।

2025 के इस दौर में संबंध केवल राजनीतिक नेतृत्वों के बीच का विषय नहीं रह गए हैं। वे अब सार्वजनिक भावनाओं, सुरक्षा चिंताओं और कूटनीतिक तनावों का समुच्चय बन चुके हैं। पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से तनाव लगातार बढ़ा है। वीजा सेवाओं का निलंबन और तीखे आधिकारिक बयान इसके संकेत हैं कि संस्थागत स्तर पर भी दरारें उभर चुकी हैं। यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सत्ता में आती है, तो संबंध किस दिशा में जाएंगे, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। वह अधिक समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित रिश्ते की अपेक्षा कर सकती है। फिर भी दोनों देशों के साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक हित इस रिश्ते को संभालने का मजबूत आधार प्रदान करते हैं। संवाद, पारदर्शिता और पारस्परिक सम्मान ही विश्वास बहाली के उपकरण हैं।

भारत–बांग्लादेश संबंध कई दशकों की कूटनीति, अविश्वास, सामरिक हितों और अप्रत्यक्ष हस्तक्षेपों का परिणाम हैं। जनता की वास्तविक राजनीतिक भावनाओं की समझ, परस्पर सम्मान और विश्वास की बहाली ही इन संबंधों को फिर से स्वर्णिम दौर की ओर ले जा सकती है। यदि दोनों देश नई सोच, धैर्य और परिपक्वता के साथ आगे बढ़ें, तो यह साझेदारी समय की धारा में खोने के बजाय भविष्य की स्थिरता का आधार बन सकती है।

सोशल फोरम

जालिम वक्त किसी को भी नहीं बख्शता

एक बार अमेरिका में कैलीफोर्निया की सड़कों के किनारे पेशाब करते हुए देख एक बुजुर्ग आदमी को पुलिसवाले पकड़ कर उनके घर लाए और उन्हें उनकी पत्नी के हवाले करते हुए निर्देश दिया कि वो उस शक्स का बेहतरीन ढंग से ख़याल रखें और उन्हें घर से बाहर न निकलने दें। दरअसल वो बुजुर्ग बिना बताए, कहीं भी और किसी भी वक्त घर से बाहर निकल जाते थे और ख़ुद को भी नहीं पहचान पाते थे।

रंजन शर्मा
रिटायर्ड अफसर

जिस बुजुर्ग को पुलिस बीच सड़क से पकड़ कर उन्हें उनके घर ले गई थी, वो किसी ज़माने में अमेरिका की जानी-मानी फिल्मी हस्ती थे। लोग उनकी एक झलक पाने के लिए तरसते थे। उनकी लोकप्रियता का आलम ये था कि उसी के दम पर वो राजनीति में पहुंचे और दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बनकर उभरे तथा एकदिन वो अमेरिका के राष्ट्रपति बने। नाम था रोनाल्ड रीगन।

1981 में रीगन अमेरिका के राष्ट्रपति बने और पूरे आठ साल दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति रहे। राष्ट्रपति रहते हुए उन पर गोली भी चली। कई दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद जब वो दोबारा व्हाइट हाऊस पहुंचे, तो उनकी लोकप्रियता दोगुनी हो चुकी थी।

राष्ट्रपति पद से हटने के बाद जब वो अपनी निजी नागरिकता में लौटे तो कुछ दिनों तक सब ठीक रहा। पर कुछ दिनों बाद उन्हें अल्जाइमर की शिकायत हुई और धीरे-धीरे वो अपनी याद्दाश्त खो बैठे। शरीर था। यादें नहीं थीं। वो भूल गए कि एक समय था जब लोग उनकी एक झलक को तरसते थे। वो भूल गए कि उनकी सुरक्षा दुनिया की सबसे बड़ी चिंता थी। रिटायरमेंट के बाद वो सब भूल गए। पर अमेरिका की घटना थी, तो बात सबके सामने आ गई कि कभी दुनिया पर राज करने वाला ये शख्स जब यादों से निकल गया। वो, वो नहीं रहा, जो था। मतलब उसका जीवन होते हुए भी खत्म हो गया था।

ताकतवर से ताकतवर चीज़ की भी एक एक्सपायरी डेट होती है, इसलिए जीवन में कभी किसी चीज़ का अहंकार हो जाए तो श्मशान का एक चक्कर जरूर लगा आना चाहिए। वहां एक से बढ़कर एक बेहतरीन शख्सियत राख बने पड़े हैं।

अहंकार व्यर्थ है चाहे वो सत्ता का हो, धन का हो या फिर अपने बाहुबल का।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

घर का तापमान और स्त्री के भीतर चलती ऋतुएं

महिलाएं घर को केवल संचालित नहीं करतीं, वे उसके स्वभाव की रचना करती हैं। वे तय करती हैं कि घर में संवाद बहता रहेगा या चुप्पी जम जाएगी! अपनापन सांस लेगा या औपचारिकता हावी होगी, सहयोग पनपेगा या तनाव फैलता जाएगा। यह सब किसी लिखित नियम या तय व्यवस्था से नहीं चलता, बल्कि उनके रोज़मर्रा के व्यवहार से आकार ग्रहण करता है। एक हल्की मुस्कान, एक तीखा वाक्य, एक मौन ठहराव या एक संवेदनशील संवाद— ऐसे ही सूक्ष्म क्षण मिलकर घर का व्यापक चरित्र गढ़ते हैं। इसी कारण कहा जाता है कि घर का वातावरण प्रायः स्त्री के मन की प्रतिध्वनि होता है।

यह भी उतना ही यथार्थ है कि जब स्त्री पर अपेक्षाओं का भार आवश्यकता से अधिक लाद दिया जाता है, तब यही शक्ति धीरे-धीरे दबाव में बदलने लगती है। समाज उससे हर भूमिका निभाने की आशा करता है, पर उसे चयन की स्वतंत्रता बहुत कम देता है। यदि कोई स्त्री जिम्मेदारी से दूरी बनाना चाहे तो उसे लापरवाह ठहरा दिया जाता है और यदि वह जिम्मेदारी उठा ले तो उसे स्वाभाविक मान लिया जाता है। यही दोहरा मानदंड घर के भीतर तनाव की जड़ बनता है, जो समय के साथ रिश्तों को भीतर ही भीतर खोखला करने लगता है।

कृति आरके जैन
लेखिका

घर को गढ़ना या बिगाड़ना स्त्री के हाथ में है- इस कथन का आशय तभी स्पष्ट होता है, जब 'बिगाड़ने' के अर्थ को सही संदर्भ में समझा जाए। बिगाड़ना हमेशा टकराव, कटुता या हिंसा का रूप नहीं लेता। कई बार यह भावनात्मक दूरी, उपेक्षा या संवाद के अभाव के रूप में सामने आता है। जब स्त्री भीतर से थक जाती है, सुनी नहीं जाती या उसकी भूमिका को हल्का समझ लिया जाता है, तब वह अनजाने ही घर से अपना जुड़ाव ढीला करने लगती है। यह कमी दिखाई नहीं देती, पर धीरे-धीरे घर की आत्मा को रिक्त करती चली जाती है।

इसके विपरीत, जब वही स्त्री सम्मान, सहभागिता और भरोसे का अनुभव करती है, तो उसका प्रभाव सहज ही चमत्कारी हो उठता है। तब वह घर को केवल सुव्यवस्थित नहीं रखती, बल्कि उसे संवेदनशील और जीवंत बना देती है। वह बच्चों को संवाद की भाषा सिखाती है, बड़ों के भीतर धैर्य का विस्तार करती है और रिश्तों में संतुलन का सूत्र पिरोती है। ऐसी स्त्री आदेश नहीं देती, दिशा सुझाती है। नियंत्रण नहीं करती, समन्वय रचती है। उसका असर शोर में नहीं, स्थायित्व में दिखाई देता है- शांत, पर दूर तक फैलता हुआ। यही वह अदृश्य शक्ति है जो घर को केवल टिकाऊ नहीं, अर्थपूर्ण भी बनाती है।

यह समझना आवश्यक है कि हर स्त्री एक-सी नहीं होती। कोई नेतृत्व करना चाहती है, कोई सहयोग में सहज होती है और कोई केवल शांति के साथ अपना जीवन जीना चाहती है। कठिनाई तब उत्पन्न होती है, जब समाज सभी से एक ही भूमिका निभाने की अपेक्षा करता है। घर तभी संतुलित रह पाता है जब स्त्री को अपनी भूमिका स्वयं चुनने की स्वतंत्रता मिले, जब उसकी इच्छा, उसकी सीमा और उसकी क्षमता का आदर किया जाए, क्योंकि थोपी गई जिम्मेदारियां सृजन नहीं करतीं, वे केवल थकान, असंतोष और भीतर की रिक्तता को जन्म देती हैं।

यह स्वीकार करना होगा कि घर का बनना या बिगड़ना किसी एक व्यक्ति की मंशा का परिणाम नहीं, बल्कि स्त्री की भावनात्मक अवस्था से गहराई से जुड़ा होता है। वह प्रत्यक्ष रूप से सत्ता में न होकर भी प्रभाव के केंद्र में होती है। उसकी चुप्पी, उसकी सहमति और उसकी असहमति-सब मिलकर घर की दिशा तय करती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

वर्ड स्मिथ

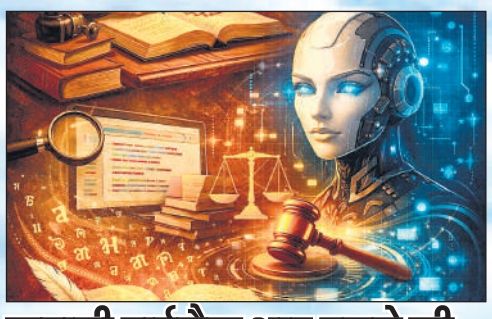

कहानी हाईजैक शब्द बनने की

हाईजैक शब्द की उत्पत्ति काफी दिलचस्प है और इसका रिश्ता सीधे अमेरिकी इतिहास से जुड़ता है। यह शब्द दो हिस्सों से मिलकर बना माना जाता है- 'Hi' और 'Jack'।

1920 के आसपास अमेरिका में प्रोहिबिशन एरा (शराबबंदी का दौर) चल रहा था। उस समय अवैध शराब की तस्करी आम थी। शराब लूटने वाले गिरोह ट्रकों या नावों को रोकते समय ड्राइवर को धमकाते हुए कहते थे- 'Hi, Jack!' यानी, 'रुको जैक!' या 'हाथ ऊपर करो!'

धीरे-धीरे यह बोलचाल का वाक्य एक क्रिया (verb) में बदल गया और इसका मतलब हो गया- जबरदस्ती किसी वाहन या सामान पर कब्जा करना।

अर्थ का विस्तार : शुरुआत में 'हाईजैक' का इस्तेमाल सिर्फ शराब या माल लूटने के लिए होता था, लेकिन समय के साथ इसका दायरा बढ़ता गया- ट्रक हाईजैक, गाड़ी हाईजैक, विमान हाईजैक (1950-60 के दशक में यह अर्थ बहुत प्रचलित हुआ) और जहाज हाईजैक।

आज 'हाईजैक' का मतलब - धमकी, बल या डर के जरिए किसी वाहन, वस्तु पर नियंत्रण या कब्जा करना है।

दिलचस्प तथ्य : 'Jack' उस दौर में आम आदमी या ड्राइवर के लिए इस्तेमाल होने वाला नाम था, जैसे हिंदी में 'बब्लू'।

हाईजैक शब्द अपराध की दुनिया से निकला, लेकिन आज यह वैश्विक भाषा का हिस्सा बन चुका है।

नोटिस बोर्ड

- संतकबीरनगर जिले के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चकदही में 05 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 10 :00 बजे से अपराह्न 03 .00 बजे तक एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन होगा। इसके तहत उप्र परिवहन निगम के बस्ती डिपो के लिए संविदा चालकों की भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले की जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए सेवायोजन विभाग के वेब पोर्टल rojgaarsangam .up .gov .in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र, दो फोटो एवं बायोडाटा के साथ मेले में सम्मिलित हो सकते हैं।

- लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से सेमेस्टर परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। एमए और एमएसी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा नौ जनवरी से शुरू हो जाएंगी। इसी के साथ ही बैक व इंप्रूवमेंट परीक्षा कार्यक्रम भी जारी हुआ है। परीक्षाएं 22 जनवरी तक चलेंगी। विद्यार्थी परीक्षा कार्यक्रम विवि की वेबसाइट www . lkouniv .ac .in पर जाकर देख सकते हैं।

करियर डिसीजन में क्यों झिझकते हैं स्टूडेंट्स

सूचनाओं, अवसरों और विकल्पों की बढ़ोतरी ने बाहरी जीवन को तेज बनाया है, लेकिन निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर। प्रगति की यह निरंतर दौड़ मन को उस मोड़ पर ले आई है, जहां कदम आगे बढ़ते हैं, पर भीतर दिशा स्पष्ट नहीं होती। तकनीक ने दुनिया बदल दी है। आज जानकारी की इतनी अधिकता है कि किसी को कुछ जानने के लिए मेहनत नहीं करनी पड़ती। फोन उठाइए और दुनिया सामने है, लोग कहां घूम रहे हैं, कौन कितना कमा रहा है, किसकी जिंदगी कितनी शानदार दिख रही है। पर एक विरोधाभास भी जीवन के बीच खड़ा है। जैसे-जैसे दुनिया बाहरी रूप से आसान हुई है, भीतर मन उतना ही जटिल हो गया है। जितनी सुविधा मिली है, उतनी ही बेचैनी बढ़ी है, जितने विकल्प बढ़े हैं, उतनी ही दृढ़ता कम हुई है। कई बार ऐसा लगता है कि हम जितने सक्षम हुए हैं, उतने ही अनिश्चित भी। इस अनिश्चितता के पीछे पांच ऐसे मनोवैज्ञानिक भाव अथवा रूप हैं, जो आज के समय की नब्ज को समझने की कुंजी हो सकते हैं- FOMO, FOFO, FOBO, FOPO और FOMU। ये नाम भले अंग्रेज़ी में हों, लेकिन इनमें जो भाव छिपे हैं, वे किसी भाषा, क्षेत्र या समाज की सीमा में नहीं रहते। स्टूडेंट्स पर करियर को लेकर इनका असर दिखाई देता है। फर्क बस इतना है कि इनके नाम बहुत कम लोग जानते हैं, पर इनके प्रभाव से लगभग हर कोई गुजर रहा है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

क्या हैं ये फियर

पहले आता है FOMO (फियर ऑफ मिसिंग आउट) कुछ छूट जाने का डर। सोशल मीडिया के विस्तार के साथ ही लोगों की जिंदगी दूसरों की नजरों के सामने खुलने लगी। हर उपलब्धि, हर अवसर, हर खुशी और हर सफलता अब सार्वजनिक हो गई। तुलना वहीं से शुरू हुई, जो दूसरे कर रहे हैं, उसे देखकर लगता है कि हम कुछ कम कर रहे हैं। हर पार्टी, हर यात्रा, हर प्रमोशन, हर समारोह, हर तस्वीर मानो एक संदेश देती है-"देखो, तुम पीछे रह रहे हो।" यही डर व्यक्ति को लगातार दौड़ में धकेलता है। वह उन कामों की तलाश में रहने लगता है, जो उसे "पीछे छूटने" की भावना से बचा लें। किंतु विरोधाभास यह है कि जितना इंसान दौड़ता है, उतना ही उसे लगता है कि अभी भी बहुत कुछ छूट रहा है। यह डर प्रेरणा से ज्यादा दबाव पैदा करता है, उपलब्धि से ज्यादा अधूरापन बढ़ाता है।

FOFO (फियर ऑफ फाइन्डिंग आउट)

यहीं एक और भाव जन्म लेता है- FOFO (फियर ऑफ फाइन्डिंग आउट), यानी सच जानने का डर। जब स्टूडेंट्स दौड़ में लगा रहता है और फिर भी खुद को पीछे महसूस करता है, तो सच्चाई डरावनी लगने लगती है। कोई रिपोर्ट हो, नतीजा हो, फीडबैक हो, मेडिकल जांच हो, करियर या रिश्तों पर बातचीत हो या आर्थिक स्थिति की हकीकत बहुत से लोग इन्हें केवल इसलिए टालना चाहते हैं या टालते हैं कि सच सामने आ गया, तो मन को स्वीकार करना पड़ेगा कि सब उतना सुंदर नहीं जितना मान रखा है या दिखता है। ऐसे में मन यह मानने लगता है कि "न जानना" अस्थायी राहत देता है। अनिश्चितता सुरक्षित लगती है, लेकिन यही बचाव आगे और कठिनाइयां पैदा करता है, क्योंकि सच्चाई जितनी देर बाद सामने आती है, उतनी भारी हो जाती है।

FOBO (फियर ऑफ अ बेटर ऑप्शन)

इसी तरह आगे बढ़कर मन FOBO (फियर ऑफ अ बेटर ऑप्शन) में प्रवेश करता है यानी बेहतर विकल्प छूट जाने का डर। आधुनिक जीवन में चुनाव आसान नहीं रहे। नौकरी हो या शहर, शादी हो या करियर, व्यवसाय हो या मकान हर जगह इतने विकल्प हैं कि किसी एक विकल्प को अपनाने का मतलब है बाकी सब छोड़ देना। तब मन बार-बार पूछता है- "जो चुना, इससे बेहतर भी कुछ हुआ तो?" और इस सवाल के चलते फैसला लेना मुश्किल होता जाता है। बहुत से लोग सपनों के रास्ते पर इसलिए नहीं निकल पाते, क्योंकि वे गलत राह चुनने से अधिक डरते हैं। वे दिशा तय करने में इतना समय लगा देते हैं कि सफर शुरू ही देर से होता है। यही वजह है कि फैसलों की संख्या से ज्यादा दुविधाओं की मात्रा बढ़ती है।

FOPO (फियर ऑफ अदर पीपल्स ओपिनियन)

जब फैसले देर से होने लगते हैं और आत्मविश्वास हिलने लगता है, तो अगला भाव FOPO (फियर ऑफ अदर पीपल्स ओपिनियन) जन्म लेता है- लोगों की राय का डर। अपनी पसंद पर भरोसा कम होने के बाद व्यक्ति दूसरों की प्रतिक्रिया को मार्गदर्शक बना लेता है। फिर चुनाव अंदर की जरूरतों से नहीं, बाहर की नजरों से होते हैं। कौन-सी जीवनशैली "स्वीकार्य" होगी, कौन-सी नौकरी "सम्मानजनक दिखेगी" इस तरह के तमाम सवाल अंदर की आवाज को दबाते जाते हैं। जीवन धीरे-धीरे निजी नहीं, भीड़ के मानदंडों से संचालित होने लगता है। व्यक्ति वही बनने की कोशिश करता है, जो दूसरों को पसंद आए, भले वह स्वयं उस भूमिका में सहज न हो। वह "दिखने वाले" सम्मान के बदले "महसूस होने वाली" शांति खोने लगता है और अंत में इस पूरी यात्रा की परिणति होती है।

FOMU (फियर ऑफ मेसिंग अप)

- फियर ऑफ मेसिंग अप अर्थात गलती कर देने का डर। यह शब्द भले ही बहु-प्रचलित न हो, लेकिन इसका अनुभव लगभग हर पीढ़ी महसूस कर रही है। ऐसे में कई बार व्यक्ति पहला कदम इसलिए नहीं उठाता, क्योंकि उसे लगता है, अगर गलती हो गई, तो दुनिया देख लेगी। असफलता की चिंता से ज्यादा अपमान की कल्पना भयावह हो जाती है। सपने और योजनाएं आदर्श रूप में तो टिकी रहती हैं, पर वास्तविक शुरुआत रुक जाती है। यही वह दुखद क्षण है, जहां जिंदगी निर्णय से नहीं, डर से चलने लगती है। यह डर अक्सर बाहरी परिस्थितियों से नहीं, भीतर से पैदा होता है।
- इन पांचों भावों को अलग-अलग नाम देना आसान है, पर इन्हें अलग-अलग होकर समझना गलत है। ये एक-दूसरे से पैदा होते हैं, एक-दूसरे को बढ़ाते हैं और एक-दूसरे के बिना पूरी तरह समझ नहीं आते। कुछ छूट जाने का डर स्टूडेंट्स को दौड़ में धकेलता है, दौड़ की थकान उसे सच से बचने पर मजबूर करती है, सच से बचाव निर्णय को टाल देता है, निर्णय में देरी दूसरों की राय पर निर्भरता पैदा करती है और यही निर्भरता गलती को असहनीय बना देती है। यह कोई वैज्ञानिक रूप से तय "अनिवार्य क्रम" नहीं, लेकिन आधुनिक मन की चालकों समझने का एक बेहद उपयोगी मनोवैज्ञानिक चक्र जरूर है- एक ऐसा पैटर्न, जिसमें जीवन ऊपर से सक्रिय दिखता है, पर भीतर से स्थिर बना रहता है। लगता है कि हम बहुत कुछ कर रहे हैं, पर महसूस होता है कि कुछ भी पूरा नहीं हो पा रहा।
- इन मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों का उद्देश्य किसी व्यक्ति को दोष देना नहीं है और न ही यह मान लेना कि इंसान कमजोर हो गया है। यह समय ही ऐसा है, जिसमें मन पर दबाव पहले से कहीं अधिक है। जितना समाज सार्वजनिक हुआ है, उतनी ही निजी दुनिया उलझी है। उपलब्धियों की प्रतिस्पर्धा में भावनाएं पीछे छूट गई हैं। हम सब किसी-न-किसी रूप में इस संघर्ष में हैं कुछ खुलकर, कुछ चुप रहकर, कुछ जानकर और कुछ जाने बिना।
- हो सकता है आगे भी जीवन जटिल बना रहे, अवसर बढ़ते रहें, विकल्प उलझाते रहें, लेकिन इतना समझ होगा कि डर होना कमजोरी नहीं, संवेदनशीलता है। संघर्ष होना असामान्य नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन का हिस्सा है। हम सब अपनी-अपनी जगह पर कोशिश कर रहे हैं- कभी तेज, कभी धीमे या कभी डरे हुए।
- जीवन में ज्यादातर बदलाव किसी "बड़े कदम" से नहीं आते। कई बार बदलाव तब शुरू होता है, जब हम बस इतना स्वीकार कर लेते हैं कि हां, हम डरे हुए हैं, पर कोशिश छोड़ने वाले नहीं हैं। हो सकता है आगे भी निर्णय आसान न हों, संतुलन, स्पष्टता और आत्मविश्वास एक दिन में न आएं, लेकिन इतना तो तय है कि जिंदगी अक्सर वहीं खुलती है, जहां मन सबसे ज्यादा अटका होता है।
- डर पूरी तरह चला जाए, तब चलना शुरू हो, यह जिंदगी का नियम नहीं है। असली बात यह है कि डर रहते हुए भी चलना शुरू हो, क्योंकि साहस का अर्थ डर के अभाव में बहादुरी दिखाना नहीं, बल्कि डर के साथ कदम बढ़ाना है। वही पहला कदम, चाहे कितना ही छोटा क्यों न हो, आगे की असली दिशा बनाता है।

कैंपस में पहला दिन

प्रथम श्रेणी प्राप्त करने का रहा दबाव

डॉ. नवीन चंद्र लोहनी
कुलपति, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

मेरे लिए कॉलेज का पहला दिन उम्मीदों से भरा रहा। मेरी स्नातक (बी.ए.) की पढ़ाई राजकीय महाविद्यालय बागेश्वर से हुई। यह सरयू नदी के किनारे तीन भवनों के रूप में था, जिनमें से एक भवन टिन शेड के रूप में था और एक मुख्य भवन, जिसमें एक हॉल और प्राचार्य कक्ष और दूसरे भवन में एक लाइब्रेरी और कुछ कक्षाएं होती थीं।

पहले दिन जब मैं महाविद्यालय पहुंचा तो मेरी मुलाकात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर रामकुमार से हुई। मैंने उनसे प्रवेश के साथ-साथ अपने परीक्षा परिणाम के बारे में भी बताया तो उन्होंने बड़े खुश होकर मुझे प्रवेश के बारे में जानकारी दी। मैं अपने सत्र में राजकीय इंटर कॉलेज बागेश्वर का कला विषयों से अकेला प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थी था, इसलिए उन्होंने प्रवेश प्रभारी से कहा कि देखो, महाविद्यालय में एक प्रथम विद्यार्थी आ रहा है। इसके अलावा उन्होंने मुझे स्कॉलरशिप तथा अन्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। महाविद्यालय के पहले दिन ही एक सुसज्जित पुस्तकालय देखा, जिसमें हमारे विषय की पुस्तक कम थी, लेकिन

पुस्तकों के प्रति मेरे प्रेम के कारण मुझे अनेक पुस्तकों से जुड़ने का अवसर मिला। हिंदी, संस्कृत, राजनीति विज्ञान और अंग्रेजी की कक्षाओं में मुझे उपस्थित रहकर बहुत आनंद आया। महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने के बाद अपने पुराने इंटरमीडिएट के समय के अनेक साथी कक्षा में दिखाई दिए, उनमें एक स्पर्धा भाव भी देखा, स्नातक कक्षा के दौरान निरंतर यह दबाव भी बना रहा कि महाविद्यालय में भी प्रथम श्रेणी प्राप्त करनी है। बाद में अपने शैक्षिक जीवन में आने के बाद पता चला कि विश्वविद्यालय शिक्षा में किस प्रकार चैलेंज आते हैं।

करेंट अफेयर्स

- भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो गई हैं, वह मिताली राज के बाद 10,000 अंतर्राष्ट्रीय रन पूरे करने वाली केवल दूसरी भारतीय महिला और सबसे तेज खिलाड़ी बन गईं। स्मृति ने तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में यह उपलब्धि हासिल की।
- पर्यावरण मंत्रालय के तहत एक पैनल ने जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर 260 मेगावाट की दुलहस्ती स्टेज- II पनबिजली परियोजना (Dulhasti Stage-II hydropower project) को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी इस साल अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने की पृष्ठभूमि में आई है, जिससे 3,200 करोड़ से अधिक की अनुमानित लागत वाली इस रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना के लिए निर्माण निविदाएं जारी करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।
- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने आज बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) हेलीकॉप्टर डिवीजन में ध्रुव एनजी सिविल वेरिएंट (Dhruv NG civil variant) हेलीकॉप्टर की पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाई। इस हेलीकॉप्टर को इसके स्वदेशी शक्ति इंजन के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से नागरिक प्रमाणन प्राप्त हुआ है।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज में पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया है। रॉकेट का परीक्षण उसकी अधिकतम 120 किमी की सीमा के लिए किया गया। इस रॉकेट को आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट द्वारा हाई एनर्जी मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी के सहयोग से, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी और रिसर्च सेंटर इमारत के समर्थन से डिजाइन किया गया है।

जॉब अलर्ट

LDCC बैंक

- पद का नाम -क्लर्क, सबग्रेड (मल्टीपर्पस सपोर्ट स्टाफ), ड्राइवर
- पदों की संख्या- 375
- योग्यता-10 वीं पास से ग्रेजुएट (पदानुसार)
- आयु सीमा-19 से 30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 21 जनवरी 2026
- वेबसाइट-https ://laturdccb .com

नाबार्ड यंग प्रोफेशनल भर्ती

- कंपनी का नाम- नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड)
- पद का नाम- यंग प्रोफेशनल (14 विषय)
- पदों की संख्या-44
- वेतन-70,000/- प्रति माह (सभी भत्ते सहित)
- योग्यता- विषय की आवश्यकता के अनुसार बैचलर/मास्टर डिग्री
- आयु सीमा-21 से 30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 12 जनवरी 2026
- वेबसाइट-www .nabard .org

रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, रेल मंत्रालय

- पद का नाम- चीफ लॉ असिस्टेंट, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर, जूनियर ट्रांसलेटर (हिंदी), सीनियर पब्लिसिटी इंस्पेक्टर, स्टाफ और वेलफेयर इंस्पेक्टर, साइंटिफिक असिस्टेंट (ट्रेनिंग), लैब असिस्टेंट ग्रेड III, साइंटिफिक सुपरवाइजर
- पदों की संख्या-312
- सैलरी-19,900 से 44,900 प्रति माह
- योग्यता-12 वीं से मास्टर डिग्री (पद के अनुसार अलग-अलग)
- आयु सीमा- 18 से 30-40 वर्ष (पदानुसार)
- आवेदन की अंतिम तिथि- 29 जनवरी 2026

नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लि.

- पद का नाम- ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी (GET)
- पदों की संख्या-110
- वेतन-40,000 - 1,40,000 प्रति माह
- योग्यता-इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी में बैचलर डिग्री
- आयु सीमा-अधिकतम 30 वर्ष, 22 जनवरी 2026 तक
- आवेदन की अंतिम तिथि-22 जनवरी 2026
- वेबसाइट-www .nalcoindia .com

बदलती इकोनॉमी में कॉमर्स स्ट्रीम के लिए बेस्ट करियर ऑप्शन

आज के समय में कॉमर्स स्ट्रीम करियर की दृष्टि से एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरकर सामने आई है। अकाउंटिंग, फाइनेंस, बैंकिंग और बिजनेस से जुड़े अनेक ऐसे क्षेत्र हैं, जहां न सिर्फ अच्छी सैलरी, बल्कि स्थायी करियर की संभावनाएं भी मौजूद हैं। सही कोर्स, उपयुक्त स्किल्स और व्यावहारिक अनुभव के साथ कॉमर्स स्टूडेंट्स आकर्षक पैकेज हासिल कर सकते हैं। बदलती आर्थिक परिस्थितियां और कॉर्पोरेट सेक्टर की बढ़ती जरूरतें कॉमर्स ग्रेजुएट्स के लिए नए अवसर खोल रही हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए कौन-कौन से हाई-पेड करियर ऑप्शन उपलब्ध हैं। *– फीचर डेस्क*

चार्टर्ड अकाउंटेंट

कॉमर्स स्ट्रीम का सबसे प्रतिष्ठित और हाई-पेड प्रोफेशन माने जाने वाला चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) आज भी करियर की पहली पसंद बना हुआ है। एक सीए कंपनी के ऑडिटिंग, टैक्सेशन और फाइनेंशियल रिपोर्टिंग जैसे अहम कामों की जिम्मेदारी संभालता है। यह कोर्स इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) द्वारा संचालित किया जाता है। करियर की शुरुआत में एक फ्रेशर सीए की सालाना सैलरी करीब 6 से 10 लाख रुपये होती है, जो अनुभव के साथ 15 से 30 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक पहुंच सकती है। सीए करके प्रोफेशनल्स कॉर्पोरेट कंपनियों, मल्टीनेशनल फर्म्स और सरकारी संस्थानों में उच्च पदों पर कार्य करने के मौके मिलते हैं।

कंपनी सेक्रेटरी (सीएस)

कॉर्पोरेट गवर्नेंस और कंपनी लॉ में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए कंपनी सेक्रेटरी एक बेहतरीन और तेजी से उभरता हुआ करियर विकल्प है। बदलते कॉर्पोरेट नियमों और कानूनी ढांचे के चलते सीएस प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है। यह कोर्स इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (ICSI) द्वारा संचालित किया जाता है। सीएस प्रोफेशनल्स बैंकिंग सेक्टर, कॉर्पोरेट हाउस और लीगल फर्म्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस फील्ड में शुरुआती सैलरी लगभग 5 से 7 लाख रुपये प्रतिवर्ष होती है।

इंवेस्टमेंट बैंकर

इंवेस्टमेंट बैंकिंग को फाइनेंस की दुनिया का सबसे ग्लैमरस और हाई-रिस्क व हाई-रिवॉर्ड करियर माना जाता है। इंवेस्टमेंट बैंकर कंपनियों को पूंजी जुटाने (Capital Raising), मर्जर-एक्विजिशन और फाइनेंशियल स्ट्रैटजी से जुड़ी सलाह देते हैं। यह प्रोफेशन चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन कमाई के लिहाज से बेहद आकर्षक है। अनुभव, कंपनी, लोकेशन और पद (एनालिस्ट, एसोसिएट, VP, MD) के अनुसार सैलरी में बड़ा अंतर होता है। एक एनालिस्ट की शुरुआती सैलरी करीब 6 से 15 लाख रुपये प्रतिवर्ष हो सकती है।

चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (सीएफए)

अगर इंटरनेशनल लेवल पर करियर बनाने की बात हो, तो सीएफए कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए टॉप करियर ऑप्शंस में शामिल है। यह एक ग्लोबली रिकग्नाइज्ड प्रोफेशनल कोर्स है, जो इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट पर फोकस करता है। सीएफए होल्डर्स पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, इक्विटी रिसर्च और वेल्थ मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं। अनुभव और प्रोफाइल के आधार पर सीएफए प्रोफेशनल्स की सैलरी लगभग 10 से 35 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक हो सकती है।

MBA (फाइनेंस, मार्केटिंग, HR)

MBA आज भी कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए सबसे पॉपुलर और वर्सेटाइल करियर ऑप्शन बना हुआ है। फाइनेंस, मार्केटिंग और HR जैसे स्पेशलाइजेशन सबसे ज्यादा डिमांड में हैं। इस कोर्स के जरिए स्टूडेंट्स में मैनेजमेंट, लीडरशिप और स्ट्रैटजिक थिंकिंग स्किल्स विकसित होती हैं। MBA के बाद मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने के बेहतरीन अवसर मिलते हैं। कॉलेज और स्पेशलाइजेशन के अनुसार सैलरी पैकेज 6 से 30 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक हो सकता है।

कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा, लखीमपुर-खीरी

पत्रांकः 1040/न.पं.धौरहरा/एफएसएसएम/2025-26 दिनांकः 31 दिसम्बर, 2025

नगर पंचायत धौरहरा, जनपद-खीरी द्वारा नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 एवं उसमें दी गयी उपधाराओं तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी शासनादेशों में दिये गये दिशा निर्देशों एवं निकाय की बोर्ड बैठक दिनांक 14.08.2025 के प्रस्ताव संख्या-02 द्वारा उपविधि बनाने हेतु अनुमोदनोपरान्त आनसाइट स्वच्छता व्यवस्था अपशिष्ट (फीकल स्लज सेप्टेज और अपशिष्ट जल) के डीस्लजिंग परिवहन एवं ट्रीटमेन्ट संबंधी और प्रासांगिक अथवा अनुसांगिक मामलों के लिये उपविधि तैयार की गयी है। उपविधि का प्रारूप उक्त ऐक्ट की धारा (1) के अधीन समस्त नगरवासियों को आपत्तियों एवं सुझाव प्राप्त कराये जाने के उद्देश्य से उपविधि की पाण्डुलेख को प्रकाशित किया जाता है जिन पर उसका प्रभाव पडने की सम्भावना है।

अतः जिस किसी को इस सम्बंध में कोई आपत्ति/सुझाव देना हो वह अपनी लिखित आपत्ति/सुझाव कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा में इस सूचना प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है, केवल उन्ही आपत्तियों तथा सुझावों पर विचार किया जायेगा जो इस सूचना के दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 30 दिनों के अन्दर प्राप्त होगी।

फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन के लिए उपविधि-2025

अधिसूचना

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नगर पंचायत धौरहरा द्वारा घर/भवन/प्रतिष्ठान में ऑनसाइट सेनिटेशन सिस्टम (सेप्टिक टैंक/पिट/सोख्ता) के संग्रहण, ढुलाई और उससे जुड़े मामलों के लिए निम्न लिखित उपविधियां बनाई गयी हैं।

प्राधिकारः ये उपविधि निम्नलिखित प्रावधानों को लागू करने वाला सक्षम ढांचा है:

(क) उत्तर प्रदेश राज्य सेप्टेज प्रबंधन नीति, 2019
(ख) फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन की राष्ट्रीय नीति, 2017
(ग) सीपीएचईईओ मैनुअल ऑन सीवरेज और फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन 2013
(घ) मॉडल निर्माण उपविधि, 2016 तथा अन्य लागू भवन उपविधि
(ङ) प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट ऐज़ मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन ऐक्ट - 2013
(च) आईएस कोड 2470 भाग I और II, 1985 (1996 रीअफर्म्ड) - सेप्टिक टैंक संस्थापित करने के लिए कार्य व्यवहार संहिता
(छ) केंद्रीय कानून, नियम और विनियमन पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
(ज) जल (प्रदूषण पर रोक और नियंत्रण) अधिनियम, 1974
(झ) उत्तर प्रदेश के राजकीय कानून जैसे जल और स्वच्छता संबंधी, जैसे कि यू.पी. जल आपूर्ति एव सीवरेज अधिनियम, 1975, उत्तर प्रदेश जल संस्थान जलापूर्ति एवं सीवरेज उपविधि, 2008; तथा अन्य कोई प्रासंगिक राजकीय कानून।

क्षेत्र (स्कोप)

ये उपविधि **नगर पंचायत धौरहरा** की प्रशासनिक सीमा के भीतर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन में संलग्न सभी हितधारकों पर लागू होते हैं, जिसमे सेप्टिक टैंक वाले घरों के मालिक एवं उपयोगकर्ता, सेप्टिक टैंक सफाई ऑपरेटर तथा निकाय के उपचार और निस्तारण में संलग्न जवाब देह एजेंसियां शामिल हैं। यह उपविधि सभी सार्वजनिक, निजी, आवासीय, वाणिज्यिक, संस्थागत, प्रस्तावित, नियोजित या निकाय **नगर पंचायत धौरहरा** भवनों पर लागू होगा।

अध्याय - I

प्रारंभिक

1. संक्षेप - शीर्षक, विस्तार और आरंभ

(i). इन उपविधियों को '**नगर पंचायत धौरहरा फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन (FSSM) उपविधि, 2025 कहा जा सकता है।**

(ii). ये उपविधि उत्तर प्रदेश राज-पत्र (गजट) में प्रकाशित होने की तारीख से क्रियान्वित होंगे और निकाय की प्रशासकीय परीसीमा के अंदर लागू होंगी।

2. परिभाषा

I. **"एक्सेस कवर"** का अर्थ है निरीक्षण, सफाई तथा अन्य रखरखाव कार्य हेतु सेप्टिक टैंक/ पिट में अंदर जाने के लिए छेद या रास्ता जिसको ढक्कन या आवरण से बंद किया हो;

II. **"अपेलेट बॉडी"** निकाय, शहरी स्वच्छता समिति, और/या, कोई अन्य संबंधित प्रासंगिक अधिकृत समिति के सदस्यों से मिल कर बना एक समूह है जिसका उद्देश्य उपविधियों से संबंधित किसी भी विवाद, अपील या मुद्दे का संबोधन करना है;

III. **फीकल स्लज या सेप्टेज का को-ट्रीटमेंट"** उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें सीवेज उपचार सुविधा (एसटीपी) में, शहरों के सीवर के जरिए से ले जाने वाले घरेलू सीवेज के उपचार के अलावा, विभिन्न ऑन-साइट स्वच्छता प्रणालियों के फीकल स्लज और सेप्टेज (एफएसएस) का भी उपचार किया जाता है;

IV. **"को-ट्रीटमेंट फैसिलिटी"** का तात्पर्य है ऐसा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट जिसमें फिकल स्लज के उपचार के लिए पर्याप्त प्रावधान उपलब्ध हो;

V. **"विकेंद्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार (DWWT) प्रणाली"** का तात्पर्य है ऐसी पद्धति से है जिसमें निजी आवासों, आवासीय संकुलों, एकल समुदायों, उद्योगों, संस्थानों या उत्पादन स्थल के निकट अपशिष्ट जल का संग्रहण, उपचार किया जाता है और निस्तारण/दुबारा इस्तेमाल योग्य बनाया जाता है। ये प्रणाली अपशिष्ट जल के तरल और ठोस दोनों घटकों के लिए प्रयुक्त होते हैं;

VI. **"नियुक्त अधिकारी"** निकाय का ऐसा अधिकारी जिसे (नगर आयुक्त/अधिशाषी अधिकारी) द्वारा लाइसेंस जारी करने के लिए अथवा उसे सौंपे गए किसी अन्य कार्य करने के लिए अधिकृत किया गया हो;

VII. **"डिस्लजिंग"** का तात्पर्य है लाइसेंसधारी ऑपरेटर अथवा निकाय के प्रशिक्षित सफाई कर्मचारियों द्वारा सेप्टिक टैंक/पिट से फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने की प्रक्रिया;

VIII. **"निस्तारण"** का तात्पर्य है फीकल स्लज एवं सेप्टेज का अधिसूचित स्थान तक परिवहन एवं निर्वहन;

IX. **"एफ़्लूयंट"** का तात्पर्य है सेप्टिक टैंक से निकलने वाला अधिप्लावी (द्रव);

X. **"फीकल स्लज एवं सेप्टेज"** का तात्पर्य है सेप्टिक टैंक अथवा ऑनसाइट सेनिटेशन प्रणालियों में जमी हुई या नीचे बैठी हुई सामग्री;

XI. **"फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (FSTP)"** का तात्पर्य है सुरक्षित निस्तारण और दुबारा इस्तेमाल के निर्धारित मानदंड के अनुदार ठोस और तरल घटकों को हटाने वाला स्वतंत्र फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपचार संयंत्र;

XII. **"ग्रे वाटर"** का तात्पर्य है घरेलू अपशिष्ट जल से है जिसमें मानव मल नहीं होता। यह घर की सफाई से निकला पानी, रसोई और स्नानघर का पानी हो सकता है;

XIII. **"होस्ट यूएलबी"** का तात्पर्य है वह निकाय जो उपचार संयंत्र के संचालन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार होता है और जो संयंत्र में निकटवर्ती निकाय के फीकल स्लज एवं सेप्टेज को उपचार की अनुमति देता है। अपनी अधिकतम क्षमता को हासिल करने तक होस्ट निकाय'होस्ट' बना रहेगा;

XIV. **"ईनसैनिटरी लेट्रिन्स"** का तात्पर्य उन शौचालयों से है जहां रात की मिट्टी (मल-कीचड़) को किसी मानव या जानवरों द्वारा ढोया या हटाया जाता है, तथा मल कीचड़ को खुली नालियों या गड्ढों में डाल दिया जाता है;

XV. **"लाइसेंस"** का अर्थ है किसी व्यक्ति को दी गई लिखित अनुमति, जिसकी मंशा फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन सेवाओं को पूरा करना होती है, जिसमें उद्देश्य, समय अवधि, नाम, पता और मार्ग आदि का उल्लेख निकाय के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर के अंतर्गत किया जाता है;

XVI. **"लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर"** (लाइसेंसधारी) का अर्थ है ऐसा व्यक्ति जिसे फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने हेतु निकाय द्वारा पंजीकृत किया गया हो;

XVII. **"अधिसूचित स्थान"** का अर्थ होता है निकाय द्वारा परिभाषित और निर्धारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज की आपूर्ति और निस्तारण का स्थान;

XVIII. **"ऑनसाइट सेनिटेशन सिस्टम (ओएसएस)"** ऐसी स्वच्छता प्रणाली है जो पूरी तरह से निजी/ व्यावसायिक/सरकारी आवास और उसके आस-पास के भूखंड पर स्थित होता है। आमतौर पर, भूखंड पर स्वच्छता 'घरेलू शौचालय' के समान है, लेकिन इसमें एक ही भूखंड पर एक साथ रहने वाले कई परिवारों द्वारा साझा की जाने वाली सुविधाएं हो सकती हैं;

XIX. **"ऑपरेटर"** का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने और उसके परिवहन के व्यवसाय में संलग्न है;

XX. **"मालिक"** का अर्थ है वह व्यक्ति जो निकाय की सीमा के भीतर स्थित किसी भवन या उसके किसी हिस्से का मालिक हो;

XXI. **"व्यक्ति"** का तात्पर्य एक ऐसे व्यक्ति से है एक एजेंसी, एक ट्रस्ट, एक समाज, एक फर्म या एक कंपनी को संदर्भित करता है प्रासंगिक कानूनों के तहत निगमित कंपनी, व्यक्तियों का एक संघ या व्यक्ति का एक निकाय चाहे निगमित हो या नहीं;

XXII. **"सैनिटरी लेट्रिन्स"** का अर्थ होगा सेप्टिक टैंक अथवा कोई ओएसएस अथवा भूमिगत सीवरेज प्रणाली से जुड़े शौचालय और मूत्रालय के प्रकार और बनावट जो मल (अपचित मलमूत्र) के सुरक्षित परिरोधन और निस्तारण को सुनिश्चित करता हो, जिनमें से प्रत्येक का निर्माण निकाय द्वारा जारी किए गए डिजाइन विनिर्देश और दिशानिर्देश के अनुरूप नियमानुसार किया गया हो;

XXIII. **"सेप्टिक टैंक"** भूमिगत निर्मित टैंक है जो आंशिक रूप से ठोस जमाव और अवायवीय पाचन के संयोजन द्वारा आंशिक रूप से फीकल स्लज एवं सेप्टेज का उपचार करता है, जिसका निर्माण आईएस कोड 2470 के डिजाइन विनिर्देश या निकाय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है।

XXIV. **"शेड्यूल्ड डीस्लजिंग"** का अर्थ है केंद्रीय लोक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग संगठन (सीपीएचईईओ) की अनुशंसाओं के आधार पर 2 - 3 वर्षों के अंतराल पर ओएसएस को नियमित रूप से खाली कराने की प्रक्रिया।

XXV. **"सेप्टेज"** का अर्थ है अच्छी तरह डिजायन किए हुए सेप्टिक टैंक से निकलने वाला फीकल स्लज।

XXVI. **"सीवेज"** का अर्थ है ब्लैक और ग्रे पानी का मिश्रण है जिसे सीवरों के माध्यम से प्रवाहित किया जाता है। इसे वेस्ट वॉटर/ यूज्ड वॉटर भी कहा जाता है।

XXVII. **"सीवर"** वो प्रणाली (सीवर लाइन / पाइप लाइन) जिसके माध्यम से समुदाय के अपशिष्ट जल को बहाया जाता है।

XXVIII. **"सीवेज पम्पिंग स्टेशन"** का अर्थ होता है शहर में सीवर नेटवर्क के पंप-हाउस का भंडारण और संग्रह कक्ष, जहाँ से सीवेज यानी मल जल या अपवाह को निर्दिष्ट स्थान पर पंप करके भेजा जाता है।

XXIX. **"सीवेज उपचार संयंत्र"** का अर्थ उस स्थान से है जहां सुरक्षित निस्तारण और दुबारा उपयोग के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार मल जल का उपचार किया जाता है।

XXX. **"निकाय के प्रशिक्षित सफाई कर्मी"** का अर्थ है निकाय के कर्मचारी या निकाय लाइसेंसी वैक्यूम टैंकर का इस्तेमाल कर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सफाई करने या उसे खाली करने और ढुलाई के उद्देश्य के लिए निकाय द्वारा नियुक्त और प्रशिक्षित अनुबंधित अथवा काम पर लिए गए कर्मचारी।

XXXI. **"परिवहन या ढुलाई"** का अर्थ है लाइसेंस धारी वाहन के माध्यम से (एफएसएस) निकालने के स्थान से निर्दिष्ट निस्तारण स्थल तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सुरक्षित ढुलाई।

XXXII. **"उपचार"** का अर्थ है प्रदूषण को कम करने या रोकने के लिए एफएसएस/मल जल/अपशिष्ट जल के भौतिक, रासायनिक या जैविक और रेडियोलॉजिकल विशेषता या संरचना को बदलने के लिए तैयार की गई कोई वैज्ञानिक पद्धति या प्रक्रिया।

XXXIII. **"उपचार सुविधा"** का अर्थ होगा निकाय में विनिर्देशों और दिशानिर्देशों के आधार पर बने अधिसूचित फीकल स्लज उपचार और निस्तारण हेतु निर्मित स्थल

XXXIV. **"यूएलबी क्लस्टर"** का अर्थ होगा होस्ट निकाय और इसके निकटस्थ यूएलबी/ग्राम पंचायत, जिन्हें शहर में स्थित उपचार संयंत्र में एफएस के सुरक्षित निस्तारण के लिए होस्ट निकाय जिसके साथ एमओयू की आवश्यकता होगी।

XXXV. **"निकाय पंजीकृत (वैक्युम) टैंक"** का अर्थ ऐसे वैक्यूम टैंकर से है, जिसे निर्दिष्ट उद्देश्य पूरा करने हेतु निकाय द्वारा विधिवत पंजीकृत कराया गया हो, जिसे निकाय द्वारा निकाय क्षेत्र में फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने हेतु निकाय द्वारा पंजीकृत किया गया हो।

XXXVI. **"निर्वात टैंकर (वैक्यूम टैंकर)"** ऐसा वाहन होता है जिसमें एक पंप और टंकी होती है, जिसे साइट पर स्वच्छता प्रणालियों से फीकल स्लज एवं सेप्टेज को वैक्यूम की मदद से खींचने के लिए बनाया गया है। इन वाहनों का उपयोग सेप्टिक टैंक से निकाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज के परिवहन के लिए भी किया जाता है।

XXXVII. **"अपशिष्ट जल (वेस्ट वॉटर)/यूज्ड वॉटर"** का अर्थ घरेलू/व्यावसायिक अथवा अन्य मानवीय गतिविधियों से निकले तरल प्रवाह से है, जिसमें शौचालय, रसोई और सफाई कार्य से निकला पानी, लेकिन इसमें विनिर्माण और औद्योगिक गतिविधियों से निकलने वाला पानी शामिल नहीं है। आमतौर पर इस तरह के प्रवाह को वर्षा-जल नालियों के माध्यम से बहाया है, इस प्रकार इसमें तूफानी जल भी शामिल होता है।

XXXVIII. **"कर्मी"** का अर्थ है लाइसेंसधारी ऑपरेटर द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज की फीकल स्लज निकासी, ढुलाई और निस्तारण के लिए नियुक्त व्यक्ति।

सभी अन्य शब्द और अभिव्यक्ति जो इन उपविधियों में प्रयुक्त हुए हैं और जो इन उपविधियों में परिभाषित नहीं किए गए हैं और जो यहां ऊपर भी परिभाषित नहीं हैं लेकिन जिन्हें अधिनियम में अथवा वर्तमान में लागू किसी अन्य कानून में परिभाषित किया गया है उनका अर्थ वही होगा जो अधिनियम या कानून के तहत क्रमशः उन्हें प्रदान किया गया है और उसके अभाव में उनका अर्थ वही होगा जो जलापूर्ति और मल जल उपचार/निस्तारन उद्योग में आमतौर पर समझा जाता है।

अध्याय - II

अपशिष्ट जल का प्रबंधन और निस्तारण

3. परिसर में अपशिष्ट जल का प्रबंधन और निस्तारण

निकाय में प्रत्येक संपत्ति के मालिक/अधिग्राही (जिसमें मौजूदा या प्रस्तावित, आवासीय और व्यावसायिक और अन्य शामिल हैं तथा इसी तक सीमित नहीं हैं) यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होंगे कि उनके परिसर से अपशिष्ट जल को निम्नलिखित तरीके से किसी भी या किसी के संयोजन के माध्यम से उपचार या निस्तारण किया जाता है, अर्थात्:

i. यदि घर की सीमा से 30 मीटर की दूरी या उतनी दूरी जितनी दूर से सीवर कनेक्शन घर तक आ सकता हो, या घर का मालिक कनेक्शन लेने के लिए कोई शुल्क अथवा कोई और जरूरत के अनुसार प्रक्रिया पूर्ण करा कर करे।

ii. अपशिष्ट जल को एक निकाय अनुमोदित समुदाय या स्थानीय क्षेत्र उपचार सुविधा तक पहुंचाया जाता है।

iii. यदि संपत्ति के 30 मीटर में कोई सीवर नहीं है, तो मालिक को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपशिष्ट जल को साइट की उपचार प्रणाली में ले जाया जाए, जिसमें सेप्टिक टैंक या ट्विन-पिट या सोक-पिट या साइट पर स्थित आईएस कोड 2470 भाग 1 और 2 के अनुसार निर्मित अन्य प्रणाली शामिल हो सकती हैं। (देखें परिशिष्ट-1)।

iv. वे परिपत्तियाँ जो प्रतिदिन 05 किलो लीटर से अधिक अपशिष्ट जल उत्पन्न करती हैं और उनके परिसर के भीतर 230 वर्ग मीटर से अधिक खुला क्षेत्र है, तो उसमें एक विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली स्थापित की जाए ताकि संपत्ति में एकत्र अपशिष्ट जल का उपचार किया जा सके। संपत्ति के मालिक द्वारा बागवानी / फ्लशिंग के लिए उपचारित अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग किया जाए ताकि ताजे पानी पर निर्भरता कम हो।

अध्याय - III

ऑनसाइट स्वच्छता प्रणालियाँ

4. मालिक या अभिग्राही के कर्त्तव्य और अनुपालन

निकाय के दायरे में स्थित किसी भवन या उसके हिस्से का मालिक या अभिग्राही, जैसा भी मामला हो, इन उपविधियों के लागू होने की तारीख से निम्नलिखित दायित्वों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार होंगे:

उपविधियों के अनुसार प्राधिकार द्वारा जारी सूचना में निर्दिष्ट समय के भीतर वह ऐसे भवन में इंसेनिटरी लेट्रिन्स उपयोग को बंद कर देंगे और निकटवर्ती सामान्य नालियों या खुले भूखंड या जल निकायों के सभी निर्गम को भी बंद कर देंगे तथा अपने स्वामित्व वाले या अपने उपयोग किए जाने वाले भवनों में केवल सेनिटरी लेट्रिन्स का निर्माण, संचालन और उनका रखरखाव करेंगे।

5. ओएसएस का डिजाइन, निर्माण और रखरखाव

i. ओएसएस का डिजाइन, निर्माण और उनकी स्थापना 'आईएस कोड 2470 भाग 1 और 2' के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा, या इसके समय समय पर किए गए संशोधित प्रावधान अथवा नगर पंचायत धौरहरा या राज्य सरकार या केंद्र सरकार द्वारा जारी किसी अन्य स्वीकृत उपयुक्त अभियांत्रिकी कार्य संहिता द्वारा संशोधित किया गया हो।

ii. ओएसएस से जुड़ी संपत्ति के मालिक/निवासी ऐसे ओएसएस से निकलने वाले फीकल स्लज के अनुरक्षण, रख-रखाव और सुरक्षित निस्तारण के लिए जिम्मेदार होंगे।

iii. परिसर का मालिक नगर पंचायत धौरहरा द्वारा निर्धारित लागत के भुगतान पर नियमित आधार पर (प्रत्येक 2-3 वर्ष में) फीकल स्लज साफ करने का काम करेगा। (अथवा जैसा कि परिशिष्ट 2 में सुझाया गया है)।

iv. परिसर का मालिक सुनिश्चित करेगा कि कंटेनमेंट संयंत्र के खराब या दोषपूर्ण निर्माण के कारण फीकल स्लज के खुली जगहों में या नाली में गिरने से पर्यावरण प्रदूषित नहीं हो।

v. परिसर के मालिक को यह सुनिश्चित करना होगा कि सेप्टिक टैंक को लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर या नगर पंचायत धौरहरा के प्रशिक्षित स्वच्छता कर्मियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ यांत्रिक रूप से साफ किया जाता है और हाथ से सफाई ना हो।

vi. नियमों के पालन के लिए नगर पंचायत धौरहरा या उसके अधिकृत प्रतिनिधि को ही परिसर का निरीक्षण करने का अधिकार है। नगर पंचायत धौरहरा समय-सीमा के भीतर अपने खर्चे पर अपशिष्ट जल प्रबंधन और निस्तारण से संबंधित नियम उल्लंघन की स्थिति में सुधार / संशोधन के लिए परिसर के मालिक के लिए चेतावनी जारी कर सकता है।

vii. नगर पंचायत धौरहरा अपने विवेक पर, गैर-अनुपालन प्रणालियों के रेट्रोफिटिंग / सुधार के लिए संपत्ति मालिकों को प्रोत्साहन प्रदान कर सकता है और वैकल्पिक प्रणालियों का सुझाव देने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों को शामिल कर सकता है।

अध्याय IV

फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रहण और ढुलाई के लिए लाइसेंस और पंजीकरण

6. निकाय द्वारा जारी किया जाने वाला लाइसेंस

i. नगर पंचायत धौरहरा वर्तमान में अपनी प्रशासनिक सीमाओं में फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने की सेवाएँ प्रदान करने वाले निजी ऑपरेटरों के स्वामित्व वाले या किराए पर लिए गए वैक्यूम टैंकरों को पंजीकृत करेगा।

ii. नगर पंचायत धौरहरा अपने कर्मियों सहित ओपेरटरों के लिए आईईसी और क्षमता निर्माण गतिविधियाँ करेगा, जहां उन्हें फीकल स्लज एवं सेप्टेज को सुरक्षित तरीके से खाली करने और ढुलाई के लिए उपयुक्त तरीके से इस्तेमाल करने के लिए जागरुक और प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण पंजीकरण की तिथि के 1 महीने के भीतर किया जाएगा।

iii. जब ऑपरेटर को लगे कि वह लाइसेंसिंग के मानदंडों के अनुपालन में सफल है, तो वह इन उपविधियों के फॉर्म 1 (परिशिष्ट-4) की मदद से इसके लिए आवेदन कर सकता है। इसे प्रशिक्षण के पूरा होने के 2 महीने से अधिक नहीं बढ़ाया जाएगा।

iv. नगर पंचायत धौरहरा ऑपरेटर द्वारा अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज निकालने और फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई के लिए लाइसेंस जारी करेगा।

v. इन विनियमों के फॉर्म 2 (परिशिष्ट-5) में निर्धारित प्रारूप के अनुसार लाइसेंस जारी किया जाएगा, और यदि इसे पहले रद्द नहीं किया जाता है तो जारी होने की तिथि से एक वर्ष के लिए वैध होगा, और अवधि समाप्त होने पर निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर लाइसेंसधारी ऑपरेटर द्वारा नियमों और शर्तों की पूर्ति के अधीन नवीकरणीय होगा।

7. लाइसेंस जारी करने की शर्तें

i. लाइसेंस हासिल करने के पात्र आवेदक का अर्थ इन उपविधियों के खंड 2 (xxi) में परिभाषित "व्यक्ति" से होगा।

ii. आवेदक को उचित सक्शन/वैक्यूम और डिस्चार्जिंग व्यवस्था के साथ रिसाव-मुक्त, गंध और छिलकाव रहित परिवहन वाहन का मालिक होना चाहिए या ऐसा वाहन उसे किराए पर लेना चाहिए।

iii. नगर पंचायत धौरहरा में परिचालन के लिए वाहन का परिवहन विभाग द्वारा जारी वैध परमिट या पंजीकरण प्रमाणपत्र होगा।

iv. आवेदक अपने वैक्यूम टैंकर को नगर पंचायत धौरहरा के साथ पंजीकृत करेगा।

क्रमशः 15

v. आवेदक का यह उत्तरदायित्व होगा कि उसके स्वामित्व वाले/किराए पर लिए गए वैक्यूम टैंकर इन विनियमों के खंड 16 में दिए गए मानदंडों को पूरा करते हैं।

vi. आवेदक का यह भी उत्तरदायित्व होगा कि नगर पंचायत धौरहरा या उसके द्वारा किराए पर ली गई एजेंसी द्वारा इस उद्देश्य के लिए नियुक्त कर्मी पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित हैं।

vii. आवेदक द्वारा कर्मियों को सुरक्षा उपस्कर और अन्य सुरक्षात्मक उपकरणों से लैस रखा जाएगा, जो कि सुरक्षित रूप से फीकल स्लज निकालने, उसकी ढुलाई करने और अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण करने के लिए आवश्यक हैं। जरूरी पीपीई इस उपनविधि के परिशिष्ट-3 में दी गई सूची के अनुसार होगा।

8. लाइसेंस के लिए आवेदन

फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने, परिवहन और निपटान हेतु लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदन एफएसएस का निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जो इन उपविधियों के फॉर्म 1 के रूप में संलग्न है, जिसमें नियमों और शर्तों सहित ऐसे दस्तावेजों के साथ जैसा कि निकाय के नामित अधिकारी (परिशिष्ट-4 देखें) द्वारा निर्धारित किया गया हो। नगर पंचायत धौरहरा द्वारा सत्यापन एवं प्रशिक्षण के बाद ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का संग्रहण, परिवहन एवं निपटन का लाइसेंस ऑपरेटर को दिया जायेगा (फॉर्म-2, परिशिष्ट-5)।

9. लाइसेंस के लिए आवेदन करने हेतु आमंत्रण

लाइसेंस के लिए आवेदन करने हेतु नगर पंचायत धौरहरा द्वारा संभावित आवेदकों को आमंत्रित करते हुए समय-समय पर अपनी वेबसाइट पर और प्रमुख समाचार पत्रों तथा अन्य प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक विज्ञापन दिया जाएगा।

10. लाइसेंस के लिए पंजीकरण शुल्क

नए निजी ऑपरेटरों (फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने वाला) के लिए लाइसेंस प्रदान करने हेतु पंजीकरण पूरा करने के लिए समय-समय पर नगर पंचायत धौरहरा द्वारा निर्धारित पंजीकरण शुल्क (10.1 देखें) लिया जा सकता है। यह शुल्क लौटाया नहीं जाएगा और इसका भुगतान इलेक्ट्रॉनिक या नगद स्वरूप में किया जा सकता है।

10.1 पंजीकरण के शुल्क और वैधता

i. ऑपरेटर के रूप में नए निजी ऑपरेटरों को पंजीकृत कराने हेतु पंजीकरण शुल्क रु. 5000.00

ii. पंजीकरण की वैधता: पंजीकृत निजी ऑपरेटर, लाइसेंस नवीनीकरण शुल्क जमा करके अधिकतम 01 वर्ष (01 अप्रैल से 31 मार्च) तक शहर को अपनी सेवा दे सकता है। यदि निजी ऑपरेटर लाइसेंस नवीनीकरण करने में विफल रहता है तो उसका पंजीकरण स्वतः रद्द हो जाएगा और यदि वह शहर की सीमाओं में फीकल स्लज हटाने वाली सेवाओं को फिर से शुरू करना चाहता है तो उसे पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

iii. लाइसेंस नवीनीकरण शुल्क: रु. 5000.00

11. लाइंसेसधारी ऑपरेटर का विज्ञापन

नगर पंचायत धौरहरा द्वारा समय-समय पर अपनी वेबसाइट के साथ-साथ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से लाइंसेसशुदा ऑपरेटर का व्यापक विज्ञापन दिया जाएगा।

12. जागरुकता अभियान

इन उपविधियों के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सफाई, ढुलाई और निस्तारण हेतु नगर पंचायत धौरहरा द्वारा लोगों को केवल लाइंसेसधारी ऑपरेटर को शामिल करने की आवश्यकता के बारे में जागरूक बनाने का अभियान चलाए जाएगा।

अध्याय V

फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निष्कासन/संग्रहण (डीस्लजिंग) और परिवहन (ढुलाई)

13. संपत्ति के मालिक या अभिग्राही द्वारा केवल लाइंसेसधारी ऑपरेटर को काम पर रखा जाएगा

i. भवन के प्रत्येक मालिक/अभिग्राही का यह दायित्व होगा कि वह फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और ढुलाई के लिए नगर पंचायत धौरहरा के लाइसेंसधारी ऑपरेटर अथवा प्रशिक्षित सफाई कर्मियों की ही सेवाएं लें।

ii. मालिक/अधिभोगी डीस्लजिंग सेवा से सम्बंधित सम्पूर्ण जानकारी ऑपरेटर को प्रदान करेगा (परिशिष्ट-6 देखें)।

14. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी/ढुलाई का शुल्क

i. समय-समय पर अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और ढुलाई का शुल्क निकाय के नामित अधिकारी द्वारा अधिसूचित किया जाएगा (परिशिष्ट 2 देखें)।

ii. शहर में जब कभी नगर पंचायत धौरहरा द्वारा "शेड्यूल्ड डीस्लजिंग" पालन करने का फैसला किया जाता है, तो फीकल स्लज निकासी शुल्क को 'सफाई शुल्क' से बदल दिया जाएगा या इसे संपत्ति/जल कर में शामिल किया जा सकता है, जिसे नगर पंचायत धौरहरा द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाएगा।

iii. लाइसेंस धारी ऑपरेटर सम्पत्ति के मालिक/अभिग्राही से निकाय द्वारा समय-समय पर अधिसूचित शुल्क से अधिक राशि नहीं वसूलेगा।

iv. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी और ढुलाई कार्य के लिए अधिसूचित शुल्क से अधिक राशि मांगने पर लाइसेंस धारी ऑपरेटर का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा और इन उपविधियों के उल्लंघन के लिए निर्धारित जुर्माना लगाया जाएगा।

15. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई के वाहन

i. फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और ढुलाई कार्य केवल लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर या नगर पंचायत धौरहरा के प्रशिक्षित सफाई कर्मियों द्वारा ही किया जाएगा।

ii. आवश्यक शर्तों के पूरा नहीं होने पर भी वैक्यूम टैंकर को 1 वर्ष की अवधि के लिए पंजीकृत कराया जा सकता है। ऐसी स्थिति में, संबंधित ऑपरेटर को निश्चित समय सीमा के भीतर वैक्यूम टैंकर को समुन्नत अपग्रेड करना चाहिए।

iii. डीस्लजिंग वाहनों का परिचालन फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सुरक्षित और कुशल ढुलाई के लिए समय-समय पर नगर पंचायत धौरहरा द्वारा चिह्नित निर्दिष्ट मार्गों पर ही किया जाएगा।

iv. ऑपरेटर को जारी लाइसेंस की एक प्रति और नगर पंचायत धौरहरा वाहन का पंजीकरण नंबर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई हेतु प्रयुक्त वाहन पर स्पष्टता से प्रदर्शित किया जाएगा।

v. वाहन/टैंकर को पीले रंग से पेंट किया जाएगा जिस पर लाल रंग में (सावधानी के लिए) "**septic tank waste**" (अंग्रेजी में) और "**मलकुंड अपशिष्ट**" (हिंदी में) लिखा होगा।

vi. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई में प्रयुक्त प्रत्येक वाहन में जीपीएस उपकरण (निकाय द्वारा प्रदत्त) लगाया जाएगा और इसका एक्सेस अधिकार [नगर आयुक्त या अधिशासी अधिकारी] और ऐसे वाहनों की ट्रैकिंग के लिए निकाय द्वारा अधिसूचित एजेंसी के पास होगा।

16. ढुलाई के दौरान सावधानी

लाइसेंस धारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि निस्तारण के लिए डीस्लजिंग स्थल से अधिसूचित स्थान तक ढुलाई के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज से कोई रिसाव या छलकाव न हो।

17. दुर्घटना की स्थिति में बचावकारी उपाय

फीकल स्लज एवं सेप्टेज ले जाने वाला वाहन संचलन के दौरान किसी भी आकस्मिक छलकाव के कारण पर्यावरण के लिए किसी भी खतरे से बचने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित होना चाहिए।

18. दुर्घटना की स्थिति में लाइसेंसधारी ऑपरेटर की जिम्मेदारी

किसी दुर्घटना या आपदा की स्थिति में लाइसेंसधारी ऑपरेटर किसी भी व्यक्ति, वाहन, संपत्ति या पर्यावरण को होने वाले किसी भी प्रकार के नुकसान के लिए पूर्ण जिम्मेदार होगा और ऐसे में यदि किसी प्राधिकारी अथवा न्यायालय द्वारा पीड़ितों / उनके कानूनी उत्तराधिकारियों को किसी प्रकार के क्षति शुल्क या मुआवजा प्रदान किए जाने का निर्णय दिया जाता है तो उसका भुगतान उसे ही करना होगा।

19. नियुक्त कर्मियों के लिए सुरक्षा - उपाय

हाथ में रखकर इस्तेमाल होने वाले गैस-डिटेक्टर, गैस-मास्क, सुरक्षा उपकरण, ऑक्सीजन-सिलेंडर के साथ ऑक्सीजन-मास्क और प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स आदि के प्रावधान सहित सभी सुरक्षा उपाय तथा प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट, 2013 में निर्दिष्ट ऐसे अन्य उपाय उपलब्ध कराने के लिए लाइसेंसधारी ऑपरेटर जिम्मेदार होगा।

20. फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण

i. लाइसेंसधारी ऑपरेटर नगर पंचायत धौरहरा द्वारा समय-समय पर अधिसूचित स्थानों पर ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण करेगा।

ii. लाइसेंस धारी ऑपरेटर इन उपविधि के फॉर्म 3 में निर्धारित विधिवत हस्ताक्षरित फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और निस्तारण फॉर्म, जो विधिवत रूप से भरा गया और हस्ताक्षरित हो, अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने के लिए नामित निकाय के अधिकारी के पास जमा करेगा (परिशिष्ट-6 देखें)।

iii. होस्ट यूएलबी ये सुनिश्चित करेगा की उपचार सुविधा पर यूएलबी क्लस्टर या ग्राम पंचायत का पंजीकृत ऑपरेटर ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण करे।

21. निकाय (उपचार सुविधा वाले) के अधिकार

i. निकाय किसी पास के निकाय या ग्राम पंचायतों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) (परिशिष्ट 7, फॉर्म-4) पर हस्ताक्षर करेगा और इसके तहत केंद्र पर उपलब्ध उपचार सुविधा पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति देने के लिए होस्ट यूएलबी बन जाएगा।

ii. नगर पंचायत धौरहरा होस्ट यूएलबी से जुड़े यूएलबी क्लस्टर की सीमा के अंदर काम करने वाले (निजी/सरकारी) ऑपरेटर को उपचार सुविधा के परिचालन अवधि, निस्तारण प्रक्रिया, टिपिंग शुल्क और निर्दिष्ट अवधि के दौरान प्रतिबंधित किए गए वितरण मार्गों के बारे में सूचित करेगा।

iii. नगर पंचायत धौरहरा वैक्यूम टैंकर की गुणवत्ता और रखरखाव का निरीक्षण करेगा और उनपर नियंत्रण रखेगा।

iv. संग्रहीत किए जाने वाले और उपचार सुविधा पर ढोए जाने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज की गुणवत्ता का निरीक्षण नगर पंचायत धौरहरा द्वारा किया जाएगा।

v. होस्ट यूएलबी अन्य क्लस्टर यूएलबी या ग्राम पंचायत को फीकल स्लज एवं सेप्टेज की उस स्वीकार्य मात्रा के बारे में जानकारी देगा जिसे "उपचार सुविधा" में निस्तारित किया जा सकता है।

vi. एमओयू अवधि के किसी भी समय, यदि "होस्ट यूएलबी" को लगे कि क्लस्टर यूएलबी/ग्राम पंचायत से आने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज को निस्तारित नहीं किया जा सकता है, तो ऐसी स्थिति आने से पहले होस्ट यूएलबी कम से कम 15 दिन पहले इसकी सूचना देगा।

22. निकाय (बिना उपचार सुविधा वाला) के कर्त्तव्य

i. निकाय या ग्राम पंचायत [जिनके पास उपचार सुविधा नहीं है उस निकाय का नाम] होस्ट यूएलबी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगा और होस्ट यूएलबी के पास उपलब्ध उपचार सुविधा पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण के लिए क्लस्टर यूएलबी का सदस्य बनेगा।

ii. निकाय या ग्राम पंचायत (जिनके पास उपचार संयंत्र नहीं है) अपने प्रशासनिक क्षेत्र में काम करने वाले (निजी/सरकारी) ऑपरेटरों को उपचार सुविधा की कार्य अवधि, निस्तारण प्रक्रिया, टिपिंग शुल्क (यदि कोई हो) निकाय द्वारा निर्धारित निर्दिष्ट घंटों के दौरान विशिष्ट आपूर्ति मार्ग के जानकारी देंगे।

iii. यदि निकाय होस्ट यूएलबी के क्लस्टर यूएलबी की स्पष्ट सीमा में नहीं है, तो निकाय उपचार के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए राज्य के पास पहुंच सकता है और फीकल स्लज एवं सेप्टेज के लिए एक अंतरिम निस्तारण स्थल विकसित कर सकता है।

iv. नगर पंचायत धौरहरा विनिर्दिष्ट वाहनों की गुणवत्ता और रखरखाव का निरीक्षण करेगा और उन पर नियंत्रण रखेगा।

v. होस्ट यूएलबी संग्रहीत किए जाने और निर्दिष्ट निस्तारण स्थल तक ढोए जाने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज की गुणवत्ता का निरीक्षण करेगा।

vi. यदि "होस्ट यूएलबी" की क्षमता क्लस्टर यूएलबी के फीकल स्लज एवं सेप्टेज को निबटाने के लिए कम पड़ जाता है, तो नगर पंचायत धौरहरा को एक नए "होस्ट यूएलबी" की खोज करनी चाहिए या नए "उपचार सुविधा" के निर्माण के लिए केंद्र के पास अनुरोध भेजना चाहिए।

23. कर्मियों का प्रशिक्षण

लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की फीकल स्लज निकासी, ढुलाई और निस्तारण में तैनात कर्मचारियों के सावधिक प्रशिक्षण के लिए उत्तरदायी होगा।

24. कर्मियों की नियमित स्वास्थ्य जांच

यह सुनिश्चित करने का दायित्व लाइसेंसधारी ऑपरेटर का होगा कि प्रत्येक नियुक्त कर्मी का साल में कम से कम एक बार स्वास्थ्य जांच होनी चाहिए और उसका रिकॉर्ड निकाय को दिया जना चाहिए, जिसमें विफल रहने पर लाइसेंसधारी ऑपरेटर को समय-समय पर अधिसूचित दंड का भुगतान करना पड़ सकता है।

25. बीमा

लाइसेंसधारी ऑपरेटर द्वारा काम पर रखे गए कर्मियों का प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट, 2013 और 2003 की रिट याचिका संख्या 583 (सफाई कर्मचारी आंदोलन तथा अन्य बनाम भारत संघ तथा अन्य) में फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी, ढुलाई और निस्तारण की प्रक्रिया के दौरान दुर्घटना की स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 27-03-2014 के आदेश के तहत पीड़ितों अथवा उनके कानूनी उत्तराधिकारियों को दिए जाने वाले मुआवजे को कवर करने के लिए बीमा किया जाएगा।

26. लाइसेंस रद्द किया जाना

इन उपविधि सहित हाथ से मैला ढोने वालों के रूप में रोजगार निषेध और उनका पुनर्वास एक्ट, 2013 के किसी भी प्रवधान के उल्लंघन के मामले में, लाइसेंस धारी ऑपरेटर समय-समय पर अधिसूचित दंड के भुगतान करने का भागी होगा, जिसमें लाइसेंस रद्द किया जाना और निष्पादन गारंटी का अपहार शामिल है जो शहरी स्वच्छता समिति (CSC) अथवा विनिर्दिष्ट अधिकारी (अधिकारियों) की सिफारिश के मुताबिक होगा।

अध्याय VI

फीकल स्लज एवं सेप्टेज का उपचार और पुनः उपयोग/निस्तारण

27. उपचार/निस्तारण स्थल की पहचान

i. नगर पंचायत धौरहरा उस स्थल (स्थलों) की पहचान करेगा और सूचित करेगा जहां लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर या नगर पंचायत धौरहरा के प्रशिक्षित सफाई कर्मी द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज का उपचार/निस्तारण किया जाएगा।

ii. उपचार सुविधा के अभाव में नगर पंचायत धौरहरा, आस पास के होस्ट यूएलबी जिसमे सुचारू उपचार सुविधा हो, उनके साथ समझौता ज्ञापन करके उसके सुविधा का इस्तेमाल करेगा (फॉर्म 4 परिशिष्ट 7)

iii. फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण हेतु नगर पंचायत धौरहरा के आसपास के क्षेत्र में "क्लस्टर यूएलबी" की अनुपस्थिति की स्थिति में, उपचार के बुनियादी ढांचे (खंड 28) के निर्माण तक एक अंतरिम निस्तारण योजना का विकल्प चुना जा सकता है।

28. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने के लिए अवसंरचना का निर्माण

नगर पंचायत धौरहरा जरूरी आधारभूत ढांचा तैयार करेगा (यदि अनुप्रयोज्य हो तो आदर्श उपचार संयंत्र की व्यवस्था होने तक अंतरिम उपचार बुनियादी ढांचा भी) और पंजीकृत वाहनों द्वारा लाए गए फीकल स्लज एवं सेप्टेज के उपचार/निस्तारण की सुविधा के लिए अधिसूचित स्थल या स्थलों पर आवश्यक उपकरण प्रदान करेगा।

29. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति

i. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने और इसे संबंधित उपचार सुविधा में स्थानांतरित करने के लिए नगर पंचायत धौरहरा द्वारा प्रत्येक अधिसूचित स्थल पर पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों (लिंग तटस्थ) को नियुक्त किया जाएगा। [यदि निकाय के पास उपचार सुविधा है यानी होस्ट यूएलबी]

ii. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने और इसे अंतरिम "उपचार सुविधा" में स्थानांतरित करने या इसे "होस्ट यूएलबी" के "उपचार सुविधा" में भेजने के लिए निकाय प्रत्येक अधिसूचित स्थल पर पर्याप्त कर्मचारी (किसी भी लिंग का हो सकता है) नियुक्त करेगा। [यदि निकाय के पास उपचार सुविधा नहीं है यानी आप क्लस्टर यूएलबी का हिस्सा हैं]

30. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने का समय

नगर पंचायत धौरहरा द्वारा नियुक्त कर्मचारियों द्वारा प्रत्येक अधिसूचित स्थल पर समय-समय पर [निकाय (या होस्ट यूएलबी लागू हो)] द्वारा अधिसूचित अवधि के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त किया जाएगा।

31. औद्योगिक अपशिष्ट जिनकी अनुमति नहीं है

अधिसूचित स्थल पर औद्योगिक अपशिष्ट वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज के निस्तारण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

32. फीकल स्लज एवं सेप्टेज पर प्रशिक्षण

नगर पंचायत धौरहरा द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को अधिसूचित स्थल पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने और उपचार / निस्तारण करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

33. उपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज का दुबारा इस्तेमाल

निकाय किसानों को अनुपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज के कृषि अनुप्रयोग के स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करेगा और उन्हें उपचार सुविधा से उपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज इस्तेमाल करने को प्रोत्साहित करेगा।

अध्याय VII

प्रशासन और प्रवर्तन

34. प्रशासन और प्रवर्तन

i. इन नियमों की प्रशासनिक और प्रवर्तक शक्तियाँ [नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी] अथवा नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी द्वारा विधिवत अधिकृत निकाय के अभिहित अधिकारी के पास रहेंगी।

ii. नगर पंचायत धौरहरा फीकल स्लज की निकासी, ढुलाई या उपचार की सेवाएं प्रदान करने के लिए समय-समय पर निर्धारित और अधिसूचित उपयोगकर्ता शुल्क (यूज़र फ़ीस) लगा सकता है। लागत वसूली सुनिश्चित करने के लिए, उपयोगकर्ताओं को इन सेवाओं के लिए भुगतान करना होगा।

क्रमशः 16

iii. नगर पंचायत धौरहरा शहरी स्वच्छता समिति (CSC) का गठन करेगा जो निकाय प्रशासनिक क्षेत्र में समग्र फीकल स्लज एवं सेप्टेज का पर्यवेक्षण और निगरानी सुनिश्चित करेगा।

iv. नगर पंचायत धौरहरा फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी ढुलाई के लिए सुरक्षित तरीके सुनिश्चित करने के लिए एक इमर्जन्सी रिसपोंस सैनिटेशन यूनिट (ईआरएसयू) नियुक्त करेगा।

35. जांच के लिए विशेष शक्ति

इन उपविधियों के प्रभावी तरीके से लागू करने और प्रवर्तन के उद्देश्य से, नगर पंचायत धौरहरा के पास किसी भी समय किसी भी परिसर में, परिवहन वाहनों और फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपचार सुविधा के निरीक्षण की शक्ति होगी।

36. नियम उल्लंघन और जुर्माना

i. इन उपविधियों के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करने पर व्यक्ति को नियम अनुपालन के लिए नोटिस भेजा जाएगा।

ii. किसी भी व्यक्ति पर इन नियमों के तहत दंडात्मक प्रावधान लागू होंगे, यदि ऐसा व्यक्ति - (क) इन उपविधियों के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करता है या उसका पालन करने में विफल रहता है; (ख) इन विनियमों के तहत किसी भी शक्ति के प्रयोग या किसी कर्त्तव्य निष्पादन में निकाय के एक अधिकृत अधिकारी या अन्य अधिकारी के काम में बाधा डालता है, या हस्तक्षेप करता है; (ग) किसी भी ओएसएस/सीवर की हाथ से फीकल स्लज निकासी की प्रक्रिया संचालित कराता है।

iii. इन उपविधियों के प्रावधानों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को परिशिष्ट-8 में उल्लेखित राशि की सीमा तक दंडित किया जाएगा और उचित कानून के तहत मुकदमा चलाया जाएगा और जैसा भी मामला हो, दोषी पाए जाने की स्तिथि में एफ.एस.एस. निकासी/ढोने के वाहन भी ज़ब्त हो सकता है।

iv. जो कोई भी, किसी भी मामले में, जिसमें दंड परिशिष्ट-8 में स्पष्ट रूप से प्रदान नहीं किया गया है, दोषी पाया जाता है, समय-समय पर नगर पंचायत धौरहरा द्वारा तय किए जाने वाले जुर्माने के साथ दंडनीय होगा।

v. संदेह दूर करने के लिए, यह घोषित किया जाता है कि इन उपविधियों की कोई भी बात किसी भी व्यक्ति को उस समय लागू किसी अन्य प्रासंगिक अधिनियम या इन उपविधियों के तहत दंडनीय कोई कार्य के लिए या चूक के लिए उसके तहत मुकदमा चलाने, दंडित करने से नहीं रोकेगा।

37. अपील

निकाय के अधिकृत अधिकारी के निर्णय से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति इन उपविधियों के तहत नगर आयुक्त / अधिशासी अधिकारी के पास इस तरह के निर्णय के विरुद्ध अपील (इन उपविधियों के फॉर्म 5 में संलग्न प्रारूप में) कर सकता है (परिशिष्ट-9 देखें)

38. विवाद समाधान उपविधि

इन उपविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में उत्पन्न किसी भी विवाद का समाधान केवल नगर पंचायत धौरहरा के अधिकार क्षेत्र वाले सक्षम न्यायालय द्वारा भारतीय कानूनों के तहत किया जाएगा।

39. फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपविधियों में संशोधन

मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए आवश्यकता पड़ने पर निकाय के पास फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपविधियों में संशोधन करने का अधिकार होगा।

40. संदर्भ प्रलेख

उपविधियों के क्रियान्वयन और लागू करने में सुविधा के लिए, इन विनियमों के परिशिष्ट-10 में प्रदान किए गए मानकों, रणनीतियों, मैनुअल, दिशानिर्देशों और नीतियों की एक सूची का संदर्भ लिया जा सकता है।

41. डीस्लजर के लिए सम्मान/पुरस्कार

अच्छे काम और व्यवहार के लिए निकाय समय-समय पर प्रेरित करने और समग्र प्रशंसा हेतु अच्छे प्रदर्शन के लिए फीकल स्लज निकासी (डीस्लजिंग) ऑपरेटरों के लिए सम्मान/पुरस्कार समारोह आयोजित कर सकता है।

42. उपविधियों के लिए पूरक राज्य सरकार के निर्देश

इन उपविधियों के प्रवर्तन में कठिनाइयों को दूर करने के लिए राज्य सरकार द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संबंध में निर्देश जारी किया जा सकता है।

परिशिष्ट-1

(खंड 2(xxiii), 3(iii) और 5(i) देखें)

सेप्टिक टैंक का डिजाइन

सेप्टिक टैंक स्थापित करने के लिए बीआईएस कार्य संहिता प्रदान करता है (आईएस 2470 [भाग 1] 1985)। सेप्टिक टैंक के निर्माण के लिए यह कुछ मान्यताओं के आधार पर डिजाइन मानदंड प्रदर्शित करता है। छोटे और बड़े क्षेत्रों के लिए यह आबादी को ध्यान में रखते हुए डिजाइन इंस्टॉलेशन का विवरण प्रदान करता है। केंद्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी संगठन, एमओएचयूए के अनुसंधान प्रभाग द्वारा प्रकाशित सीवरेज और मलजल उपचार पर मैनुअल के भाग ए में ओएसएस पर व्यापक डिजाइन मानक दिए गए हैं। प्रचलित और सुरक्षित साइट स्वच्छता के लिए इस खंड में तकनीकों के मानक डिजाइन बताए गए हैं। साथ ही, भारत में सेप्टिक टैंक को आमतौर पर काले पानी के लिए ही हाइलाइट किया जाता है।

सेप्टिक टैंक के विनिर्देशन

- आयताकारः लंबाई और चौड़ाई का अनुपात: 2 से 4
- गहराई: 1.0 से 2.5 मी. के बीच
- दो कक्ष: पहला कक्ष कुल लंबाई का 2/3
- तीन कक्ष: पहला कक्ष कुल लंबाई का आधा
- मशीन-छेद (मैनहोल) प्रत्येक कक्ष के ऊपर
- निर्विवाद, टिकाऊ और स्थिर टैंक

सेप्टिक टैंक का अनुशंसित आकार

उपयोगकर्ता की संख्या	लंबाई (मी.)	चौड़ाई (मी.)	द्रव की गहराई (सफाई अंतराल) (मी.)
			दो वर्ष
5	1.5	0.75	1.05
10	2	0.90	1.40
15	2	0.90	2.00
20	2.3	1.10	1.80

नोट 1: सेप्टिक टैंक का आकार कुछ अनुमानों (तरल प्रवाह) पर आधारित होता है, सेप्टिक टैंक के आकार का चयन करते समय सटीक गणना की जानी चाहिए। इस बारे में जानकारी के लिए, कृपया बीआईएस 2470 (भाग 1), 1985 देखें।

नोट 2: फ्री बोर्ड के लिए 300 मिमी का प्रावधान रखना चाहिए।

स्रोतः सीवरेज और मलजल उपचार पर मैनुअल - भाग एः इंजीनियरिंग। सीपीएचईईओ, 2012

सेप्टिक टैंक की क्षमता

टैंक की क्षमता फीकल स्लज निकासी की अवधि को समझने में उपयोगी होती है, सेप्टिक टैंक की क्षमता मापने में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुएं है:

- **अवसादन (सेडीमेंटेशन):** निलंबित ठोस पदार्थों के पर्याप्त अवसादन के लिए प्रत्येक 10 ली/मिनट की पीक दर से प्रवाह के लिए 0.92 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की आवश्यकता होती है। आम तौर पर, अवसादन क्षेत्र की गहराई 0.3 मीटर होती है।
- फीकल स्लज डाइजेशनः डेऐजेशन जोन की क्षमता प्रति कैपिटा 0.032 होनी चाहिए ।
- फीकल स्लज और मल भंडारणः फीकल स्लज सफाई के 1 साल के अंतराल के लिए, एक फीकल स्लज भंडारण क्षमता 0.0002*365 =0.073 m3/कैपिटा की आवश्यकता होती है।
- फ्री बोर्डः कम से कम 0.3 मी.

परिशिष्ट-2

(खंड 14 (i) और 5 (iii) देखें)

नगर पंचायत धौरहरा में फीकल स्लज निकासी और सेप्टेज की ढुलाई सेवा के लिए उपयोगकर्ता शुल्क (यूज़र फ़ीस) की सूची-

क्र.सं.	श्रेणी	रु. में शुल्क की सीमा (प्रतिट्रिप 3000 लीटर तक)
1.	आवासीय	1500
2.	व्यावसायिक	2000
3.	सरकारी स्कूल/कालेज/छात्रावास	1500
4.	निजी स्कूल/कालेज/छात्रावास	2000
5.	सरकारी कार्यालय	2000
6.	होटल रेस्टोरेंन्ट, निजी अस्पताल/सरकारी अस्पताल	2000
7.	राइस मिल/अन्य मिल व औद्योगिक संस्थान	3500

स्रोतः सेप्टेज प्रबंधन के लिए उत्तराखंड राज्य प्रोटोकॉल 2022 से एक संदर्भ लिया गया है।

नोटः1 उपयोगकर्ता शुल्क (यूज़र फ़ीस) की इन सीमाओं में निकाय द्वारा समय-समय पर संशोधन किया जा सकता है

2. उपरोक्त श्रेणियाँ प्रति 3000 लीटर फीकल स्लज एवं सेप्टेज सेप्टेज की निकासी पर आधारित हैं। रेंज की ऊपरी सीमा पर विचार करना चाहिए जब अन्य कचरे (पॉलीबैग की उच्च संख्या, निस्तारण किए गए कपड़े, सैनिटरी पैड, डायपर, कंडोम, प्लास्टिक की बोतलें, अन्य कचरे) को भी व्यापक तरीके से डाला गया हो।

परिशिष्ट-3

(खंड: 7 (vii) देखें)

बचाव उपस्कर और सुरक्षा उपकरण

कार्य स्थल पर निम्नलिखित बचाव उपस्कर और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध होने चाहिए:-

i. शरीर के सुरक्षा वस्त्र मुख्य रूप से पॉलिएस्टर से बने होते हैं, जो रिफ्लेक्टिव होते हैं और रासायन गिरने से शरीर की रक्षा करते हैं
ii. शरीर की रक्षा सज्जा / सुरक्षा बेल्ट
iii. सर्जिकल फेस मास्क / रेस्पिरेटर जो धूल, धुएं, धुंध और जीवाणुओं आदि से बचाता है
iv. सेफ्टी टॉर्च
v. भारी रसायन प्रतिरोधी दस्ताने जो यांत्रिक बचाव और खतरनाक सामग्री के छलक कर गिरने से अतिरिक्त सुरक्षा देते हैं और ब्यूटाइल के बने होते हैं
vi. संक्रामक पदार्थों को आंखों में जाने से रोकने के लिए रासायनिक छींटे झेलने की क्षमता वाले सेफ्टी गॉगल्स
vii. टॉर्च के साथ लगे सेफ्टी हेलमेट (कॉर्डेड) जो अंधेरे में काम करने के लिए मददगार होता है
viii. दुबारा इस्तेमाल होने वाला इयरप्लग, जो एक लचीले बैंड से अच्छी तरह जुड़ा होता है जिसे जरूरत न होने पर गर्दन के चारों ओर पहना जा सकता है। ये सिलिकॉन के बने होने चाहिए और वैक्यूम टैंकरों के आसपास उपयोगी होते हैं जहां औसत ध्वनि स्तर 85dBa से अधिक होता है
ix. आपातकालीन मेडिकल ऑक्सीजन पुनर्जीवन किट
x. गैस मॉनीटर
xi. हेड लैंप
xii. गाइड पाइप सेट
xiii. सेफ्टी ट्राइपॉड सेट
xiv. वेडर बूट
xv. एयर कंप्रेसर और ब्लोअर
xvi. मॉड्यूलर एयरलाइंस सप्लाई ट्रॉली सिस्टम
xvii. रेनकोट

परिशिष्ट-4

(खंड 6 (iii) और 8 देखें)

कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा जनपद-खीरी

Registration form for Private Desludging Operator

फॉर्म 1: निकाय नगर पंचायत धौरहरा जनपद-खीरी में फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रहण, परिवहन और निपटान के लिए लाइसेंस आवेदन पत्र

1. आवेदक का नाम: (श्री/सुश्री): ______________________ ______________________
2. पताः ____
3. पंजीकृत कार्यालय का पता: ______________________________________
4. टेलीफोन नंबरः (कार्यालय)______________________ (मो.):______________

ईमेल आईडीः ____

फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने वाले ऑपरेटर/ठेकेदार का निकाय मोहर के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो चिपकाएं

मल कीचड़ साफ करने वाले वाहनों का विवरण						
क्रम संख्या	वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर	वाहनों का प्रकार (ट्रैक्टर-माउंटेड या ट्रक माउंटेड)	प्रतिरूप (मॉडल) संख्या	वैक्यूम टैंकरों/ टैंकर की छमता (लीटर में)	बीमा किस तारीख तक वैध है	टिप्पणी
i						
ii						
iii						
iv						

7. लाइसेंस की प्रॉसेसिंग फीस के भुगतान का विवरण, नकद__________________ (रसीद संख्या)

8. संलग्न प्रलेखों की सूची (स्व-प्रमाणित प्रति) (हां /नहीं):

दस्तावेज़ के प्रकार	हां /नहीं	दस्तावेज़ के प्रकार	हां /नहीं	दस्तावेज़ के प्रकार	हां /नहीं
पहचान प्रमाण		पता प्रमाण		कर्मचारियों की सूची	
पंजीकरण प्रमाणपत्र		फिटनेस सर्टिफिकेट		बीमा और पॉलिसी अनुसूची के प्रमाण पत्र	
प्रदूषण प्रमाणपत्र		ड्राइविंग लाइसेंस		पासपोर्ट साइज फोटो	

अनुलग्नकों की कुल संख्या:

मैं/हम प्रमाणित करते हैं कि मेरे/हमारे द्वारा कॉलम 1 से 8 में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है। मैं यह भी प्रमाणित करता हूं कि मैंने संलग्न नियमों और शर्तों को पढ़ और समझ लिया है और उनका पालन करने के लिए सहमत हूं। मैं सहमत हूं कि यदि मेरे द्वारा दी गई कोई भी जानकारी गलत पाई जाती है तो लाइसेंस के लिए आवेदन किसी भी समय रद्द करने के लिए उत्तरदायी **रहूँगा**।

आवेदक के हस्ताक्षर

दिनांकः..................

नियम और शर्तें

1. फीकल स्लज एवं सेप्टेज को केवल एक यूएलबी द्वारा जारी लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर द्वारा ही संग्रहीत किया जाएगा और ढुलाई की जाएगी।
2. निर्दिष्ट उपचार संयंत्र तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह और ढुलाई के लिए शुल्क यूएलबी द्वारा समय -समय पर निर्धारित किया जाएगा। कोई भी अनुज्ञप्तिधारी ऑपरेटर घर/संपत्ति के मालिक से निर्धारित शुल्क से अधिक कोई राशि नहीं वसूलेगा।
3. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई यूएलबी द्वारा इस प्रयोजन के लिए अनुमोदित वाहनों द्वारा ही किया जाएगा।
4. लाइसेंसधारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि संग्रह स्थल से निर्दिष्ट उपचार संयंत्र तक ढुलाई के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज का कोई रिसाव न हो।
5. फीकल स्लज एवं सेप्टेज ले जाने वाला वाहन संचलन के दौरान किसी भी आकस्मिक छलकाव के कारण पर्यावरण के लिए किसी भी खतरे से बचने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित होना चाहिए।
6. अनुज्ञप्तिधारी केवल निर्दिष्ट शोधन संयंत्र में ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निपटान करेगा।
7. फीकल स्लज एवं सेप्टेज के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहन पर लाइसेंस की एक प्रति प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी।
8. वाहन/टैंकर कर को पीले रंग से पेंट कियाजाएगाजिस पर लालरंग में सावधानी के साथ "septic tank waste" (अंग्रेजी में) और "मलकुंड अपशिष्ट" (हिंदी में) लिखाहोगा।
9. निर्दिष्ट उपचार संयंत्र सप्ताह में ------ तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करेगा। ऑपरेटरों को तदनुसार अपने डीस्लजिंग संचालन की योजना बनानी चाहिए।
10. प्रभावी सफाई सेवाएं प्रदान करने और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए तैनात कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण के लिए लाइसेंसधारी जिम्मेदार होगा।

क्रमशः 17

11. उपरोक्त बिंदुओं में से किसी के उल्लंघन के मामले में, लाइसेंस रद्द करने के लिए उत्तरदायी होगा, लाइसेंसधारक की सुरक्षा जब्त कर ली जाएगी और वह इन विनियमों के उल्लंघन के लिए निर्धारित दंड का भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होगा।

परिशिष्ट-5

खंड 6 (v) और 8 देखें

लाइसेंस प्रारूप

कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा जनपद-खीरी

License for Private Desludging Operator

फॉर्म 2: फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रहण, ढुलाई और निस्तारण हेतु लाइसेंस प्रदान करना

निकाय नगर पंचायत धौरहरा में फीकल स्लज एवं सेप्टेज मल-कीचड़ और सेप्टेज के संग्रहण, ढुलाई और निस्तारण के लिए लाइसेंस इसके द्वारा अनुमति दी जाती है:

फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने वाले ऑपरेटर/ठेकेदार का निकाय मोहर के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो चिपकाएं

1. आवेदक का नामः (श्री / सुश्री): _____
2. पत्राचार का पताः _____
3. निकाय **(नगर निगम/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत)** का नाम) में फीकल स्लज / सेप्टेज **प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने के लिए** लाइसेंस संख्याः_____
4. **मान्यता** _____ से _____ तक
5. वाहन (वाहनों) का रजिस्ट्रेशन नंबर: (i) _____ (ii) _____ (iii) _____ (iv) _____

लाइसेंस, लाइसेंस धारक द्वारा पिछले पृष्ठ में बताई गई शर्तों के अनुपालन के अधीन होगा।

जारी करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर

नियम और शर्तें

1. फीकल स्लज एवं सेप्टेज को केवल एक यूएलबी द्वारा जारी लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर द्वारा ही संग्रहीत किया जाएगाऔर ढुलाई की जाएगी।
2. निर्दिष्ट उपचार संयंत्र तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह और ढुलाई के लिए शुल्क यूएलबी द्वारा समय -समय पर निर्धारित किया जाएगा। कोई भी अनुज्ञप्तिधारी ऑपरेटर घर/संपत्ति के मालिक से निर्धारित शुल्क से अधिक कोई राशि नहीं वसूलेगा।
3. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई यूएलबी द्वारा इस प्रयोजन के लिए अनुमोदित वाहनों द्वारा ही किया जाएगा।
4. लाइसेंसधारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि संग्रह स्थल से निर्दिष्ट उपचार संयंत्र तक ढुलाई के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज का कोई रिसाव न हो।
5. फीकल स्लज एवं सेप्टेज ले जाने वाला वाहन संचलन के दौरान किसी भी आकस्मिक छलकाव के कारण पर्यावरण के लिए किसी भी खतरे से बचने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित होना चाहिए।
6. अनुज्ञप्तिधारी केवल निर्दिष्ट शोधन संयंत्र में ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निपटान करेगा।
7. फीकल स्लज एवं सेप्टेज के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहन पर लाइसेंस की एक प्रति प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी।
8. वाहन/टैंकर कर को पीले रंग से पेंट कियाजाएगाजिस पर लालरंग में सावधानी के साथ "septic tank waste" (अंग्रेजी में) और "मलकुंड अपशिष्ट" (हिंदी में) लिखाहोगा।
9. निर्दिष्ट उपचार संयंत्र सप्ताह में ----- फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करेगा। ऑपरेटरों को तदनुसार अपने डीस्लजिंग संचालन की योजना बनानी चाहिए।
10. प्रभावी सफाई सेवाएं प्रदान करने और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए तैनात कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण के लिए लाइसेंसधारी जिम्मेदार होगा।
11. उपरोक्त बिंदुओं में से किसी के उल्लंघन के मामले में, लाइसेंस रद्द करने के लिए उत्तरदायी होगा, लाइसेंसधारक की सुरक्षा जब्त कर ली जाएगी और वह इन विनियमों के उल्लंघन के लिए निर्धारित दंड का भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होगा।

परिशिष्ट-6

(खंड 13 (ii), 20 (ii) देखें)

फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकॉर्ड

फॉर्म 3: फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकॉर्ड

नगर पंचायत धौरहरा में मल कीचड़ और सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए

दिनांक:.....समय: .....

I. ऑनसाइट सिस्टम के मालिक का विवरण

1.नाम: .....

2.पता:.....

(क) वार्ड संख्या: .....

(क) टेलीफोन नं:.....

II. रोकथाम

1. निर्माण का वर्ष ..... 2. पिछला कीचड़ निकालना (MM/YYYY):.....

3. आउटलेट मौजूद (हां/नहीं): ..... 4. यदि हां, तो किससे जुड़ा है: .....

5. रोकथाम के प्रकार: (चेकबॉक्स में उपयुक्त विकल्प चुनें)

रोकथाम के प्रकार	सही करें	रोकथाम के प्रकार	सही करें
सेप्टिक टैंक ट्विन		ट्वीन पिट (पंक्तिबध	
संग्रह टैंक		ट्विन पिट (अनलाइन्ड	
सोख्ता गड्ढे के साथ सेप्टिक टैंक		पूरी तरह से अटे टैंक	
सिंगल पिट (लाइनेड)		सिंगल पिट (अनलाइन)	

6. रोकथाम का आकार और आकार:नियंत्रण का प्रकार नियंत्रण का प्रकार टिक करें

7.. संपत्ति के भीतर रोकथाम का स्थान (चेकबॉक्स में नीचे उपयुक्त विकल्प चुनें)

घर में स्थान	सही करें	घर में स्थान	सही करें
घर के पिछले हिस्से में		एक कमरे के फर्श के नीचे	
घर के सामने की तरफ		अन्य	

III. कीचड़ साफ करना

1. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की मात्रा (लीटर) .....
2. कीचड़ निकालने में लगने वाला समय: .....
3. ट्रिप की लंबाई (किमी): .....
4. आने-जाने में समय: .....

IV. कीचड़ साफ करने वाले सेवा प्रदाता का विवरण

ऑपरेटर का नाम: .....

ड्यूटी पर खाली स्टाफ FSSTP ऑपरेटर: .....

ड्यूटी पर टेंक सफ़ाई स्टाफ़ के हस्ताक्षर **उपचार सुविधा ऑपरेटर का हस्ताक्षर**

परिशिष्ट-7

(खंड 21 (i) और 27 (ii) देखें)

होस्ट यूएलबी तथा बिना उपचार संयंत्र वाले निकाय के बीच समझौता ज्ञापन प्रारूप

फॉर्म 4: "होस्ट यूएलबी" पर उपलब्ध "उपचार संयंत्र" में फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति के लिए समझौता ज्ञापन।

होस्ट निकाय के उपचार संयंत्र पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति हेतु निकाय (नगर निगम/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत) और होस्ट निकाय (होस्ट निकाय का नाम) के बीच समझौता ज्ञापन के लिए फॉर्म

फीकल स्लज एवं सेप्टेज एवं सेप्टेज प्रबंधन के तहत, एक्सवाईजेड निकाय (संपर्क करने वाले निकाय का नाम) की प्रशासनिक सीमाओं के भीतर घरों, सार्वजनिक / सामुदायिक शौचालयों के नियंत्रण से आने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज और सेप्टेज (फीकल स्लज एवं सेप्टेज) के सुरक्षित निस्तारण हेतु जरूरी शर्तें पूरा करने के लिए, "होस्ट यूएलबी" (होस्ट निकायका नाम) के प्रशासन के तहत "उपचार संयंत्र" पर, समझौता।

प्रथम पक्ष "होस्ट यूएलबी" - (होस्ट निकाय का नाम)

द्वितीय पक्ष "एक्सवायजेड यूएलबी" - (संपर्क करने वाले निकाय का नाम)

उपबंधः

1. यह कि "प्रथम पक्ष" दिनांक दिन/महीना/वर्ष (प्रारंभ तारीख) से दिन/महीना/वर्ष (प्रारंभ तारीख) तक "द्वितीय पक्ष" की प्रशासनिक सीमाओं से उनके "उपचार संयंत्र" पर आने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति देगा। /वर्ष (अंतिम तिथि)
2. "प्रथम पक्ष "अपने प्रशासनिक क्षेत्र से आने वाले भार से समझौता करने से बचने के लिए अपने "उपचार संयंत्र" पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की दैनिक अनुमत मात्रा की जानकारी देगा।
3. यह कि "द्वितीय पक्ष" समझ के अनुसार "प्रथम पक्ष" को फीकल स्लज एवं सेप्टेज के निस्तारण के प्रति खेप टिपिंग शुल्क के रूप में रु. xxx देने के लिए सहमत है।
4. यह कि "प्रथम पक्ष" उपचार सुविधा के संचालन का समय, अनुमत पहुंच मार्ग, फीकल स्लज एवं सेप्टेज की अनुमत मात्रा, उपचार सुविधा का रखरखाव बंद आदि आवश्यक विवरण समय-समय पर साझा करेगा।
5. कि उपरोक्त कार्यों को करते समय बीच में आने वाली किसी भी कठिनाई को दोनों पक्ष मिलकर सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाएं।
6. कि "द्वितीय पक्ष" केवल लाइसेंसधारी फीकल स्लज निकासी ऑपरेटर को प्रथम पक्ष की उपचार सुविधा पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के निस्तारण की अनुमति देगा।
7. प्रथम पक्ष उपचार सुविधा में उनके लाइसेंस पर "द्वितीय पक्ष" की मुहर के साथ लाइसेंसधारी ऑपरेटर का प्रवेश सुनिश्चित करेगी।

प्रथम पक्ष
अधिशाषी अधिकारी का हस्ताक्षर

द्वितीय पक्ष
अधिशाषी अधिकारी का हस्ताक्षर

परिशिष्ट-8

जुर्माना और फाइन

क्रम संख्या	विवरण	खंड संख्या	सांकेतिक फाइन सीमा (₹₹` में)	जुर्माना (₹ या किसी अन्य पीनल एक्शन में)
1.1	नाला/सड़क/खुले क्षेत्र में अपशिष्ट जल का सीधा/असुरक्षित प्रवाह	3	50-100	
1.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	3	50-100	
1.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	3	10-15 प्रति दिन	संपत्ति की जब्ती
2.1	ओएसएस का अवैज्ञानिक डिजायन और निर्माण	5	100-150	
2.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	5	100-150	
2.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	5	10-15 प्रति दिन	संपत्ति की जब्ती
3.1	बिना निकाय पंजीकरण के वैक्यूम टैंकर परिचालित करना	6	50-100	
3.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	6	50-100	
3.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	6	150-200 प्रति दिन	वाहन की जब्ती
4.1	आकस्मिक बिखराव में भाग लेने के लिए गैर-अनुपालन	16,17	1000-1500	
4.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	16,17	1000-1500	
4.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	16,17	300 प्रति दिन	वाहन की जब्ती
5.1	एसटीपी से अनुपचारित FSS प्रवाहित करना	27,28,33	5000-10000	
5.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	27,28,33	5000-10000	
5.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	27,28,33	1000-1500 प्रति दिन	संपत्ति की जब्ती
6.1	निकायद्वारा अधिसूचित स्थल के अलावा अन्य स्थल पर अनुपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रवाहित करना	6,7,14,27, 28,29	5000-10000	
6.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	6,7,14,27, 28,29	5000-10000	
6.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	6,7,14,27, 28,29	1500-2000 प्रति दिन	वाहन की जब्ती

नोट: जुर्माने और जुर्माने की उपरोक्त तालिका पर नगर स्वच्छता समिति के सदस्यों के बीच पहले चर्चा की जानी चाहिए। शहर में यूएलबी जिस स्तर की सख्ती का पालन करना चाहता है, उसके आधार पर इसे समय-समय पर संशोधित भी किया जा सकता है।

परिशिष्ट-9

अपील हेतु ज्ञापन

(खंड 37 देखें)

फॉर्म 5: अपेलेट बॉडी के पास अपील हेतु ज्ञापन, अपेलेट बॉडी के पास अपील हेतु ज्ञापन का फॉर्म, "अपीली प्राधिकार के पास

---------- (पदनाम)

1. आवेदक का पूरा नाम: .....
2. आवेदक का पता: .....
3. नगर पालिका अधिकारी का विवरण जिसके आदेश के विरुद्ध अपील की गई

नामः ..... पद .....

4. उस आदेश के प्राप्त करने की तारीख जिसके विरुद्ध अपील की गईः.....
5. अपील दायर करने की तारीख: .....
6. सूचना विवरण

क. संक्षेप में अपील की विषय-वस्तु (जिस आदेश के विरूद्ध अपील की गई है उसकी प्रति संलग्न करें)

ख. अपील का आधार (इनमें से किसी का विवरण अलग शीट में संलग्न किया जाना है)

सत्यापन

मैं, ... (अपीलकर्ता का नाम) पुत्र/पुत्री/पत्नी..... एतदद्वारा घोषित करता/करती हूँ कि अपील में दिए गए विवरण मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही हैं और मैंने किसी भी तथ्य को छुपाया नहीं है।

अपीलकर्ता का हस्ताक्षर

स्थानः .....तिथि:.....

अनुलग्नक के रूप में जमा किए गए प्रलेखः

1.....

2.....

.....यहाँ फाड़ें.....

पावती

संख्या..... तिथिः .....

अनुलग्नक फॉर्म के साथ प्राप्त अपील ज्ञापन.....

स्थानः..... तिथिः .....

अधिकृत अधिकारी की मुहर और हस्ताक्षर

आदेश से (नगर निगम/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत का नाम)

(नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी की मुहर एवं हस्ताक्षर)

(नगर निगम/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत का नाम)

परिशिष्ट-10

(खंड 40 देखें)

संदर्भित दस्तावेज

(इन आदर्श उपविधियों की रचना निम्नलिखित अधिनियमों व अन्य राज्य की उपविधियों का अध्ययन करके किया गया है)

निकाय द्वारा मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित प्रलेखों के नवीनतम संस्करण का उपयोग किया जा सकता है:

1. उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916
2. उत्तर प्रदेश सेप्टेज प्रबंधन नीति, 2019 नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार।
3. बिजनौर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन उपविधि, 2022, कार्यालय राजपत्र प्रयागराज, उत्तर प्रदेश सरकार।
4. सलाहकार नोटः शहरी भारत में सेप्टेज प्रबंधन, 2013, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
5. उत्तर प्रदेश में फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश, 2018, शहरी विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार।
6. एकीकृत फीकल स्लज एवं सेप्टेज, सेप्टेज और अपशिष्ट जल प्रबंधन रणनीति सह दिशानिर्देश, 2019, चुनार नगर पालिका परिषद, उत्तर प्रदेश
7. आईएसः 2470 - 1985, सेप्टिक टैंक की स्थापना और सेप्टिक टैंक के प्रवाह के निस्तारण के लिए भारतीय मानक संहिता, भारतीय मानक ब्यूरो,
   (1) (भाग I) डिजाइन शर्तें और निर्माण
   (2) (भाग II) द्वितीयक उपचार और सेप्टिक टैंक के तरल पदार्थ का निस्तारण।
8. सीवरेज और मलजल उपचार प्रणाली पर मैनुअल, 2013, केंद्रीय लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण और पर्यावरण संगठन, भारत सरकार।
9. बिना नेटवर्क तकनीकी पर मेन्यू, 2019, सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट, नई दिल्ली।
10. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन पर राष्ट्रीय नीति, 2017, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार।
11. राष्ट्रीय शहरी स्वच्छता नीति, 2008, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
12. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन (फीकल स्लज एवं सेप्टेज) के उपविधि, 2020, सेप्टेज प्रबंधन के लिए उत्तराखंड राज्य प्रोटोकॉल।
13. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन पर नीति, 2018, तेलंगाना सरकार।
14. तमिलनाडु सरकार का राजपत्र, 2022, फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन पर उपविधि।
15. सेप्टेज प्रबंधन प्रैक्टिशनर गाइड, 2017, विज्ञान और पर्यावरण केंद्र।
16. सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए मानक संचालन प्रक्रिया, 2018, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार
17. फीकल स्लज एवं सेप्टेज / सेप्टेज, 2019, के लिए उथली और गहरी खाइयों पर तकनीकी नोट जल, स्वच्छता एवं स्वच्छता संस्थान, नई दिल्ली
18. प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट, 2013 कानून एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत धौरहरा
लखीमपुर-खीरी

अध्यक्ष
नगर पंचायत धौरहरा
लखीमपुर-खीरी

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,220.60	26,129.60
बढ़त	545.52	190.75
प्रतिशत में	0.64	0.74

सोना 1,37,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,39,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2250, रविन्द्रा 2410, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 1990, सचिन 2010, सूरज 1990, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1855, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2300, ब्लू 2085, आशीर्वाद मस्टर्ड 2300, स्वास्तिक 2490

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7200, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3200, मसूरी- 990, बासमती- 5000, परमल- 1300

दाल दलहन : काला चना- 2200, साबुत चना दाल- 2000, मूंग साबुत- 4700, राजमा- 8200-11200, दाल उड़द- 5200, साबुत मसूर दाल- 3000, मसूर दाल- 2400, उड़द साबुत- 4700, काबुली चना- 8300, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1300

अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि

आरबीआई की वित्तीय स्थिरता की रिपोर्ट के ताजा संस्करण की भूमिका पर बोले गवर्नर मल्होत्रा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि अस्थिर एवं प्रतिकूल बाहरी कारकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत घरेलू खपत और निवेश के दम पर उच्च वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के ताजा संस्करण की भूमिका में मल्होत्रा ने लिखा है कि वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और वित्तीय प्रणाली को मजबूत करना हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि वित्तीय क्षेत्र के नियामक यह मानते हैं कि वित्तीय स्थिरता अपने आप में एक लक्ष्य नहीं है। नवाचार एवं वृद्धि को बढ़ावा देना, उपभोक्ताओं की रक्षा करना, विनियमन व पर्यवेक्षण के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जो वित्तीय प्रणाली की दक्षता में सुधार करता है, समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। गवर्नर ने कहा कि नीति निर्माताओं का सबसे महत्वपूर्ण योगदान एक ऐसी वित्तीय प्रणाली को बढ़ावा देना है जो मजबूत और झटकों के प्रति मजबूत हो,

● कहा- वित्तीय क्षेत्र के नियामक मानते हैं कि वित्तीय स्थिरता अपने आप में लक्ष्य नहीं

वित्तीय सेवाएं प्रदान करने में कुशल हो तथा जिम्मेदार नवाचार को बढ़ावा दे। मल्होत्रा ने कहा कि मजबूत वृद्धि, कम मुद्रास्फीति, वित्तीय व गैर-वित्तीय कंपनियों का बेहतर बही-खाता, पर्याप्त भंडार और सूझ-बूझ वाले नीति सुधारों से भारतीय अर्थव्यवस्था तथा वित्तीय प्रणाली मजबूत बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि अस्थिर और प्रतिकूल बाहरी कारकों के बावजूद, मजबूत घरेलू खपत एवं निवेश से भारतीय अर्थव्यवस्था के उच्च वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। फिर भी, हम बाह्य प्रभावों से उत्पन्न होने वाली अल्पकालिक चुनौतियों को पहचानते हैं और अर्थव्यवस्था की सुरक्षा के लिए निरंतर मजबूत उपाय कर रहे हैं।

चुनौतियों के बावजूद मजबूत वृद्धि की संभावना

मुंबई। वैश्विक आर्थिक माहौल चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत वृद्धि बनाए रखने की संभावना है और इसे मजबूत घरेलू मांग, नियंत्रित मुद्रास्फीति एवं संतुलित व्यापक आर्थिक नीतियों से समर्थन मिल रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को जारी अपनी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) में कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की वित्तीय स्थिति मजबूत है। बैंकों के पास पर्याप्त पूंजी और नकदी भंडार है, उनकी परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है और लाभ भी मजबूत बना हुआ है। घरेलू वित्तीय प्रणाली मजबूत है जिसे सुदृढ़ बहीखाते, अनुकूल वित्तीय हालात और वित्तीय बाजारों में कम उतार-चढ़ाव से समर्थन मिला है। हालांकि, निकट अवधि में भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार अनिश्चितता से जोखिम बने हुए हैं। केंद्रीय बैंक के व्यापक दबाव परीक्षण के परिणाम इसकी पुष्टि करते हैं कि बैंक प्रतिकूल परिस्थितियों में भी संभावित नुकसान सहन करने में सक्षम हैं और उनकी पूंजी नियामकीय न्यूनतम स्तर से काफी ऊपर बनी रहेगी।

समाशोधन निगमों की स्थिति मजबूत

रिपोर्ट में म्यूचुअल फंड कंपनियों और समाशोधन निगमों की स्थिति को भी मजबूत बताया गया है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) पर्याप्त पूंजी, स्थिर आय और बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता के कारण मजबूत बनी हुई हैं। आरबीआई रिपोर्ट के मुताबिक, बीमा क्षेत्र में भी बहीखाते की स्थिति मजबूत है और एकीकृत सॉल्वेंसी अनुपात भी तय न्यूनतम सीमा से ऊपर है। सॉल्वेंसी अनुपात बीमा क्षेत्र में किसी कंपनी की दीर्घकालिक देनदारियों को पूरा करने और पॉलिसीधारकों के दावों का भुगतान करने की क्षमता को मापता है। यह रिपोर्ट वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति के उस सामूहिक आकलन को दर्शाती है, जिसमें भारतीय वित्तीय प्रणाली की मजबूती और वित्तीय स्थिरता से जुड़े जोखिमों का मूल्यांकन किया गया है।

टीवी, रेफ्रिजरेटर, एलपीजी चूल्हा, कूलिंग टॉवर पर स्टार रेटिंग अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने 1 जनवरी से रेफ्रिजरेटर, टीवी, एलपीजी गैस चूल्हा एवं कूलिंग टॉवर जैसे कई उपकरणों पर ऊर्जा दक्षता वाली स्टार रेटिंग को अनिवार्य कर दिया है। बिजली मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की गजट अधिसूचना के मुताबिक, इस नए नियम का विस्तार डीप फ्रीजर, वितरण ट्रांसफॉर्मर और ग्रिड से जुड़े सोलर इनवर्टर पर भी होगा।

उल्लेखनीय है कि बीईई का स्टार रेटिंग ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इसके तहत उपकरणों पर एक से पांच स्टार की रेटिंग दी जाती है जो बताता है कि संबंधित उपकरण कितनी बिजली खपत करेगा। पहले फ्रॉस्ट-फ्री एवं डायरेक्ट कूल रेफ्रजरेटर, डीप

● बिजली मंत्रालय के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो की अधिसूचना के अनुसार नियम आज से लागू

रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर (कैसेट, फ्लोर स्टैंडिंग टावर, सीलिंग, कॉर्नर एसी), रंगीन टीवी और अल्ट्रा एचडी टीवी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर स्टार रेटिंग को दर्शाना स्वैच्छिक था। एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि स्टार-रेटिंग वाले उपकरणों की सूची समय-समय पर अद्यतन की जाती है। इन उपकरणों के लिए मसौदा नियम जनता से सुझाव लेने के लिए जारी किए गए थे।

डीआईआई के साथ से सेंसेक्स-निफ्टी में बढ़त

मुंबई, एजेंसी

● पांच कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद बाजार ने की वापसी

साल के आखिरी सत्र में बुधवार को घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का साथ मिलने से सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक प्रतिशत तक चढ़ गए। लगातार कारोबारी सत्रों में गिरावट के बाद दोनों सूचकांक ने बढ़त दर्ज की है।

बीएसई का सेंसेक्स 545.52 अंक उछलकर 85,220.60 अंक पर बंद हुआ। सत्र के दौरान 762.09 अंक बढ़ा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी चार दिनों की गिरावट से उबरकर 190.75 अंक चढ़कर 26,129.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, टाइटन और ट्रेंट के शेयर बढ़त में रहे। टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और सन फार्मा के शेयरों में बिकवाली देखी गई। इस साल सेंसेक्स 7,081.59 अंक यानी 9% चढ़ा, जबकि निफ्टी में 2,484.8 अंक यानी 10.50% की तेजी रही। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में कारोबार के दौरान हल्की गिरावट देखी गई। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। मंगलवार को विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने 3,844.02 करोड़ के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 6,159.81 करोड़ के शेयर खरीदे।

वीआईएल के एजीआर बकाया पर सरकार ने लगाई रोक

नई दिल्ली। सरकार ने वोडाफोन-आइडिया के लिए बड़े राहत पैकेज को बुधवार को मंजूरी दी। इसके तहत उसके बकाया भुगतान से पांच साल की मोहलत दी गई है। इससे कर्ज में फंसी दूरसंचार कंपनी को बड़ी राहत मिली है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के 87,695 करोड़ रुपये के समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर रोक लगाने पर सहमति जताई है जिसे संकटग्रस्त कंपनी को वित्त वर्ष से 2031-32 से 2040-41 तक चुकाना होगा।

● वोडाफोन-आइडिया को बड़ी राहत देते हुए दी गई पांच साल की मोहलत

एजीआर बकाया से तात्पर्य समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) के आधार पर दूरसंचार कंपनियों द्वारा सरकार को देय भुगतान से है। यह वह राजस्व है जिस पर दूरसंचार संचालकों को लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क का भुगतान करना होता है। इसमें सभी राजस्व शामिल हैं यहां तक कि गैर-दूरसंचार आय (जैसे ब्याज, किराया, परिसंपत्ति बिक्री) भी। इन बकाया राशियों के अलावा 2017-18 और 2018-19 से संबंधित एजीआर बकाया कंपनी द्वारा 2025-26 से 2030-31 के बीच बिना बदलाव के देय होगा।

ईयू का कार्बन कर आज से होगा लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोपीय संघ (ईयू) का कुछ धातुओं पर कार्बन कर (सीबीएएम) 1 जनवरी से लागू होने जा रहा है, जिससे भारत के इस्पात एवं एल्युमीनियम निर्यात को झटका लग सकता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यूरोपीय संघ के 27 देशों का समूह उन वस्तुओं पर यह कर लगा रहा है, जिनके निर्माण के दौरान कार्बन उत्सर्जन होता है। इस्पात क्षेत्र में ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीएफ-बीओएफ) मार्ग में उत्सर्जन सबसे अधिक होता है जबकि गैस आधारित डीआरआई में यह कम तथा कबाड़ (स्क्रैप) आधारित इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) में सबसे कम होता है। इसी तरह एल्युमीनियम में बिजली का स्रोत एवं ऊर्जा की खपत अहम भूमिका निभाती है। कोयले से उत्पादित बिजली से कार्बन बोझ बढ़ता है, जिससे सीबीएएम लागत भी अधिक होती है।

भारतीय इस्पात, एल्युमीनियम निर्यातकों को नुकसान की आशंका

छोटे निर्यातक ईयू बाजार से हो सकते हैं बाहर

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ईयू में प्रवेश करने वाली भारतीय इस्पात एवं एल्युमीनियम की हर खेप पर कार्बन लागत जुड़ेगी क्योंकि सीबीएएम रिपोर्टिंग चरण से भुगतान चरण में प्रवेश करेगा। जटिल आंकड़ा और सत्यापन प्रक्रियाओं से अनुपालन लागत बढ़ेगी, जिससे कई छोटे निर्यातक ईयू बाजार से बाहर हो सकते हैं। उत्सर्जन का सही आकलन अब प्रतिस्पर्धा का आधार बन गया है। 2026 से उत्सर्जन आंकड़ों का स्वतंत्र सत्यापन अनिवार्य होगा और केवल ईयू-मान्यता प्राप्त या आईएसओ 14065 के अनुरूप सत्यापनकर्ताओं को ही स्वीकार किया जाएगा। आईएसओ 14065 पर्यावरणीय सूचना विवरणों के सत्यापन एवं प्रमाणीकरण करने वाले निकायों के लिए सिद्धांतों और आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करता है। कम उत्सर्जन वाले उत्पादकों के लिए हालांकि सीबीएएम प्रतिस्पर्धात्मक लाभ भी बन सकता है। जीटीआरआई के अनुसार, भारत का ईयू को इस्पात एवं एल्युमीनियम निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 7.71 अरब डॉलर से घटकर 2025 में 5.82 अरब डॉलर रह गया जो 24.4 प्रतिशत की गिरावट है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, कई भारतीय निर्यातकों को कीमतों में 15 से 22 प्रतिशत तक की कटौती करनी पड़ सकती है ताकि ईयू के आयातक उसी मुनाफे (मार्जिन) से सीबीएएम कर का भुगतान कर सकें। भारतीय निर्यातकों को सीधे तौर पर कर का भुगतान नहीं करना पड़ेगा क्योंकि यूरोपीय संघ स्थित आयातकों (जो अधिकृत सीबीएएम घोषणाकर्ता के रूप में पंजीकृत हैं) को आयातित वस्तुओं में निहित उत्सर्जन से संबंधित सीबीएएम प्रमाणपत्र खरीदने होंगे। इसका भार अंततः भारतीय निर्यातकों पर पड़ेगा।

राष्ट्रीय

सुधारों की गति के लिए 'प्रगति' जरूरी : मोदी

प्रधानमंत्री ने प्रगति की 50वीं बैठक में सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को प्रगति की 50वीं बैठक में सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र पर जोर दिया। प्रगति ने एक दशक में 85 लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को गति दी है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री ने परियोजना जीवन-चक्र के हर चरण में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नागरिकों के लिए त्वरित क्रियान्वयन, उच्च गुणवत्ता और बेहतर परिणामों को सुनिश्चित करने के लिए आने वाले वर्षों में सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन (प्रगति) मंच को और मजबूत किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सुधारों की गति को बनाए रखने और कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए प्रगति जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रगति मंच का इस्तेमाल करके राष्ट्रीय हित में लंबे समय से लंबित परियोजनाओं

● बैठक में सड़क, रेलवे, बिजली, कोयला व जल संसाधन समेत कई क्षेत्रों की समीक्षा हुई

को पूरा किया गया है। प्रगति सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट उदाहरण है। बै

ठक के दौरान, प्रधानमंत्री ने सड़क, रेलवे, बिजली, जल संसाधन और कोयला समेत विभिन्न क्षेत्रों की पांच महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की। आधिकारिक बयान के अनुसार ये परियोजनाएं पांच राज्यों में फैली हुई हैं, जिनकी कुल लागत 40,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसमें पीएम श्री योजना की समीक्षा के दौरान, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल समग्र और भविष्य के लिए तैयार स्कूली शिक्षा के लिए एक राष्ट्रीय मानदंड बननी चाहिए, जिसमें बुनियादी ढांचे पर केंद्रित होने के बजाय परिणाम-उन्मुख कार्यान्वयन हो। उन्होंने सभी मुख्य सचिवों को पीएम श्री योजना पर कड़ी निगरानी रखने का भी निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि पीएम श्री स्कूलों को राज्य सरकारों के अन्य स्कूलों के लिए मानक बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए। मोदी ने कहा कि सुधारों की गति और उनके परिणाम सुनिश्चित करने के लिए 'प्रगति' आवश्यक है।

मोदी ने अगले चरण के लिए स्पष्ट अपेक्षाएं कीं साझा

प्रधानमंत्री ने अगले चरण के लिए स्पष्ट अपेक्षाएं साझा कीं और सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के अपने दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुधार का उद्देश्य सरलता लाना, प्रदर्शन का उद्देश्य परिणाम देना और परिवर्तन का उद्देश्य प्रभाव डालना है। मोदी ने कहा कि प्रदर्शन का अर्थ समय, लागत और गुणवत्ता पर समान रूप से ध्यान केंद्रित करना होना चाहिए। प्रगति के माध्यम से परिणाम-उन्मुख शासन को मजबूती मिली है और अब इसे और भी गहराई तक ले जाना होगा। प्रगति मंच का उपयोग करके राष्ट्रीय हित में लंबे समय से लंबित परियोजनाओं को पूरा किया गया है। मोदी ने प्रगति की 50वीं बैठक में इस उपलब्धि को पिछले एक दशक में भारत की शासन संस्कृति में आए गहरे परिवर्तन का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए पर्याप्त संसाधन सुनिश्चित किए हैं और सभी क्षेत्रों में निरंतर निवेश किया है।

बंगाल में घुसपैठ -भ्रष्टाचार का खतरा

कोलकाता, एजेंसी

भाजपा के लिए 2026 के पश्चिम बंगाल चुनाव की भूमिका तय करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को घुसपैठ और भ्रष्टाचार के मुद्दों को राज्य की सत्ता से तृणमूल कांग्रेस को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए पार्टी का मुख्य चुनावी हथियार बताया। पूर्वी कोलकाता के 'साइंस सिटी ऑडिटोरियम' में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और नेताओं की बंद कमरे में हुई बैठक में शाह ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के तहत घुसपैठ और भ्रष्टाचार ने संस्थागत रूप ले लिया है और यह महानगर इन बुराइयों के प्रभाव से ज्यादा समय तक अछूता नहीं रह पाएगा।

शाह भाजपा के कोलकाता महानगर क्षेत्र के बूथ स्तर और मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। यह क्षेत्र शहर और आसपास की 28 विधानसभा सीटों को शामिल करता है। यह बैठक शाह के 48 घंटे के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान लगातार

कोलकाता में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल अमित शाह।

● कार्यकर्ताओं और नेताओं की बंद कमरे में केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने ली बैठक

आयोजित बैठकों की श्रृंखला की अंतिम कड़ी थी। उन्होंने एजेंडा तय किए, नेताओं को जिम्मेदारियां सौंपीं, राज्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ समन्वय किया और आगामी महीनों में चुनावी मैदान में उतरने के लिए मुद्दों को अंतिम रूप दिया। बैठक में शामिल कार्यकर्ता के अनुसार शाह ने कहा कि दिल पे लिख लो, इस बार हमारी सरकार। शाह ने कहा कि घुसपैठ का खतरा मौजूद है और लोग नहीं जागे तो शहरवासी जल्द ही इससे गंभीर रूप से प्रभावित होंगे।

विस चुनाव को लेकर की कार्य योजना पर चर्चा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा की राज्य इकाई की तैयारियों का जायजा लेने के तहत अमित शाह ने पार्टी के वर्तमान एवं पूर्व जन प्रतिनिधियों के समक्ष कार्य योजना प्रस्तुत की तथा पार्टी की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष को मुख्य चुनावी चेहरों में से एक पेश किया। राज्य में भाजपा की गतिविधियों में अग्रणी भूमिका से पिछले कई महीनों से काफी हद तक दूर रहे घोष को भी बंद दरवाजे के भीतर हुई इस बैठक के लिए आमंत्रित किया गया था। ऐसा बताया जा रहा है कि शाह ने एक अलग बैठक की जिसमें घोष के साथ-साथ राज्य इकाई के एक अन्य पूर्व अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, मौजूदा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य और राज्य में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे।

इंदौर में दूषित पानी से डायरिया, 9 की मौत

भोपाल, एजेंसी

● देश में सबसे स्वच्छ घोषित शहर में सैकड़ों लोग अस्पताल में भर्ती

● नगर निगम के दो अफसर निलंबित, एक बर्खास्त

इंदौर शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से फैले संक्रमण ने गंभीर रूप ले लिया। डायरिया होने के बाद छह महीने के एक बच्चे सहित अब तक नौ लोगों की मौत होने का दावा किया जा रहा है, जबकि सैकड़ों लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें बड़ी संख्या में बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सात लोगों की मौत की पुष्टि की है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार भागीरथपुरा के अब तक 1146 मरीजों का इलाज हो चुका है, जबकि 150 से अधिक मरीज कई अस्पतालों में भर्ती हैं। स्थिति ये है कि क्षेत्र के हर दूसरे घर से कोई न कोई व्यक्ति अस्पताल में है। लापरवाही सामने आने के बाद निगम के जोनल अधिकारी शालिग्राम सितोले और सहायक यंत्री योगेश जोशी को निलंबित कर दिया गया है, जबकि प्रभारी उपयंत्री शुभम श्रीवास्तव को सेवा से बर्खास्त किया गया है। जांच के लिए एडीएम नवजीवन पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताया और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि देने तथा सभी मरीजों का मुफ्त इलाज कराने की घोषणा की है। उधर, मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

राजस्थान : कार से 150 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद

टोंक। राजस्थान के टोंक जिले की पुलिस ने एक कार से 150 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, 200 कारतूस और सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडलों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह विस्फोटक सामग्री अरावली क्षेत्र में अवैध खनन स्थलों पर विस्फोट के लिए ले जाई जा रही थी।

● 200 कारतूस और सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडलों के साथ दो लोग गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि जब्त सामग्री के स्रोत, इसे कहां ले जाया जा रहा था, संभावित उपयोग और किसी आपराधिक नेटवर्क से संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। आरोपियों में बूंदी जिले के निवासी सुरेंद्र पटवा और सुरेंद्र मोची है। टोंक पुलिस उपाधीक्षक (नगर) मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि आरोपी विस्फोटक सामग्री को बूंदी से टोंक ले जा रहे थे। एनएच-52 पर गश्त के दौरान जब पुलिस ने उन्हें पकड़ा तो आरोपियों ने दावा किया कि वे बोरियों में कृषि उपयोग के लिए खाद ले जा रहे हैं। तलाशी पर बोरियों में अमोनियम नाइट्रेट मिला। इसके 200 कारतूस और 1,100 मीटर लंबाई के सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडल भी मिलें। विस्फोटक सामग्री ढोने के लिए इस्तेमाल की गई कार को भी पुलिस ने जब्त कर लिया गया है।

ठंड-कोहरे की मार झेल रहा उत्तर भारत, जनजीवन प्रभावित

● वाहनों के पहिए थमे, कई राज्यों में स्कूल बंद, पहाड़ों पर बर्फबारी जारी

नई दिल्ली, एजेसी

देश का उत्तरी हिस्सा कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की मार झेल रहा है। ठंड से कई राज्यों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं तो कई में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। वहीं घने कोहरे से वाहन सड़कों पर रेंगते नजर आ रहे है, जिससे समूचे उत्तर भारत का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जहां कोहरे से बसें रेंग रही हैं, वहीं रेलगाड़ियां भी घंटों लेट चल रही हैं।

वहीं, दिल्ली बुधवार को घने कोहरे की चादर में लिपटी रही और वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया। कई जगहों पर दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) औसतन 384 रहा। 21 केंद्रों

पर बहुत खराब और 16 केंद्रों पर 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई।

असम में ठंड से स्कूल एक सप्ताह के लिए बंद : ठंड को देखते हुए असम के कई जिले में स्कूलों को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया गया है। आईएमडी ने कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और हल्के कोहरा का पूर्वानुमान जताया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की है।

कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी

श्रीनगर। कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई। साथ ही मौसम विभाग ने 24 घंटे में हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी के बावजूद, घाटी में असामान्य रूप से मौसम गर्म रहा, जहां तापमान सामान्य से तीन से सात डिग्री अधिक है। बांदीपोरा के गुरेज, बारामूला के गुलमर्ग और कुपवाड़ा के माछिल सहित उत्तरी कश्मीर के कुछ हिस्सों में ताजा बर्फबारी हुई।

झारखंड में घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी

रांची। आईएमडी ने झारखंड में दो दिन तक घने कोहरे की आशंका को देखते हुए बुधवार को येलो अलर्ट जारी किया। गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में घना कोहरा छाया रहेगा। राज्य में सबसे ठंडा स्थान गुमला रहा, जहां तापमान 3.9 डिग्री रहा। रांची में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजस्थान में करौली सबसे ठंडा

जयपुर। राजस्थान के करौली का तापमान 4.6 डिग्री रहा। अलवर में पारा 6.5, दौसा में 6.6, टोंक में 6.9, पिलानी में 8.8, चूरू में 9.1 और भीलवाड़ा में 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा। कई जिलों में बारिश और राज्य के उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में बेहद घना कोहरा छाने की आशंका है।

बिहार में कक्षा आठ तक के स्कूल बंद

पटना। कड़ाके की ठंड और घने कोहरे से बिहार में कक्षा आठ तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पटना डीएम सरकारी और निजी विद्यालयों को यह निर्देश जारी किया है। इसके दायरे में आंगनबाड़ी केंद्र भी हैं। हालांकि, पढ़ाई बाधित न हो इसके लिए आठवीं से ऊपर की कक्षाओं के संचालन का समय बदल दिया गया है।

नव विहान की दस्तक...

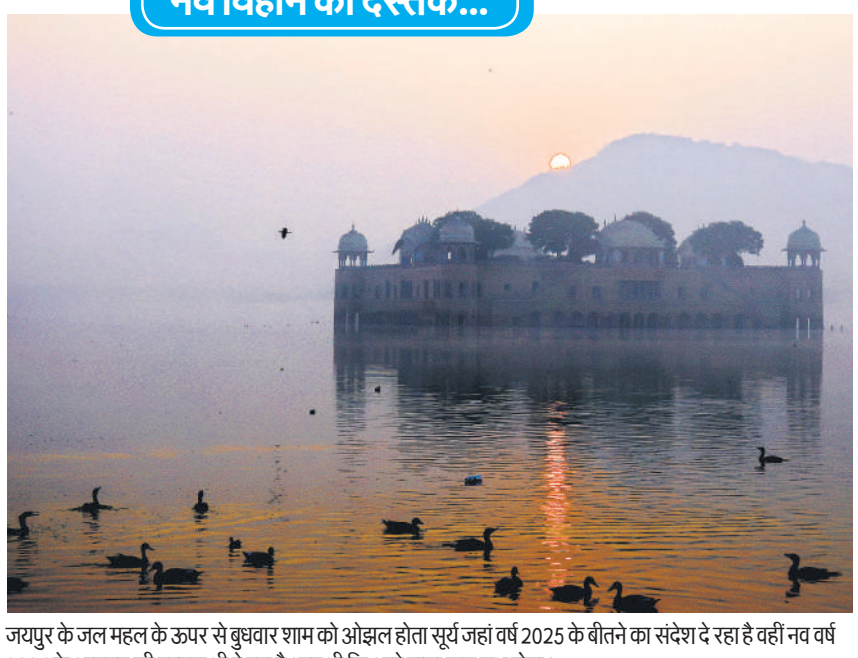

जयपुर के जल महल के ऊपर से बुधवार शाम को ओझल होता सूर्य जहां वर्ष 2025 के बीतने का संदेश दे रहा है वहीं नव वर्ष 2026 के आगमन की दस्तक भी दे रहा है। यह भी कि आने वाला कल शुभ होगा।

गणतंत्र दिवस परेड में दिखाई देगी सेना के मूक योद्धाओं की झलक

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड में इस बार कर्तव्य पथ पर सेना के मार्चिंग दस्तों और हथियारों के साथ-साथ देश की रक्षा में प्राणों की बाजी तक लगाने वाले उसके 'मूक योद्धाओं' यानी पशु दस्ते की झलक भी देखने को मिलेगी। यह एक विशेष और भावनात्मक दृश्य होगा जिसमें सेना के पशु दस्ते पहली बार र संगठित रूप में परेड में शामिल होंगे। ये पशु न केवल सेना की ताकत का प्रतीक होंगे बल्कि यह भी बताएंगे कि देश की रक्षा में उनके योगदान को कितनी अहम जगह दी जाती है। इस विशेष दस्ते में दो बैक्ट्रियन ऊंट , चार ज़ांस्कर पोनी, चार शिकारी पक्षी (रैप्टर्स), सेना के दस देसी श्वान और 6 पारंपरिक सैन्य श्वान शामिल होंगे।

सेना के भरोसे पर खरे श्वान

- परेड का सबसे भावुक हिस्सा भारतीय सेना के श्वान होंगे जिन्हें प्यार से मूक योद्धा कहा जाता है। इन श्वान को मेरठ स्थित रिमाउंट एंड वेटरनरी कोर में प्रशिक्षित किया जाता है। ये आतंकवाद विरोधी अभियानों, विस्फोटक और बारूदी सुरंगों की पहचान, खोज-बचाव कार्यों और आपदा राहत में सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं। कई मौकों पर इन श्वान ने अपनी जान की परवाह किए बिना सैनिकों की जान बचाई है। आत्मनिर्भर भारत के तहत सेना अब मुधोल हाउंड, रामपुर हाउंड, चिप्पीपराई, कोम्बई और राजापलायम जैसी भारतीय नस्लों के कुत्तों को भी बड़े स्तर पर शामिल कर रही है। यह भारत की अपनी क्षमताओं पर बढ़ते भरोसे का साफ संकेत है।

देश की रक्षा में पशुओं का भी योगदान

- गणतंत्र दिवस परेड में जब ये पशु कर्तव्य पथ से गुजरेंगे तो यह याद दिलाएंगे कि देश की रक्षा सिर्फ हथियारों से नहीं होती। सियाचिन की बर्फीली चोटियों से लेकर लद्दाख के ठंडे रेगिस्तान तक, इन पशुओं ने चुपचाप लेकिन मजबूती से अपना फर्ज निभाया है। ये सिर्फ सहायक नहीं हैं, बल्कि भारतीय सेना के सच्चे साथी और चार पैरों पर चलने वाले वीर योद्धा हैं। इन पशुओं पर भारतीय सेना को नाज है। यह ने केवल जांबाज योद्धा है वरन सैनिकों के रक्षक और दोस्त भी हैं।

बैक्ट्रियन ऊंट

- पशु दस्ते की अगुवाई बैक्ट्रियन ऊंट करेंगे, जिन्हें हाल ही में लद्दाख के ठंडे रेगिस्तानी इलाकों में तैनात किया गया है। ये ऊंट बहुत ठंडे मौसम और 15,000 फुट से ज्यादा ऊंचाई पर आसानी से आ-जा सकते हैं। ये 250 किलो तक सामान ढो सकते हैं और कम चारे-पानी में लंबी दूरी तय करते हैं। इससे सेना को दूरदराज और कठिन इलाकों में रसद पहुंचाने में बड़ी मदद मिलती है।

पोनी और रैप्टर्स

- परेड में जांस्कर पोनी जो लद्दाख की एक दुर्लभ और स्वदेशी नस्ल हैं। छोटी होने के बावजूद जबरदस्त ताकत और सहनशक्ति होती है। ये पोनी शून्य से 40 डिग्री कम तापमान और अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में 40 से 60 किलो वजन लेकर चल सकती हैं। ये कई बार एक दिन में 70 किमी तक गश्त करती हैं। चार शिकारी पक्षी (रैप्टर्स) और लंबी टांग वाले बाज भी परेड में शामिल होंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

जर्मनी में बैंक से उड़ाए तीन करोड़ यूरो

बर्लिन। जर्मनी के एक बैंक की छुट्टियों में उस समय खलल पड़ गई जब कुछ चोरों ने एक बड़ी ड्रिल की मदद से बैंक के वॉल्ट में घुसकर तीन करोड़ यूरो (3.5 करोड़ डॉलर) की नकदी, सोना और गहने चुरा लिए। पुलिस और बैंक ने बताया कि पश्चिमी शहर गेल्सेंकिर्चेन में हुई इस घटना में गैंग ने 3,000 से ज़्यादा डिपॉजिट बॉक्स तोड़ दिए और लूट का सामान लेकर भाग निकले और अभी भी फरार हैं। मंगलवार को सैकड़ों बैंक ग्राहक ब्रांच के बाहर जमा हो गए और जानकारी की मांग करने लगे।

ईरान-वेनेजुएला नए अमेरिकी प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान और वेनेजुएला के बीच कथित तौर पर हो रहे हथियारों के व्यापार को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए दोनों देशों की 10 संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिका का आरोप है कि तेहरान, वेनेजुएला को पारंपरिक हथियारों की आपूर्ति कर रहा है, जिससे अमेरिकी सुरक्षा हितों को खतरा पैदा हो गया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि इन प्रतिबंधों का उद्देश्य ईरान और वेनेजुएला के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग को रोकना है।

डॉ. जोशी को एशिया कॉन्टिनेंट अवार्ड

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के सुप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य एवं समाजसेवी डॉ. (वैद्य) शिवशंकर जोशी को नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक शांति समरसता सम्मेलन में एशिया कॉन्टिनेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

बेगम खालिदा जिया राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक

पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बगल में दफनाया गया

- संसद परिसर में पढ़ी गई जनाजे की नमाज, उमड़े लाखों समर्थक

ढाका, एजेंसी

बंगलादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री एवं देश की राजनीति की दिग्गज शख्सियत बेगम खालिदा जिया को बुधवार को प्रशंसकों एवं समर्थकों के भारी भीड़ के बीच सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मंगलवार की सुबह बेगम जिया का 80 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। बुधवार की सुबह सात बजे नमाज-ए-जनाजा निकला तो ढाका एवं अन्य जिलों से लोगों का काफिला उमड़ पड़ा। बेगम जिया को उनके पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बगल में पूरे राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

इसके पूर्व कड़ी सुरक्षा के बीच खालिदा जिया के जनाजे की नमाज अदा की गई। नमाज-ए-जनाजा बुधवार दोपहर को मानिक मियां एवेन्यू में अदा की गई। बैतुल मुकर्रम राष्ट्रीय मस्जिद के खतीब मुफ्ती मोहम्मद अब्दुल मलिक ने जनाजे की नमाज अदा की, जबकि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की स्थायी समिति के सदस्य नजरुल इस्लाम खान ने जिया की संक्षिप्त जीवनी पढ़ी। अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस, प्रधान न्यायाधीश जुबैर रहमान चौधरी और खालिदा जिया के बेटे एवं बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान विदेशी गणमान्य व्यक्तियों, अंतरिम सरकार के सलाहकारों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और वरिष्ठ सरकारी एवं सैन्य अधिकारियों के साथ जनाजे की नमाज में शामिल हुए। जिया के बड़े बेटे रहमान ने नमाज से पहले वहां मौजूद लोगों से कहा कि कृपया अल्लाह से दुआ करें कि उन्हें जन्नत में जगह मिले। बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रहीं जिया की नमाज-ए-जनाजा में लाखों लोग शामिल हुए। लोगों ने जिया की आत्मा की शांति के लिए दुआ की।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में संसद भवन के बाहर पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नमाज-ए-जनाजा के दौरान लाखों की संख्या में उनके प्रशंसक एवं समर्थकों की भीड़ उमड़ी, उनकी तस्वीर वाला झंडा लहराता एक समर्थक।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत की ओर से व्यक्त की संवेदना

ढाका। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पत्र सौंपा। जयशंकर पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शमिल होने के लिए यहां पहुंचे हैं। ढाका पहुंचने के तुरंत बाद जयशंकर ने बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष और जिया के सबसे बड़े बेटे रहमान से मुलाकात की और तीन दशकों से अधिक समय तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखने वाली इस महान नेता के निधन पर भारत की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में कहा कि मैंने उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पत्र सौंपा। मैंने भारत सरकार और जनता की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी ने शोक व्यक्त किया था।

ईडी ने लंदन में बकिंघम पैलेस के पास कुर्क की 150 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

- बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में एजेंसी ने की कार्रवाई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कपड़ा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड और उसके पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नितिन कासलीवाल से जुड़े कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और धनशोधन मामले में लंदन में बकिंघम पैलेस के पास स्थित 150 करोड़ रुपये मूल्य की एक अचल संपत्ति को कुर्क किया है।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को कहा कि इस संपत्ति को कुर्क करने के लिए मंगलवार को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया कि बकिंघम पैलेस के पास स्थित 150 करोड़ रुपये मूल्य की यह उच्च मूल्य वाली संपत्ति नितिन शंभुकुमार कासलीवाल और उनके परिवार के सदस्यों के लाभकारी स्वामित्व में है। ईडी के अनुसार, कासलीवाल पर भारतीय बैंकों के एक संघ ने लगभग 1,400 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। विदेश में स्थित संपत्ति को कुर्क करने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उस

देश की समकक्ष एजेंसियों से संपर्क करता है ताकि धनशोधन रोधी कानून के आपराधिक प्रावधानों के तहत ऐसी संपत्ति का कब्जा लिया जा सके।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि नितिन कासलीवाल ने एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के माध्यम से बैंकों के एक संघ के साथ धोखाधड़ी की और विदेशी निवेश की आड़ में धनराशि को भारत से बाहर भेज दिया। इसके बाद उन्होंने विदेशों में कई अचल संपत्ति खरीदीं जिन्हें विदेशी क्षेत्रों में निजी ट्रस्ट और कंपनियों की जटिल संरचना के माध्यम से छिपाया गया। ईडी ने इस मामले में 23 दिसंबर को छापेमारी की थी और कुछ दस्तावेज तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए थे। एजेंसी ने कहा कि उक्त सामग्री के विस्तृत विश्लेषण से पता चला कि नितिन कासलीवाल ने

जमीन अधिग्रहण मामले में दस ठिकानों पर तलाशी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने हाल ही में छत्तीसगढ़ के रायपुर और महासमुंद में भारतमाला योजना के तहत रायपुर-विशाखापत्तनम राजमार्ग परियोजना के लिए ज़मीन अधिग्रहण के बदले गैर-कानूनी मुआवज़ा लेने के मामले में दस ठिकानों पर तलाशी ली। ईडी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने कहा कि इस मामले में हरमीत सिंह खनूजा और घर और कार्यालयों के दस ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। ईडी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध शाख (ईओडब्ल्यू), रायपुर द्वारा निर्भय साहू, तत्कालीन एसडीओ (राजस्व), अभनपुर, रायपुर और दूसरों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के तहत दर्ज प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की

ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स, जर्सी और स्विट्जरलैंड सहित कई देशों में ट्रस्ट और कंपनियों का एक जटिल नेटवर्क स्थापित किया था।

चीन और ताइवान का एकीकरण अपरिहार्य

बीजिंग, एजेंसी

- चीनी राष्ट्रपति बोले-मातृभूमि का एक होना समय की मांग

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नववर्ष के मौके पर बुधवार को अपने संबोधन में कहा कि चीन के साथ ताइवान का पुनः एकीकरण अपरिहार्य है। उन्होंने देश की बढ़ती रक्षा क्षमताओं का उल्लेख करते हुए ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को भी रेखांकित किया।

राष्ट्रीय टेलीविजन पर प्रसारित 2026 के नववर्ष संदेश में शी ने कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों ओर रहने वाले चीनी लोगों के बीच रक्त व पारिवारिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि हमारी मातृभूमि का पुनः एकीकरण समय की मांग है और इसे रोका नहीं जा सकता। यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन ने पिछले तीन दिन में स्वशासित ताइवान द्वीप के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियों को तेज कर दिया है। चीन ताइवान को अपने मुख्य भूभाग का हिस्सा मानता है।

अवैध रूप से बना था गोवा का नाइट क्लब

पणजी, एजेंसी

गोवा के जिस नाइटक्लब में दिसंबर के पहले सप्ताह में आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई, वह अवैध रूप से बनाया गया था और बिना लाइसेंस के संचालित किया जा रहा था। राज्य सरकार के निर्देश पर हुई मजिस्ट्रेट जांच की रिपोर्ट में बुधवार को यह खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव में स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' बिना वैध लाइसेंस के अवैध रूप से संचालित किया जाता रहा और स्थानीय पंचायत ने संपत्ति को सील करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की। रिपोर्ट के अनुसार, छह दिसंबर की रात प्रतिष्ठान में उचित सावधानी व सतर्कता बरते बिना तथा पर्याप्त अग्नि-सुरक्षा उपकरणों के बगैर आतिशबाजी की गई जिसके कारण आग लग गई। इस हादसे में नाइटक्लब के कर्मचारियों और पर्यटकों समेत 25 लोगों की मौत हो गई थी।

सरपंच अयोग्य घोषित, पंचायत सचिव बर्खास्त

पणजी। गोवा के दुर्भाग्यपूर्ण नाइट क्लब अग्निकांड की मजिस्ट्रेट जांच समिति की रिपोर्ट में दोषी पाए जाने पर अरपोरा-नागोवा गांव के सरपंच को अयोग्य घोषित कर दिया गया है और स्थानीय पंचायत के तत्कालीन सचिव को गोवा सरकार ने बुधवार को सेवा से बर्खास्त कर दिया। दो अलग-अलग आदेशों में पंचायत निदेशक महादेव अरौंडेकर ने अरपोरा-नागोवा के सरपंच रोशन रेडकर को अयोग्य घोषित कर दिया और तत्कालीन पंचायत सचिव रघुवीर बागकर को सेवा से बर्खास्त कर दिया। मजिस्ट्रेट जांच रिपोर्ट में अरौंडेकर ने रेडकर के आचरण को कर्तव्यों में लगातार लापरवाही बताया गया। रेडकर को पंचायत की सदस्यता से हटा दिया गया है और पांच साल के लिए पंचायत में कोई भी पद धारण करने से रोक दिया गया है।

- मजिस्ट्रेट ने अपनी जांच रिपोर्ट में किया खुलासा

क्वाड देशों के राजदूतों ने बीजिंग में की बैठक

बीजिंग। चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के सदस्य देशों अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के राजदूतों ने बीजिंग में सार्वजनिक रूप से प्रचारित दुर्लभ बैठक की। अमेरिकी राजदूत डेविड परड्यू ने एक्स पर एक तस्वीर साझा की और बताया यह बैठक बीजिंग स्थित अमेरिकी दूतावास में मंगलवार को हुई। परड्यू ने पोस्ट में चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने में एक सकारात्मक शक्ति है। बीजिंग में चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद के सदस्य देशों के राजदूतों से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने कहा कि चार देशों-अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान-के बीच संबंध स्थिर और मजबूत बने हुए हैं। उन्होंने चारों राजदूतों की तस्वीर साझा की जिसमें बीजिंग में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत भी नजर आ रहे हैं। भारतीय दूतावास ने बैठक पर टिप्पणी नहीं की है।

युद्ध से डरता नहीं है ईरान किंतु टकराव नहीं चाहता

तेहरान, एजेंसी

- विदेश मंत्री अराघची ने कहा-हम गंभीर बातचीत को तैयार

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि उनके देश को युद्ध का डर नहीं है, लेकिन उसने अमेरिका के साथ कभी कोई टकराव नहीं चाहा और वह सच्ची और गंभीर बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने यह बात एक्स पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान के बाद लिखी, कि ईरान को बैलिस्टिक मिसाइल या परमाणु हथियार कार्यक्रम फिर से शुरू करने पर बड़े सैन्य हमले का सामना करना पड़ेगा।

अराघची ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ कभी कोई टकराव नहीं चाहा। उन्होंने कहा कि ईरान के सशस्त्र बल किसी भी हमले का निर्णायक उपायों से जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, "हमारे संयम को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। यही एकमात्र कारण है कि हमारे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकाने सुरक्षित रहे। ईरानी आपसी हित के मुद्दों पर एक निष्पक्ष और संतुलित समझौते के उद्देश्य से सच्ची और गंभीर बातचीत से पीछे नहीं हटते हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के लोग परमाणु हथियार नहीं चाहते हैं, लेकिन अपने कानूनी अधिकारों को कभी नहीं छोड़ेंगे। अराघची ने कहा कि अमेरिका या तो इज़रायल की गढ़ी गई कहानियों पर निर्भर रहना जारी रख सकता है, या फिर यथार्थवाद, आपसी सम्मान पर आधारित रास्ता अपना सकता है।

अराघची ने अन्य देशों के विदेश मंत्रियों को पत्र लिखकर अमेरिका की ईरान विरोधी धमकियों को अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया।

रॉकेट एसएसएलवी के तीसरे चरण का सफल परीक्षण

चेन्नई, एजेंसी

- उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए इसरो का नया रॉकेट

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के तीसरे चरण (एसएस3) के उन्नत संस्करण का सफलतापूर्वक स्थैतिक परीक्षण किया। यह परीक्षण श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) में हुआ।

एसएसएलवी इसरो का नया रॉकेट है। यह तीन चरणों वाला पूरी तरह ठोस ईंधन से चलने वाला उपग्रह प्रक्षेपण यान है, जो 500 किलोग्राम तक का भार ले जाने में सक्षम है। इसका तीसरा (ऊपरी) चरण रॉकेट को लगभग चार किमी प्रति सेकंड की गति देता है। इसमें हल्का लेकिन मजबूत कंपोज़िट मोटर केस और विशेष नोज़ल डिज़ाइन है, जिससे इसका वजन कम हो जाता है। इस रॉकेट के तीसरे चरण में कार्बन-एपॉक्सी मोटर केस इस्तेमाल किया गया है, जिससे इसका वजन काफी कम हुआ है और यान की पेलोड क्षमता 90 किलोग्राम तक बढ़ गई है। साथ ही, इग्नाइटर और नोज़ल सिस्टम में सुधार किया गया है, जिससे प्रणाली अधिक प्रभावी और मजबूत बनी है। नोज़ल नियंत्रण के लिए कम बिजली खपत वाली इलेक्ट्रो-मैकेनिकल प्रणाली का उपयोग किया गया है।

दिल्ली में 10 करोड़ रुपये से अधिक की हेरोइन जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नशे के अंतरराज्यीय तस्कर गिरोह से ताल्लुक रखने के संदेह में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और दो किलो हेरोइन बरामद किया है। बरामद मादक पदार्थ की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में दस करोड़ रुपये आंकी गई है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि दोनों आरोपियों की पहचान अंशुल राणा और गंगा प्रसाद उर्फ विक्की के रूप में हुई है। कहा कि दिल्ली के द्वारका में छापेमारी के दौरान राणा के पास से कुल 2.034 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई, जबकि प्रसाद को पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में एक अलग अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि द्वारका के एक स्कूल के पास हेरोइन की एक बड़ी खेप पहुंचाने वाले एक तस्कर की गतिविधियों की सूचना मिली थी।

रक्षा मंत्रालय ने कहा | भारतीय सेना किसी भी उभरती हुई आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार

उत्तरी सीमाओं पर स्थिति स्थिर, लेकिन संवेदनशील

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि देश की उत्तरी सीमाओं पर स्थिति स्थिर लेकिन संवेदनशील बनी हुई है। उसने यह भी स्पष्ट किया कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के सभी क्षेत्रों में भारतीय सेना की तैनाती मजबूत, सुव्यवस्थित है और किसी भी उभरती हुई आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मंत्रालय ने कहा कि इसके अलावा, भारत और चीन के बीच राजनीतिक, राजनयिक और सैन्य स्तर पर द्विपक्षीय बातचीत ने उत्तरी सीमाओं पर सकारात्मक प्रगति और स्थिरता को बढ़ावा दिया है। मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी किया, जिसमें बीते वर्ष की घटनाओं और उपलब्धियों का विश्लेषण शामिल

- चीन से सैन्य स्तर पर वार्ता से सीमा पर बढ़ी स्थिरता

था। इसमें उत्तरी मोर्चे पर स्थिति और एलएसी के साथ दोनों पक्षों से सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया के बाद भारत-चीन संबंधों की स्थिति का भी उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि 2024 में डेपसांग और डेमचोक को लेकर हुए समझौते के बाद, वर्ष 2025 में उत्तरी सीमाओं के विपरीत और पारंपरिक प्रशिक्षण क्षेत्रों दोनों में पीएलए की तैनाती के स्तर में कमी देखी गई। रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया कि पीपीएलए (चीन की जन मुक्ति सेना) ने उत्तरी सीमाओं के सामने सामरिक और प्रशिक्षण क्षेत्रों में प्रत्येक स्थान पर संयुक्त हथियार ब्रिगेड के आकार की 10-10 यूनिट तैनात रखीं। एलएसी के साथ सभी क्षेत्रों में भारतीय सेना की तैनाती भी मजबूत है और सेना सुव्यवस्थित और किसी भी उभरती हुई आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। बयान में कहा गया है कि नई पीढ़ी के उपकरणों की तैनाती और उत्तरी सीमाओं पर रुद्र ब्रिगेड, दिव्यास्त्र बैटरी और भैरव बटालियन जैसे नवगठित बलों की तैनाती से देश की रक्षा तैयारियों को बढ़ाया गया है।

पाकिस्तान से हुईं 791 ड्रोन घुसपैठ की घटनाएं

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में पाकिस्तान से लगती अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर 2025 में ड्रोन घुसपैठ की कुल 791 घटनाएं दर्ज की गईं। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि इनमें से ड्रोन घुसपैठ की नौ घटनाएं जम्मू और कश्मीर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर और 782 घटनाएं पंजाब तथा राजस्थान में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर हुईं। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिमी मोर्चे पर अपने स्पूफर और जैमर का प्रभावी उपयोग ड्रोन के खतरे का काफी हद तक मुकाबला करने में कारगर साबित हुआ। इस अवधि के दौरान सेना ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में 237 ड्रोन मार गिराए।

जम्मू-कश्मीर में भी सुरक्षा की स्थिति मजबूत

रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि उत्तरी सीमाओं पर भी सभी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, संपर्क और आवास व्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिला है। भारतीय सेना के अथक प्रयासों के कारण जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। इसमें कहा गया है कि लोगों ने विकास का मार्ग चुना है और वे सरकार और भारतीय सेना द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं में बड़ी संख्या में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। बयान में कहा गया है कि हिंसा के स्तर में कमी आई है, विरोध प्रदर्शन कम हुए हैं और पथराव की कोई घटना नहीं हुई है।

दौड़ने से अनुशासन, विश्वास और दृढता सीखने को मिलती है, जो आपके साथ हमेशा रहती है। मुझे टाटा मुंबई मैराथन के 21वें सत्र का हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है।

-आंद्र डि ग्रासे, फर्राटा धावक

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

ली और कॉप ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ शुरू की ट्रेनिंग

मडगांव (गोवा)। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी ऑलराउंडर मरिजाने कॉप और उनकी हमवतन लिजेल ली आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पहले दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग सत्र में शामिल हो गई हैं। भारतीय खिलाड़ी तानिया भाटिया, निकी प्रसाद, मीनू मणि, ममता मडीवाला, दीया यादव और नंदनी शर्मा भी शिविर में शामिल हो गई हैं। तीन बार फाइनल में पहुंची दिल्ली कैपिटल्स अपने डब्ल्यूपीएल 2026 अभियान की शुरुआत 10 जनवरी को नवी मुंबई में मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम मुख्य कोच जोनाथन बैटी की देखरेख में ट्रेनिंग कर रही है और मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला खत्म होने के बाद भारतीय टीम की अन्य खिलाड़ी भी इसमें शामिल होंगी। सत्र पूर्व शिविर के बारे में बात करते हुए बैटी ने कहा हमारी टीम में कुछ नए चेहरे हैं इसलिए टीम का घुलना मिलना अच्छा होगा। गोवा का मौसम तैयारियों के लिए एकदम सही है।

साई के नए केंद्र का खेलमंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलुरु स्थित नेताजी सुभाष दक्षिण केंद्र को नया अत्याधुनिक हाई परफॉर्मेंस केंद्र मिलने जा रहा है जिसके शिलान्यास समारोह का खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को वर्चुअल उद्घाटन किया। करीब 75 करोड़ की लागत से बनने वाले प्रस्तावित केंद्र को हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से सीएसआर सहयोग के द्वारा स्थापित किया जायेगा जो इसके लिये 60 करोड़ रूपये देगा। साइ के सूत्र के अनुसार यह अगले 12 महीने में तैयार हो जायेगा। खेल मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इससे भारत के एलीट खिलाड़ियों की तैयारियों का इकोसिस्टम मजबूत होगा चूंकि उन्हें एक छत के नीचे विश्व स्तरीय खेल विज्ञान और सहायक सुविधायें मिल सकेंगी।

आईसीसी ने ईडन गार्डन्स पिच को संतोषजनक बताया

दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स पिच को संतोषजनक रेटिंग दी है। इस मैदान पर 14 नवंबर से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट खेला गया था, और मैच तीन दिनों के अंदर खत्म हो गया, जिसमें भारत को मेहमान टीम से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, सतह की कोई निंदा नहीं हुई। "यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी जिसकी हम तलाश कर रहे थे। यह बिल्कुल वैसी ही पिच है और मुझे लगता है कि क्यूरेटर बहुत, बहुत मददगार थे। और हम बिल्कुल यही चाहते थे। और हमें बिल्कुल यही मिला। जब आप अच्छा नहीं खेलते हैं, तो ऐसा ही होता है," भारत के कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम के 30 रनों से हारने के बाद कहा था, जब वे 124 रनों का पीछा करने में नाकाम रहे। हालांकि, बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने गुवाहाटी पहुंचने पर गंभीर की बात का खंडन किया – जो दूसरे टेस्ट का स्थान था, उन्होंने कहा कि कोई भी कोलकाता जैसी पिच नहीं चाहता था। पिच ने पहले दिन से ही तेज टर्न दिया।

भारतीय खेलों के लिए व्यस्त रहेगा 2026

अंडर-19 विश्व कप से शुरुआत और विश्व शतरंज से होगा वर्ष का समापन

नई दिल्ली, एजेंसी : भारतीय खेलों के लिए वर्ष 2026 रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। इसमें विभिन्न खेलों में विश्व खिताब दाव पर होंगे। ओलंपिक क्वालीफिकेशन का नया सत्र शुरू होगा, जिससे लॉस एंजिलिस खेल 2028 के टिकट कटाने का मौका मिलेगा। भारत के नए और पुराने खिलाड़ी अगले साल की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी समेत कई नए खिलाड़ी आकर्षण का केंद्र रहेंगे ऐसे में पीटीआई ने नए साल के खेल कैलेंडर पर नजर डाली है। पेश है विवरण।

जनवरी, फरवरी, मार्च

साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी, क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप हैं। यह 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में 50 ओवर के अंडर-19 विश्व कप से शुरू होगा, जहां वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी। इस आयु वर्ग के फाइनल के एक दिन बाद सीनियर पुरुष टीम भारत और श्रीलंका की मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी। आस्ट्रेलियाई ओपन 12 जनवरी से एक फरवरी के बीच आयोजित होगा, लेकिन भारत की चुनौती असरदार नहीं है। बैडमिंटन ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप तीन मार्च से शुरू होगी जिसमें पीवी सिंधु और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे। भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे समय बाद भारतीय टीम खेलते नजर आएगी।

पीवी सिंधु।

अप्रैल, मई, जून

मार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा। जिससे विश्व चैम्पियनशिप खिताब के चैलेंजर का पता चलेगा। अभी भारत के डी गुकेश विश्व चैम्पियन हैं। मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप खेली जाएगी। दोनों टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होंगे जिसमें ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंदा और महिला वर्ग में आर वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भाग लेंगे। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा और मुक्केबाजी टूर्नामेंट 11 अप्रैल को खत्म होगा। एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप एक से दस अप्रैल तक अहमदाबाद में खेली जायेगी। इसके बाद 24 अप्रैल से तीन मई तक थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन खेला जाएगा। इसके कुछ दिन बाद आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैम्पियनशिप फाइनल्स लंदन में 28 अप्रैल से दस मई तक चलेगा जिसके लिये भारतीय महिला और पुरुष टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है। जून में महिला टी20 विश्व कप होगा जिसमें हरमनप्रीत कौर की टीम 2025 में वनडे विश्व कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत मई में डायमंड लीग से होगी जिसमें भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा पर नजरें होंगी। मई में फ्रेंच ओपन और जून में विंबलडन खेला जाएगा। इसके बाद अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से फीफा विश्व कप फुटबॉल का आयोजन होगा।

कोनेरू हम्पी।

अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर

बहरीन में 24 अक्टूबर से विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप होगी। इसके बाद भारोत्तोलन विश्व चैम्पियनशिप 27 अक्टूबर से आठ नवंबर तक खेली जाएगी। एक नवंबर से दोहा में आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप होगी। दिसंबर में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप होगी जिसकी तारीख और स्थान अभी तय नहीं है।

जुलाई, अगस्त, सितंबर

राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लास्गो में आयोजित होंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में देखने को मिलेगा। निशानेबाजी, कुश्ती और हॉकी जैसे खेलों को बजट में कटौती के लिए रोस्टर से हटा दिया गया है। इन खेलों के बाद दिल्ली में 17 अगस्त से विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप होनी है। नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 अगस्त से हॉकी विश्व कप शुरू होगा। भारतीय पुरुष टीम एशिया कप जीतकर विश्व कप का टिकट कटा चुकी है जबकि महिला टीम मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलेगी। इसी दौरान भुवनेश्वर में 22 अगस्त से विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर रजत स्तर का टूर्नामेंट होगा। जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक एशियाई खेलों का आयोजन होगा। हॉकी में स्वर्ण जीतने वाली टीम लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटायेगी, निशानेबाजी में भी कोटा स्थान होंगे। एथलेटिक्स में डायमंड लीग फाइनल 4 से 5 सितंबर तक ब्रसेल्स में होगा। शतरंज ओलंपियाड का 46वां सत्र सितंबर में ताशकंद में खेला जाएगा।

नया साल, नए नियम : राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम आज से आंशिक रूप से लागू

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने बुधवार को घोषणा की कि ऐतिहासिक राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम एक जनवरी से आंशिक रूप से लागू होगा जिससे एक सर्व-शक्तिशाली राष्ट्रीय खेल बोर्ड और खेल विवादों को सुलझाने के लिए एक पंचाट बनाने का रास्ता साफ होगा।यह कानून 18 अगस्त को आधिकारिक राजपत्र (गजट) में नोटिफाई किया गया था। मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि अधिनियम की कुछ खास धाराएं और उप-धाराएं एक जनवरी 2026 से लागू होंगी जबकि बाकी प्रावधान बाद में लागू किए जाएंगे। इस कदम को देश में खेलों के बेहतर प्रबंधन और पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया केंद्र सरकार ने एक जनवरी 2026 को उस तारीख के रूप में तय किया है जिस दिन उक्त अधिनियम की धारा 1 से 3, धारा 4 की उप-धारा (1), (2) और (4), धारा 5 के उप-धारा (1) और (2), धारा 8 के उप-धारा (5), धारा 11 के उप-धारा (1), धारा 14 और 15, धारा 17 की उप-धारा (1) से (7) और (10), धारा 30 और 31, और धारा 33 से 38 के प्रावधान लागू होंगे।

श्रीलंका के खिलाफ एक मैच में विकेट लेने बाद जश्न मनाती दीप्ति शर्मा। फाइल फोटो

दीप्ति शर्मा ने बनाया एक और रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- टी-20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बनीं

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा अंतर्राष्ट्रीय टी-20 में महिला और पुरुष वर्ग दोनों में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गई है। दीप्ति ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ खेले गए पांचवें अंतर्राष्ट्रीय टी-20 में नीलाक्षिका सिल्वा को आउट कर मेगन शट के 151 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। उन्होंने 2016 में पर्दापण के बाद से 133 मैचों में अपना 152वां टी-20 विकेट लेकर यह मुकाम हासिल किया।

इसी के साथ दीप्ति ने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस सूची में पाकिस्तान की निदा डार 144 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रवांडा की हेनरीट इशिम्वे 117 मैचों में 144 विकेट के साथ चौथे तथा इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 101 मैचों 142 विकेट के साथ पांचवें स्थान पर है। इस उपलब्धि के साथ ही दीप्ति शर्मा महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने के झूलन गोस्वामी के रिकॉर्ड के करीब पहुंच रही हैं। दीप्ति के पास (टेस्ट में 20, एकदिवसीय में 162 और टी-20 में 152 विकेट) सहित कुल 334 विकेट हैं, जबकि गोस्वामी ने (टेस्ट में 44, एकदिवसीय में 255, टी-20 में 56 विकेट) कुल 355 विकेट के साथ सबसे आगे हैं। इंग्लैंड की कैथरीन साइवर-ब्रंट 335 विकेट के साथ दीप्ति से ठीक आगे हैं।

फीफा रेफरी सूची में तीन और भारतीय

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बुधवार को बताया कि एक महिला सहित तीन भारतीय रेफरी को फीफा की 2026 अंतर्राष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया है। गुजरात की रचना कमानी को महिला रैफरी की फीफा सूची में शामिल किया गया है, पुडुचेरी के अश्विन कुमार और दिल्ली के आदित्य पुरकायस्थ को पुरुष रैफरी के रूप में जगह मिली है।

यूपी की लगातार चौथी जीत जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन

राजकोट, एजेंसी

विजय हजारे ट्रॉफी

- वीजेडी प्रणाली से असम को 58 रनों से हराया

उत्तर प्रदेश ने आर्यन जुयाल के नाबाद 150 रन की बदौलत बुधवार को यहां बारिश से प्रभावित विजय हजारे ट्रॉफी मैच में 'वीजेडी' प्रणाली से असम पर 58 रन से जीत दर्ज कर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। असम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसमें कप्तान सुमित घडीगांवकर ने 86 गेंद में शानदार 101 रन बनाए। उनके अलावा सिबशंकर रॉय ने 83 गेंद में 82 रन की पारी खेली। लेकिन जीशान अंसारी (60 रन देकर तीन विकेट) और विप्रज निगम (66 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने असम की टीम 48.4 ओवर में 308 रन पर सिमट गई। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए जुयाल ने 140 गेंद की नाबाद पारी में 15 चौके और तीन छक्के जड़े। उन्होंने पिछले तीन मैच में से दो में 80 और 134 रन बनाए थे। वह फिलहाल विकेटकीपिंग नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह जिम्मेदारी ध्रुव जुरेल संभाल रहे हैं। जुयाल को प्रियम गर्ग का अच्छा साथ मिला जिन्होंने पांच चौके की मदद से 53 गेंद में 52 रन बनाए जबकि कप्तान रिंकू सिंह ने 15 गेंद में 37 रन का योगदान दिया। जब बारिश के कारण खेल रुका तो उत्तर प्रदेश ने 42 ओवर में दो विकेट पर 291 रन बना लिए थे। और अंत में उसे 'वीजेडी' प्रणाली से विजेता घोषित किया गया।

आर्यन जुयाल।

मुकेश कुमार और आकाश दीप ने अपनी बेहतरीन गेंदों से कहर बरपाया जिससे बंगाल ने जम्मू कश्मीर को कम स्कोर वाले मुकाबले में नौ विकेट से शिकस्त दी। गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए मुकेश (16 रन देकर चार विकेट) और आकाश (32 रन देकर चार विकेट) ने चार-चार विकेट लिए जबकि मोहम्मद शमी ने 14 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। इससे बंगाल ने जम्मू कश्मीर को 20.4 ओवर में महज 63 रन पर ऑल आउट कर दिया। केवल कप्तान पारस डोगरा (19) और शुभम खजूरिया (12) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए जबकि तीन बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाए। अभिषेक पोरेल (30) और सुदीप घरामी (25) ने 9.3 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर बंगाल को तीसरी जीत दिलाई जिससे टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

पीडब्ल्यूएल की नीलामी

3 जनवरी को लगेगी बोली, 15 जनवरी से एक फरवरी तक होगी प्रतियोगिता

सहरावत व सुसाकी का सबसे अधिक आधार मूल्य

नई दिल्ली, एजेंसी

पेरिस ओलंपिक्स के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत 18 लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) की नीलामी में सबसे महंगे घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए हैं जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता युई सुसाकी और दिग्गज खिलाड़ी युस्नेलिस गुजमेन लोपेज को भी इतने ही आधार मूल्य के वर्ग में रखा गया है।

पीडब्ल्यूएल नीलामी तीन जनवरी को होनी है जबकि लीग 15 जनवरी से एक फरवरी तक होगी। आगामी सत्र में मुकाबला करने वाली छह फ्रेंचाइजी हरियाणा थंडर्स, टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल, पंजाब रॉयल्स, महाराष्ट्र केसरी, दिल्ली दंगल वारियर्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।

विश्व चैंपियनशिप के दौरान वजन प्रबंधन नहीं करने के कारण 21 साल के सहरावत पर लगा प्रतिबंध हाल ही में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने हटा दिया था। वह हाल के सत्रों में भारत के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने ओलंपिक खेलों और एशियाई खेलों में पदक जीते। विश्व और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता दीपक पूनिया का आधार मूल्य 10 लाख रुपये है। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता नवीन भी इसी वर्ग में हैं। मौजूदा समय में भारत के सबसे अच्छे पहलवानों में से एक सुजीत कलकल ने हालांकि अपना आधार मूल्य सिर्फ सात लाख रुपये रखा है।

विदेशी पुरुषों के वर्ग में यूरोपीय और यूरेशियाई पहलवानों का दबदबा है। पूर्व विश्व और यूरोपीय चैंपियन रूस के अबासगदजी मागोमेदोव का आधार मूल्य 10 लाख है। इसी वर्ग में आर्मेनिया के विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता अरमान एंड्रियासियन और हंगरी के 2023 के विश्व चैंपियन इस्जमेल मुसुकाजेव भी हैं।

आर्सेन व अखमेद पर बड़ी बोली लगाने की उम्मीद

कई बार के विश्व और यूरोपीय पदक विजेता और ओलंपियन आर्मेनिया के आर्सेन हारुत्युनियन और मौजूदा विश्व और यूरोपीय चैंपियन रूस के उस्मानोव अखमेद पर बड़ी बोली लगाने की उम्मीद है। दोनों का आधार मूल्य 10 लाख रुपये है। महिला कुश्ती में विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता और भारत की स्टार खिलाड़ी अंतिम पंघाल को 10 लाख रुपये आधार मूल्य के वर्ग में रखा गया है जबकि फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही अंशु मलिक भी इसी वर्ग में हैं। स्वाति शिंदे, पूजा गहलोत भी उन शीर्ष भारतीय नामों में शामिल हैं जिनमें काफी दिलचस्पी होने की उम्मीद है।